दैनिक नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

रांची, शुक्रवार, 24 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी, विक्रम संवत-2084 वर्ष-10 अंक-96 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

कभी भी बड़ी योजना का हिसाब मत लगाओ, धीरे धीर शुरू करो, अपनी जमीन बनाओ और धीरे-धीरे उसे बढ़ाओ

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:15 प्रात:
अस्त : 06:36 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.0	24.0
जमशेदपुर	29.0	25.0
हजारीबाग	30.0	24.0
डालटनगंज	32.0	26.0

संक्षिप्त खबरें

गतिरोध खत्म करने की कोशिश, सरकार बुला सकती है सर्वदलीय फ्लोर लीडर्स की बैठक

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले को लेकर संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों में पिछले चार दिनों से गतिरोध जारी है। इसे लेकर सत्ता और विपक्ष में टकराव के कारण सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। संसद के मानसून सत्र में नीट पेपर लीक मामले पर जारी गतिरोध खत्म करने के लिए केंद्र सरकार विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक बुला सकती है। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे के कारण संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित हो रही है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सभी दलों के फ्लोर लीडर्स से अपील की कि वे चर्चा की अवधि और नियमों पर सहमति बनाएं, ताकि सदन में सार्थक बहस हो सके। सरकार की इस पहल का उद्देश्य संसद में जारी गतिरोध समाप्त करना और नीट पेपर लीक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा का रास्ता साफ करना है।

भड़की आंदोलन की आग. कल भाजपाइयों ने घेरा था कांग्रेस कार्यालय, अब भाजपा ऑफिस के बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन

दोनों ओर से टमाटर-अंडे फेंके गये, पत्थरबाजी, कई घायल

प्रदर्शन के दौरान आपस में भिड़े कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ता

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : बैरिकेडिंग तोड़ कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ता भिड़े, चले पत्थर

रांची। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से बीजेपी प्रदेश कार्यालय के निकट प्रदर्शन किया गया। इस दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ता आपस में भीड़ गए। टमाटर और अंडा फेंकने के बाद पत्थरबाजी में कई लोग घायल हो गए। हालांकि मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। इस दौरान कई मीडियाकर्मियों को भी चोटें लगने की खबर है। मालूम हो कि इसके एक दिन पूर्व बुधवार को भाजपा नेताओं ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर वहां प्रदर्शन किया था।

दोनों ओर से टमाटर और अंडा फेंकने के साथ पत्थरबाजी

प्रदर्शन के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना से निपटने के लिए मौके पर वाटर कैनन, अग्निशमन वाहन और अन्य सुरक्षा संसाधन तैनात किए गए थे। इसके बावजूद दोनों ओर से टमाटर और अंडा फेंकने की घटना हुई। इसके बाद पत्थरबाजी की घटना भी हुई। कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए बीजेपी कार्यकर्ताओं की ओर से भी व्यापक तैयारियां की गई थी।

कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर ट्रैफिक डायवर्ट

दूसरी तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन को देखते हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर जाने वाली सड़कों पर बैरिकेडिंग कर दी गई थी। साथ ही कुछ घंटे के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया गया।

कांग्रेस कार्यालय के घेराव के विरोध में शक्ति प्रदर्शन

इससे पहले बुधवार को भाजपा ने जेपीएससी में कथित भर्ती घोटालों के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया था। अब इसके जवाब में कांग्रेस ने गुरुवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय के घेराव का ऐलान किया था। इस प्रदर्शन को देखते हुए प्रदेश भाजपा कार्यालय और उसके आसपास के पूरे इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बीजेपी कार्यालय परिसर के बाहर और आसपास के इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल, रैपिड रिस्पांस टीम और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गयी थी।

जेपीएससी परीक्षा घोटाले की जांच तेज

पूर्व चेयरमैन एल खियांग्ते के घर सीआईडी का छापा

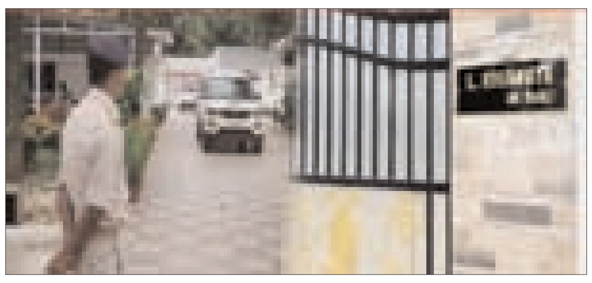

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा परिणाम में कथित गड़बड़ी की जांच अब पूर्व अध्यक्ष तक पहुंच गई है। गुरुवार को अपराध अनुसंधान विभाग सीआईडी की टीम जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव रह चुके एल खियांग्ते के आवास पर पहुंची। टीम ने उनके घर की तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की गई।

उल्लेखनीय है कि सीआईडी 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा परिणाम में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। इसी सिलसिले में पहले भी कई स्थानों पर छापेमारी की जा चुकी है और महत्वपूर्ण दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं, अब जांच की कड़ी पूर्व अध्यक्ष के आवास तक पहुंचने को इस मामले में अहम कदम माना जा रहा है।

इस मामले में सीआईडी अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें जेपीएससी की तत्कालीन डिप्टी कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन श्वेता कुमारी गुप्ता, टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रामवीर सिंह, कंपनी के कर्मचारी प्रशांत कुमार, अभिषेक कुमार और अजय कुमार शामिल हैं। जांच एजेंसी ने उनके पास से पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, कंप्यूटर और कई अहम दस्तावेज भी जब्त किए हैं, जिनकी फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है।

सीआईडी की कार्रवाई के बाद 22 जुलाई को जेपीएससी ने 25 जुलाई से प्रस्तावित 14वीं जेपीएससी की मुख्य परीक्षा सहित अन्य परीक्षाओं को स्थगित कर दिया था। इसको लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने जेपीएससी कार्यालय का घेराव भी किया था। उल्लेखनीय है कि 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा के परिणाम को लेकर अभ्यर्थियों ने बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। इसके बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच सीआईडी को सौंपी थी। जांच के दौरान लगातार हो रही गिरफ्तारियों और अब पूर्व चेयरमैन के आवास पर हुई तलाशी से साफ है कि एजेंसी मामले की हर कड़ी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

छात्रों के समर्थन में भाजपा के दिग्गज नेता, बोले-

लड़कियों पर बल प्रयोग देखकर पीड़ा हुई : मुरली मनोहर जोशी

नई दिल्ली। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के छात्रों के लिए बीजेपी के दिग्गज नेता मुरली मनोहर जोशी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा है। मुरली मनोहर जोशी ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों और खासतौर पर महिलाओं पर बल प्रयोग होता देखना पीड़ा दायक है।

छात्रों की चिंता को बताया जायज

मुरली मनोहर जोशी ने लिखा-यह देखना अत्यन्त पीड़ादायक है कि देश के अलग-अलग भागों से आए युवा छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर एकत्रित हैं। उनकी चिंताएं और सरोकार वास्तविक हैं। इन्हें सहानुभूति तथा दूरगामी समाधान की दृष्टि से हल किया जाना चाहिए। मुझे पूरी आशा है कि इसे केवल कानूनी और व्यवस्था की समस्या के रूप में नहीं देखा जाएगा, जिससे बलपूर्वक निपटा जाये। मुझे यह देखकर अत्यन्त पीड़ा हुई है कि महिलाओं और युवतियों पर निर्मम बल प्रयोग किया गया। ऐसे बल के उपयोग से भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा विकसित भारत के लक्ष्य से बहुत दूर चला जाएगा।

अभाविप ने भी जलाया धर्मेंद्र प्रधान का पुतला

उधर, भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने भी आज छात्रों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। नीट पेपर लीक के खिलाफ उत्तराखंड के मसूरी में एबीवीपी कार्यकताओं ने गुरुवार को धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। केंद्र सरकार सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए धर्मेंद्र प्रधान का पुतला जलाया।

राहुल गांधी बस से पहुंचे, गांधी स्मृति पहुंचा विपक्ष

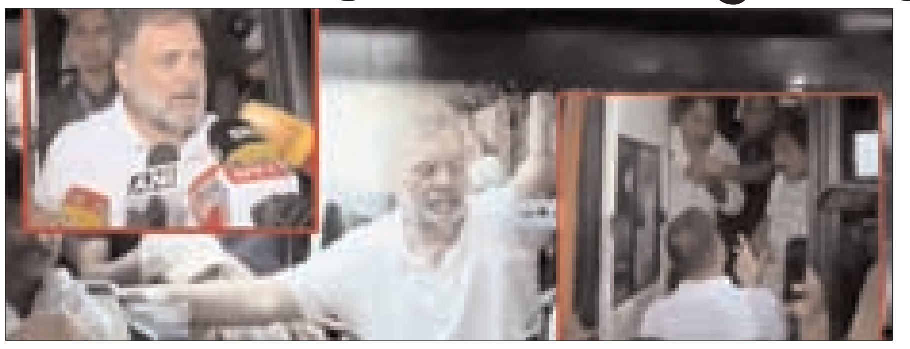

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सियासी तापमान और बढ़ गया है। गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसद एकजुट होकर गांधी स्मृति पहुंचे। राहुल गांधी अपने सरकारी आवास से विपक्षी नेताओं के साथ एक बस में सवार होकर निकले। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई(एम) समेत कई विपक्षी दलों के सांसद उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, यात्रा शुरू होने से पहले कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। राहुल गांधी के आवास के बाहर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी और बस को आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ मिनट तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने रास्ता खोल दिया, जिसके बाद विपक्षी नेताओं का काफिला गांधी स्मृति के लिए रवाना हो गया।

'छात्र सड़क पर हैं, इसलिए हम भी सड़क पर हैं'

रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में विपक्ष का कर्तव्य है कि वह उनके साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा, 'हम पहले इंडिया गेट जाना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हमने गांधी स्मृति जाने का फैसला किया, वहां भी हमें कुछ देर रोका गया। हमारा सबसे बड़ा संदेश देश के छात्रों के लिए है कि हम आपके साथ हैं और आपकी आवाज संसद से लेकर सड़क तक उठाएंगे।'

पहले हुई रणनीति बैठक, फिर निकला विपक्ष का काफिला

गांधी स्मृति मार्च से पहले राहुल गांधी ने अपने आवास पर विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में नीट पेपर लीक, संसद में सरकार को घेरने की रणनीति और छात्रों के समर्थन में संयुक्त कार्यक्रम पर चर्चा हुई। इसके बाद सभी नेताओं ने एक साथ बस से गांधी स्मृति जाने का फैसला किया। बैठक की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई।

विपक्ष ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

आरजेडी सांसद संजय यादव ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देशभर में 152 पेपर लीक हुए, लेकिन आज तक किसी बड़े आरोपी को सजा नहीं मिली। उनके मुताबिक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है और लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। वहीं, सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि विपक्ष गांधी स्मृति इसलिए जा रहा है क्योंकि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा छात्रों के साथ एकजुटता और लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक है।

विपक्ष की प्रमुख मांगें

नीट विवाद को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रहा है। विपक्ष की प्रमुख मांगें हैं- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की जवाबदेही तय की जाए। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए तथा संसद के भीतर और बाहर इस मुद्दे पर सरकार से जवाब लिया जाए।

क्यों निकाली गई यह बस यात्रा

विपक्षी दलों का कहना है कि यह यात्रा सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों के समर्थन का संदेश है जो नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों से प्रभावित हुए हैं। गांधी स्मृति पहुंचकर नेताओं ने छात्रों के संघर्ष के प्रति एकजुटता जताने, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग उठाने और छात्र आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले युवाओं को श्रद्धांजलि देने का संदेश दिया। साथ ही पुलिस कार्रवाई में घायल छात्रों और आंदोलनरत युवाओं के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया।

अंतरराज्यीय अपराध साइबर ठगी की जांच में देरी पर हाईकोर्ट सख्त, केन्द्र के दो सचिव तलब

झारखंड समेत तीन राज्यों के डीजीपी जबलपुर हाइकोर्ट में तलब

जबलपुर। जबलपुर में छह लाख रुपये की कथित साइबर ठगी के मामले में पुलिस-प्रशासन की सुस्त कार्रवाई पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। मामले की जांच में हो रही देरी पर कोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई को निर्धारित की गई है। कोर्ट ने असम, पश्चिम बंगाल और झारखंड के पुलिस महानिदेशकों, संबंधित राज्यों के गृह सचिवों, केंद्र सरकार के गृह सचिव, दूरसंचार विभाग के केंद्रीय सचिव, जबलपुर पुलिस अधीक्षक तथा मामले से जुड़े जांच अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने कहा कि जांच में देरी से न केवल विवेचना प्रभावित होती है, बल्कि आरोपियों को ठगी की रकम ठिकाने लगाने का भी मौका मिल जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (फ्ङक) को यह बताना चाहिए कि साइबर फ्रॉड की जांच के दौरान बैंकों द्वारा समय पर नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कौन-कौन से नियामकीय सुरक्षा उपाय लागू हैं।

एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, लेकिन इस मामले ने गंभीर संस्थागत कमियों को उजागर किया है। विभिन्न राज्यों की पुलिस, जांच एजेंसियों और बैंकिंग संस्थानों के बीच, साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के बीच समन्वय की चिंताजनक कमी दिखाई देती है। साइबर धोखाधड़ी की जांच के लिए तत्काल, समन्वित और तकनीक आधारित कार्रवाई आवश्यक है, जबकि वर्तमान मामला प्रक्रियात्मक देरी और संस्थागत असमन्वय को दशार्ता है। कोर्ट ने कहा कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में बैंक बचाव की पहली पंक्ति हैं। ग्राहकों के प्रति उनकी जिम्मेदारी है कि वे समय पर लेनदेन की सूचना दें, संदिग्ध खातों को तत्काल फ्रीज करें, जांच एजेंसियों के साथ खातों की जानकारी तेजी से साझा करें और संदिग्ध लेनदेन की रिपोर्ट करें। लेकिन अक्सर बैंक आवश्यक तत्परता नहीं दिखाते। धोखाधड़ी के बाद बीतने वाला हर घंटा पीड़ित की रकम वापस मिलने की संभावना को कम कर देता है।

एकलपीठ ने कहा कि आरोपी इसी समन्वय की कमी का लाभ उठाते हैं। तकनीक ने अपराधियों को राज्य की सीमाओं से परे आसानी से अपराध करने में सक्षम बना दिया है, जबकि जांच एजेंसियां अब भी प्रशासनिक सीमाओं में बंधी हुई हैं। साइबर अपराध अब केवल राज्य का विषय नहीं रह गया है। इसके लिए राज्य पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों, बैंकिंग संस्थानों, वित्तीय नियामकों और दूरसंचार विभाग के बीच निर्बाध सहयोग आवश्यक है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अब 'प्रीतम और पेड्रो' के एक साथ आने का समय है। साइबर अपराध की प्रभावी जांच तभी संभव है, जब तकनीकी विशेषज्ञता और पारंपरिक पुलिसिंग पूरी तत्परता और समन्वय के साथ काम करें। साइबर अपराधी क्षेत्रीय सीमाओं से परे काम करते हैं, जबकि जांच एजेंसियां अब भी प्रशासनिक दायरों में सीमित हैं। यह व्यवस्था न तो प्रभावी है और न ही टिकाऊ। इसलिए न्यायालय ने कहा कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की जांच के लिए एक केंद्रीकृत, तकनीक-सक्षम और समयबद्ध प्रोटोकॉल तैयार करने हेतु राज्य सरकारों, केंद्र सरकार, बैंकिंग नियामकों, वित्तीय संस्थानों, दूरसंचार प्राधिकरणों और जांच एजेंसियों के बीच संयुक्त विचार-विमर्श आवश्यक है। एकलपीठ ने याचिकाकर्ता, प्रतिवादियों, न्याय मित्र और अधिवक्ताओं से इस संबंध में ठोस सुझाव देने का अनुरोध किया है, ताकि साइबर अपराध के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए एक प्रभावी संस्थागत ढांचा तैयार किया जा सके।

सीजेपी ने आज देशव्यापी शांतिपूर्ण विरोध का किया आह्वान

नई दिल्ली। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सभी से शुक्रवार को देश के हर जिले में एक दिन के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इसका मुख्य उद्देश्य हर जिला, एक दिन, एक मांग के संदेश के तहत पूरे देश में एकजुटता प्रदर्शित करना है। सीजेपी के मुताबिक, यह प्रदर्शन देशभर में कथित पुलिस बर्बरता के शिकार पीड़ितों के समर्थन में होगा। आयोजकों ने देश के विभिन्न छात्र संघों और अन्य सामाजिक संगठनों से इस प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए मिलकर काम करने, आवश्यक अनुमतियां लेने और लॉजिस्टिक्स जुटाने की अपील की है। इस दौरान, विरोध स्थल पर एकत्र भीड़ के सामने छात्रों की मांगों को प्रमुखता से पढ़ा जाएगा। पुलिस कार्रवाई और बर्बरता का सामना करने वाले लोगों के प्रति समर्थन और एकजुटता जताई जाएगी। उल्लेखनीय है कि छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रही सीजेपी ने 'संसद चलो' मार्च की घोषणा की थी जिसके बाद 20 जुलाई को हजारों की संख्या में एकजुट हुए छात्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन जताया था। वे शिक्षा प्रणाली में अनियमितताओं और पेपर लीक मामले को लेकर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

मेदांता अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक का अनशन 26वें दिन भी जारी, हालत स्थिर

गुरुग्राम। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मेदांता मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती रहने के बावजूद अनशन गुरुवार को 26वें दिन भी जारी रहा। अस्पताल की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार उनकी स्थिति स्थिर है और सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानक सामान्य हैं।गुरुवार शाम को अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. संजय दुरानी की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया कि सोनम की स्वास्थ्य स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। वह स्टेबल और अलर्ट हैं। पूरी तरह से होश में हैं। उनके सभी वाइटल पैरामीटर सामान्य सीमा में हैं। वांगचुक का इलाज उनकी सूचित सहमति के अनुसार जारी है। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक को 21 जुलाई की शाम हाईकोर्ट के आदेश पर मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। अस्पताल में उनकी सुरक्षा के लिए थ्री-लेयर सिक्योरिटी के इंतजाम किए गए हैं और करीब 600 जवान तैनात हैं। वांगचुक द्वारा लिखा गया ओपन लेटर सार्वजनिक होने के बावजूद अभी तक सरकार की तरफ से उनसे कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। हालांकि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओर से कहा गया था कि जल्दी उस लेटर का जवाब देंगे। डॉक्टरों की निगरानी में वांगचुक का उपचार जारी है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि उनकी सेहत पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कड़ी सुरक्षा के बावजूद टूटी बैरिकेडिंग, भिड़ गये कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ता

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। रांची में नीट और जेपीएससी में कथित गड़बड़ियों को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी तनातनी अब सड़क पर पहुंच गई है। बुधवार को भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया था। इसके जवाब में कांग्रेस कार्यकर्ता नीट पेपर लीक मामले को लेकर गुरुवार को भाजपा कार्यालय घेराव करने पहुंचे और पुलिस की ओर से लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ दिया।

इसके बाद दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। दोनों तरफ से जमकर नारेबाजी शुरू हुई और देखते ही देखते मामला हंगामे में बदल गया। दोनों तरफ से पत्थर, टमाटर, अंडे और पानी की बोतलें फेंकी गईं। धक्का-मुक्की के बाद दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने की भी बात सामने आई है। इस दौरान घटना की कवरेज कर रहे दो मीडियाकर्मियों के घायल होने की भी खबर है।

हंगामे की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भाजपा कार्यालय के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। इसके बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता एक बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ गए। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की।

इससे पहले बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में निकाले गए मार्च को पुलिस ने सुभाष चौक के पास रोक दिया था। इसके बाद भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता काफी देर तक आमने-सामने रहे।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता 'राहुल गांधी चोर है' और 'झारखंड सरकार युवाओं को न्याय दे' जैसे नारे लगाते रहे तो वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर गद्दी छोड़ो', 'चंदा चोर गद्दी छोड़ो' और 'नीट पेपर लीक के आरोपी मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' जैसे नारे लगाए। भाजपा और कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हुए इस टकराव के बाद हरमू रोड पर काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी रही।

कांग्रेस में नैतिकता है तो झारखंड हुई सभी परीक्षाओं की कराए सीबीआई से जांच : आदित्य

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्र विरोधी ताकतों के साथ हाथ मिलाकर राष्ट्र को कमजोर और बदनाम करने में कभी भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ती। कांग्रेस को राष्ट्र की कतई चिंता नहीं है। दिल्ली में अप्रत्यक्ष रूप से युवाओं को इकट्ठा करके लोकतंत्र के मंदिर में घुसकर जिस प्रकार आंदोलन के नाम पर गुंडागर्दी की, वह निंदनीय है। सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी चाहते हैं कि देश टुकड़े टुकड़े में बंट जाए। इनकी कभी मंशा नहीं रहती कि देश अखंड रहे। साहू गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। साहू ने कहा कि लोकतंत्र लोक लाज से चलता है। कांग्रेस लोक लाज को धोकर पी गई है। कांग्रेस के दो चेहरे हैं। यह दिल्ली में कुछ करती है और झारखंड में कुछ। झारखंड में बीते छह वर्ष में जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल की परीक्षा हो, उत्पाद सिपाही भर्ती या शिक्षक नियुक्ति की परीक्षा हो, जब भी परीक्षा हुआ उसका प्रश्न पत्र पहले लीक हुआ है। पिछले 06 वर्ष में कांग्रेस की मदद से लाखों युवाओं का रोजगार छीनने का काम किया गया है। परीक्षा में हुई अनिमितता की जांच होनी चाहिए, लेकिन कांग्रेस इस पर मौन है। जेपीएससी में गड़बड़ी के खिलाफ भाजपा ने आंदोलन किया। दबाव के कारण जेपीएससी अध्यक्ष को इस्तीफा देना पड़ा। भाजपा की मांग है कि जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज हो। कांग्रेस इस पर अपना मुंह कभी नहीं खोलती।

स्वास्थ्य अधिकारियों को मिला मातृ स्वास्थ्य प्रबंधन का प्रशिक्षण

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मैटरनल हेल्थ सेल की ओर से राजधानी में गुरूवार को हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान, समय पर उपचार और प्रभावी प्रबंधन पर राज्य स्तरीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान राज्य के सभी 24 जिलों से 66 स्वास्थ्य अधिकारी और स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण दो चरणों में संपन्न हुआ। पहला चरण 13 से 15 जुलाई 2026 और दूसरा चरण 21 से 23 जुलाई 2026 तक आयोजित हुआ।

इस अवसर पर एनएचएम के अभियान निदेशक शशिप्रकाश झा, डायरेक्टर इन चीफ डॉ सिद्धार्थ सान्याल, मैटरनल हेल्थ सेल की स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ पुष्पा और आईईसी के स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ राहुल किशोर सिंह ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

मौके पर एनएचएम के अभियान निदेशक शशिप्रकाश झा ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागी अब अपने-अपने जिलों में मास्टर ट्रेनर के रूप में स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे राज्यभर में हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान और बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया गया। स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ पुष्पा ने हाई-रिस्क गर्भावस्था की समय रहते पहचान करने, नियमित प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), उचित उपचार किए जाने और आवश्यकता पड़ने पर सीधे तौर पर पीडिता को रेफरल अस्पवताल भेजने और गर्भवती महिलाओं की निगरानी के मानकों संबंधित विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य शशिप्रकाश झा, डॉ सिद्धार्थ सान्याल, डॉ पुष्पा, आईईसी के स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ राहुल किशोर सिंह सहित सभी जिलों से आए स्वास्थ्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बीएयू में अत्याधुनिक प्लांट ब्रीडिंग मॉलेक्यूलर प्रयोगशाला की स्थापना

फसल नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), रांची ने अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक फसल सुधार के क्षेत्र में शोध और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्याधुनिक प्लांट ब्रीडिंग मॉलेक्यूलर प्रयोगशाला की स्थापना की है। यह नई प्रयोगशाला कृषि, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

डीएनए निष्कर्षण, मार्कर-असिस्टेड चयन, जीनोटाइपिंग तथा मॉलेक्यूलर डायग्नोस्टिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित यह प्रयोगशाला शोधकताओं तथा स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों को अधिक उपज देने वाली, बेहतर पोषण गुणवत्ता वाली तथा कीट, रोग एवं प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति अधिक सहनशील फसल किस्मों के विकास में सहयोग प्रदान करेगी।

बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने गुरुवार को इस प्रयोगशाला का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ह्ययह सुविधा हमारे संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पारंपरिक पादप प्रजनन को मॉलेक्यूलर विज्ञान के साथ जोड़कर हम नवाचार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं, जिससे किसानों, उद्योग जगत और समाज को लाभ मिलेगा।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को नई चीजें सीखने में कभी संकोच नहीं करना चाहिए तथा गैर-आनुवंशिकी से जुड़े शिक्षकों को भी मॉलेक्यूलर अनुसंधान का अनुभव प्राप्त करना चाहिए, क्योंकि शिक्षक और वैज्ञानिक आजीवन सीखने वाले होते हैं।

प्लांट ब्रीडिंग मॉलेक्यूलर प्रयोगशाला अब पूरी तरह संचालित हो चुकी है और इसमें पीजी एवं पीएचडी छात्रों के शोध कार्य शुरू हो गए हैं। यह प्रयोगशाला क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगी तथा सरकारी एजेंसियों, कृषि अनुसंधान संस्थानों और निजी क्षेत्र के संगठनों के साथ सहयोग को बढ़ावा देकर जलवायु-अनुकूल फसल प्रौद्योगिकियों के विकास और उनके प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह प्रयोगशाला आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग की अध्यक्ष डॉ मणिगोपा चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में संचालित होगी। प्रयोगशाला में मॉलेक्यूलर अनुसंधान के लिए आवश्यक सभी अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। इन उपकरणों की सहायता से रोग एवं कीट प्रतिरोध, सूखा सहनशीलता, अधिक उत्पादन क्षमता, बेहतर गुणवत्ता तथा उन्नत पोषण मूल्य जैसे वांछनीय गुणों वाली फसल किस्मों के विकास की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

लाभकारी जीनों की प्रारंभिक पहचान तथा पादप आनुवंशिक संसाधनों के त्वरित विश्लेषण की सुविधा मिलने से प्रजनन की अवधि और लागत दोनों में कमी आएगी तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलेगा। अंततः यह प्रयोगशाला बदलती जलवायु परिस्थितियों में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिक लचीली फसल किस्मों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उद्घाटन समारोह में बीएयू के निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह तथा कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ डीके शाही भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री इरफान ने नीट में सफल छात्रों को सम्मानित किया

रांची। गोल इंस्टीट्यूट की ओर से गुरूवार को रांची में नीट में सफल छात्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इंस्टी्च्यूट से नीट परीक्षा 2026 में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही है, लेकिन उनका मन उन लाखों छात्रों के दर्द से भी व्यथित है। जिनके सपनों पर पेपर लीक की घटनाओं ने चोट पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि 28 वर्षों की अपनी गौरवशाली यात्रा में गोल इंस्टीट्यूट के18,000 विद्यार्थी नीट परीक्षा में सफल होकर आज भारत और विदेशों में चिकित्सक के रूप में मानवता की सेवा कर रहे हैं। यह किसी भी संस्थान के लिए असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 के नीट परिणामों में गोल इंस्टीट्यूट का प्रदर्शन अत्यंत उत्कृष्ट रहा है। मंत्री ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी सफलता से वंचित रह गए। उन्होंने आग्रह किया कि ऐसे बच्चों को न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रभावी पहल करे, ताकि मेहनत करने वाले किसी भी विद्यार्थी का भविष्य बर्बाद न हो। अंसारी ने कहा कि वे छात्रों और अभिभावकों की इस पीड़ा को पूरी गंभीरता से समझते हैं। युवाओं के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य में चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस एवं पीजी सीटों की संख्या बढ़ाई जा रही है ताकि राज्य के अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध हो सके। वर्षों तक झारखंड की चिकित्सा शिक्षा की उपेक्षा हुई, लेकिन अब महागठबंधन सरकार इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खालखो, गोल इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बिपिन कुमार सिंह, रांची विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ए. एन. शाहदेव, सेंट जेवियर्स इंटरमीडिएट कॉलेज, रांची के प्राचार्य फादर अजय अनिल तिर्की, रिम्स फिजियोलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ शिशिर कुमार, पैनेसिया हॉस्पिटल, रांची के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार सहित बड़ी संख्या में नीट में सफल छात्र-छात्राएं सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जेवीएम श्यामली में नीट के सफल विद्यार्थी सम्मानित

रांची। जवाहर विद्या मंदिर (जेवीएम), श्यामली परिसर में गुरूवार को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की श्यामली शाखा की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसके साथ ही बैंक अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधन ने नीट-2026 में जेवीएम के सफल विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, पुरस्कार और स्मृति उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्राचार्य बीएन झा ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने वाले ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।

एक नजर

नीट-2026 और सीबीएसई मार्किंग विवाद पर झामुमो का प्रदर्शन, केंद्र सरकार का पुतला फूंका

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला ने गुरुवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर केंद्र सरकार का पुतला फूंककर विरोध-प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नीट-2026 एवं सीबीएसई मार्किंग में कथित गड़बड़ियों के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ आयोजित किया गया। झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला एवं महानगर पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा छात्र मोर्चा के सदस्यों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारी पहले जिला स्कूल परिसर में एकत्र हुए और वहां से केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे। इसके बाद केंद्र सरकार का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान मुस्ताक आलम ने कहा कि छात्रों और युवाओं की आवाज को दबाने के लिए की गई कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट-2026 परीक्षा और सीबीएसई मार्किंग में कथित अनियमितताओं ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा छात्रों की मांगों पर केंद्र सरकार गंभीरता से विचार करे। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया पर विद्यार्थियों का विश्वास कमजोर होता है तो इसका सीधा असर देश के शिक्षा तंत्र पर पड़ता है। इसलिए सरकार को इस मामले में शीघ्र ठोस कदम उठाने चाहिए। प्रदर्शन में केंद्रीय सदस्य अश्विनी शर्मा, समनूर मंसूरी, डॉ. हेमलाल मेहता, धर्मेंद्र सिंह, सोनू मुंडा, रामशरण तिर्की, अफरोज अंसारी, फरीद खान सहित जिला, महानगर एवं छात्र मोर्चा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

39वें दीक्षांत समारोह की सुचारू व्यवस्था के लिए कोर कमेटी की बैठक संपन्न

रांची। राज्यपाल सचिवालय, झारखंड द्वारा प्राप्त पत्र के अनुपालन में रांची विश्वविद्यालय के 39वें दीक्षांत समारोह के सुचारू आयोजन को लेकर आज कुलपति सम्मेलन कक्ष में कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने की। बैठक में महामहिम राज्यपाल-सह-कुलाधिपति महोदय द्वारा 39वें दीक्षांत समारोह हेतु सितंबर तक दीक्षांत समारोह पूर्ण करने के आलोक में समारोह की तैयारियों, आयोजन में मितव्ययिता एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कुलपति ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि 39वें दीक्षांत समारोह के सफल एवं गरिमामय आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जाएं। बैठक में कोर कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित थे, जिनमें डीएसडब्ल्यू, प्रो. सुदेश कुमार साहू प्रॉक्टर डॉ मुकुंद मेहता, सीसीडीसी, डॉ पीके झा, कुलसचिव डॉ राजकुमार शर्मा, परीक्षा नियंत्रक संजय सिंह, वित्त पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार, उप निदेशक सीवीएस डॉ॰ स्मृति सिंह, समन्वयक एनएसएस डॉ किशोर सूरीन, निदेशक कंप्यूटर सेंटर डॉ ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह तथा, डॉ रोहित श्रीवास्तव उपस्थित थे।

बेल्जियम से झारखंड दौरा पर आए विद्यार्थियों ने स्पीकर से की शिष्टाचार भेंट

रांची। विश्वविद्यालय के स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत बेल्जियम से झारखंड दौरा पर आए विद्यार्थियों ने गुरुवार को झारखंड विधानसभा का भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष (स्पीकर) से शिष्टाचार भेंट की और अपने झारखंड दौरे का अनुभव साझा किया। स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने विद्यार्थियों को झारखंड विधानसभा की ओर से प्रकाशित पुस्तक सदन संवाद को स्मृति-चिह्न स्वरूप भेंट की। विद्यार्थियों ने झारखंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक विविधता, परंपराओं और स्थानीय जीवनशैली को जानने-समझने के अपने अनुभवों को स्पीकर के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि झारखंड का सांस्कृतिक वैभव, प्राकृतिक सौंदर्य एवं यहां के लोगों का आत्मीय व्यवहार उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। वहीं स्पीकर ने बेल्जियम से आए विद्यार्थियों का झारखंड विधानसभा में स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि विभिन्न देशों के बीच आपसी समझ, मैत्री संबंध और ज्ञान के विस्तार को भी नये आयाम देते हैं।

झारखंड के सभी स्थानों पर 26 से 29 जुलाई तक बारिश होने की संभावना

रांची। राजधानी रांची सहित झारखंड के सभी स्थानों में 26 से 29 जुलाई तक बारिश होने की प्रबल संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। विभाग के अनुसार निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के कारण आने वाले दिनों में राज्य में अच्छी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया है कि 27 जुलाई तक राज्य के विभिन्न स्थानों पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के गुड़ाबांधा में 57.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान दुमका में 32.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बारिश दर्ज की गई। हल्की बारिश होने से मौसम में ठंड महसूस की गई और सुहाना बना रहा। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री और न्यूनतम 21.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 29.6 डिग्री और न्यूनतम 23.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 32 और न्यूनतम 24.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 30.1 डिग्री और न्यूनतम 23.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

सावन

शिव मंदिरों में रंग-रोगन का कार्य चरम पर, मोहक रूप में नजर आएंगे शिवालय

सावन मास 30 जुलाई से आरंभ होकर 28 अगस्त तक रहेगा

अध्यात्म और आस्था की पावन धरा पर सावन की दस्तक

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 8 बजकर 5 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 30 जुलाई की रात 9 बजकर 30 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार सावन की शुरूआत 30 जुलाई से हो रही है। इस वर्ष सावन के पहले दिन आयुष्मान योग, सौभाग्य योग और श्रवण नक्षत्र का संयोग बन रहा है, जिससे शिव पूजा का महत्व बढ़ जाएगा। वहीं,महामृत्युंजय महादेव मंदिर, शिवपूरी कॉलोनी(हिनू) आज आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। इस पावन स्थल पर पहुंचते ही श्रद्धालुओं को असीम शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक अनुभूति का अहसास होता है। सावन के पवित्र महीने के आगमन से पूर्व मंदिर में तैयारियों की रौनक देखते ही बन रही है। श्रद्धालुओं को एक अलौकिक और दिव्य अनुभव कराने के लिए पूरे मंदिर परिसर का कायाकल्प किया जा रहा है।

श्रद्धा व विश्वास का अद्भुत संगम

बाबा नगरी की पहचान शिवपूरी कॉलोनी केवल धार्मिक स्थल तक सीमित नहीं है। यहां के पूर्वजों द्वारा स्थापित संस्कार, सामाजिक मूल्यों और आपसी सद्भाव की परंपरा आज भी जीवंत है। इन्हीं मूल्यों से प्रेरणा लेकर यहां की नई पीढ़ी शिक्षा, समाजसेवा, व्यवसाय और अन्य क्षेत्रों में सफलता हासिल कर कॉलोनी का नाम रोशन कर रहे है।

महामृत्युंजय महादेव मंदिर, शिवपुरी (हिनू)

मोहक दिखेगा मंदिरः अरविंद उपाध्याय

सामाजिक विचारक अरविंद उपाध्याय ने बताया कि कुशल कारीगरों की मदद से मंदिर के शिखर को नक्काशीदार बनाकर एक नया और भव्य रूप दिया गया है। वहीं, संपूर्ण शिवालय में रंग-रोगन का कार्य अंतिम चरण में है। सावन माह की शुरूआत से पूर्व यह कार्य पूरी तरह संपन्न कर लिया जाएगा, जिससे मंदिर अत्यंत भव्य एवं मोहक स्वरूप में नजर आएगा। उन्होंने कहाः हमारी कोशिश है कि सावन की शुरूआत से पहले रंग-रोगन का सारा काम पूरा कर लिया जाए, ताकि मंदिर आने वाले हर भक्त को एक अत्यंत दिव्य, शांत और सकारात्मक वातावरण की अनुभूति हो सके।

आस्था और सकारात्मक ऊर्जा का प्रमुख केंद्र

महामृत्युंजय महादेव मंदिर रांची के सबसे प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में से एक है। सावन के महीने में यहां भक्तों का तांता लगा रहता है और भारी भीड़ उमड़ती है। इस बार मंदिर का यह नया और अलौकिक स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

सावन के सोमवार

पहला सावन सोमवार- 3 अगस्त
दूसरा सावन सोमवार- 10 अगस्त
तीसरा सावन सोमवार- 17 अगस्त
चौथा सावन सोमवार- 24 अगस्त

संक्षिप्त खबरें

भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और बलभद्र की घूरती रथ यात्रा 25 जुलाई को

रांची। जगन्नाथपुर मंदिर धुर्वा के ऐतिहासिक घूरती रथ यात्रा महोत्सव-2026 का आयोजन 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जाएगा। जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति ने महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। समिति की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि घूरती रथ यात्रा महोत्सव की शुरुआत 25 जुलाई सुबह पांच बजे सुप्रभातम से होगी। इसके बाद सुबह छह बजे आरती एवं भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के दर्शन कराए जाएंगे। सुबह आठ बजे अन्न-भोग अर्पित किया जाएगा। दोपहर 2:50 बजे दर्शन बंद होने के बाद श्री सुदर्शन चक्र, गरुड़ जी, लक्ष्मीनरसिंह, भगवान बलभद्र, माता सुभद्रा और भगवान श्री जगन्नाथ को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रथ पर विराजमान किया जाएगा। इसके उपरांत विशेष पूजन, विष्णु लक्षार्चना, स्तोत्र पाठ, आरती और श्री जगन्नाथ अष्टकम का आयोजन होगा। शाम चार बजे घूरती रथ यात्रा प्रारंभ होकर शाम 5 बजे मुख्य मंदिर परिसर पहुंचेगी। इसके बाद शाम पांच से छह बजे तक महिलाओं के लिए रथ पर विशेष दर्शन की व्यवस्था की गई है। शाम छह बजे विग्रहों को रथ से उतारकर मुख्य मंदिर में स्थापित किया जाएगा। रात आठ बजे 108 दीपों की मंगल आरती, विशेष भोग और हरिशयन के साथ महोत्सव का समापन होगा। मंदिर न्यास समिति ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री से मिले सुदेश

रांची। आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने गुरुवार को केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच झारखंड में कोयला खनन से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों विशेषकर कोयले के दोहन, विस्थापन, स्थानीय जनभावनाओं, पुनर्वास और क्षेत्र के समग्र विकास पर विस्तृत चर्चा हुई।

खिजरी विधायक ने एक दिन में लगवाया नया ट्रांसफार्मर

अनगड़ा। प्रखंड के सिरका पंचायत के महेशपुर गांव में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर स्वीकृत 200 केवीए ट्रांसफार्मर लगाया गया। इसका उदघाटन प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष एतवा उरांव, पंचायत अध्यक्ष समीम खान, अनिता देवी एवं शाहनाज खातून ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि इस विद्युत ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से महेशपुर ग्राम एवं आसपास के लोगों को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे ग्रामीणों को विद्युतीकरण संबंधी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी। मौके पर साकिर खान, रफीक खान एवं रुस्तम खान आदि उपस्थित थे।

इंस्टाग्राम दोस्ती नाबालिग को पड़ी महंगी, स्कूल जाते समय बहला फुसलाकर ले गया आरोपी युवक

बंधक बनाकर 24 घंटे तक दुष्कर्म का आरोप

रातू पुलिस ने घंटों पीछा कर दबोचा आरोपी युवको को भेजा गया जेल, जबकि पीड़िता को घर

नव प्रदेश संवाददाता

रातू। सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती एक 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के लिए मुसीबत बन गई। इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर आरोपी युवक ने 21 जुलाई को सुबह आठ बजे अपने एक दोस्त के साथ मिलकर किशोरी को स्कूल जाने के दौरान बहला-फुसलाकर रास्ते से स्कूटी में भगा ले गया और 24 घंटे तक अपने पास रखा। किशोरी सरकारी स्कूल में आठवीं की छात्रा है। इस मामले में रातू पुलिस ने शिकायत मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

स्कूल जाने के लिए निकली किशोरी को भगा ले गया आरोपी – पीड़ित परिवार के अनुसार 14 वर्षीय किशोरी स्कूल जाने के लिए निकली थी। इसी दौरान पतराटोली, ककरगढ़, कुदू निवासी अताउल्लाह अंसारी उसे बहलाकर अपने साथ ले गया। दिनभर उसे रथ मेला घुमाने के बाद शाम को अपने दोस्त गुलजार अंसारी के फुटकलटोली स्थित घर ले गया। आरोप है कि वहां रातभर किशोरी को रखा गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया।

झूठी कहानी बताकर गुमराह किया – किशोरी के समय पर घर नहीं लौटने पर परिजन परेशान हो गए। इस बीच गुलजार की पत्नी ने फोन कर बताया कि किशोरी बर्थडे पार्टी में है और शाम तक आ जाएगी। रात सात बजे तक नहीं आने पर दोबारा कॉल करने पर कहा गया कि केक काटने में देरी है, इसलिए वह कल जाएगी। इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। घटना की सूचना रातू थाना को दी गई। अगली सुबह परिजनो व पुलिस के दबाव के कारण आरोपी ने उसे बुधवार सुबह दलादिली के पास छोड़ दिया। रोती हुई किशोरी को देखकर स्थानीय लोगों ने कारण पूछा। किशोरी ने आपबीती बताई और आरोपी का फोटो दिखाया। इसी बीच विनय विश्वकर्मा ने युवक की पहचान करते हुए बताया कि वह लड़का उसकी वेल्डिंग दुकान में काम करता है। इसके बाद विनय ने इंसानियत का परिचय देते हुए किशोरी को कमड़े स्थित घर के बाहर छोड़ा।

पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर दबोचा – परिजनों की शिकायत पर रातू पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की। पहले लोकेशन हिन्दपीढ़ी, फिर कर्बला चौक और रिम्स में मिला। वहां नहीं मिलने पर ठाकुरगांव रोड पर लोकेशन मिला। देर रात आरोपी जब अपने मालिक के घर चाबी लौटाने पहुंचा तो पहले से घात लगाकर बैठी पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी अताउल्लाह अंसारी और उसके साथी गुलजार अंसारी को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। वहीं किशोरी को परिजनों के हवाले कर दिया गया है। थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि शुक्रवार को किशोरी का मेडिकल कराया जाएगा। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर 164 का बयान कराया जाएगा। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

सुबोध कुमार साहु रातू पश्चिमी और अमित गोप बने रातू पूर्वी मंडल के नये अध्यक्ष

रातू। भारतीय जनता पार्टी रातू पश्चिम मंडल का नया अध्यक्ष सुबोध कुमार साहू व पूर्वी मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गोप को बनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। उनकी नियुक्ति पर दर्जनों भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नई जिम्मेदारी मिलने पर पूर्व मंडल अध्यक्ष रूपेश गोप, जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, महामंत्री सुधाकर चौबे, रामकुमार दुबे, इमरान खान,विनोद सिंह,मुकेश भगत अजय उरांव, अरविंद उरांव,विकास साहू, सुनील कुमार गोप, चंदन वर्मा, बलराम, श्याम सुंदर यादव, कर्मनाथ उरांव, देवेंद्र सिंह, अनिल साहू, सुरेंद्र महतो, मुखिया सुषमा तिर्की, बिट्टू वर्मा, सुशील कुमार पांडेय,कमलेश राम,केशव साहू, राजेंद्र पांडे, अविनाश मिश्रा, अनुराग दुबे, आशीष गोप, कलिंदर महतो, ममता चौहान, विनय गुप्ता, प्रवीण सिंह, रोबिन महतो, ज्योति गोप, सुषमा देवी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अमित कुमार गोप व सुबोध साहू को बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अमित गोप और सुबोध साहू के नेतृत्व में मंडल संगठन और मजबूत होगा और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। उन्होंने बूथ स्तर तक पार्टी को सक्रिय करने और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अमित गोप और सुबोध कुमार साहू ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में वे रातू पूर्वी एवं पश्चिम क्षेत्र में संगठन को और विस्तार देंगे और जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे।

एक नजर

मुख्यमंत्री से खेल सचिव, खेल निदेशक और मेजर जनरल ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरवार को पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार, खेल निदेशक छवि रंजन, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-23 आईबीजी मेजर जनरल सज्जन सिंह मान, डुरंड कप के नोडल अधिकारी कर्नल हेम चंद्रा तथा सहायक नोडल अधिकारी मेजर आनंद प्रकाश ने कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को रांची में 26 जुलाई 2026 से आयोजित होने वाले 135वें संस्करण डुरंड कप-2026 के उद्घाटन समारोह एवं उद्घाटन मैच में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

विद्यालय में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

अनगड़ा। स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल खेलगांव खटंगा में गुरवार को विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं दृष्टि संरक्षण हेतु एक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रिम्स के डॉ तरुण,कॉउंसेलर आशना कुमारी, ज्ञान शालीनी कुमारी, प्रकाश कुजूर तथा शालीनी कुमारी, नेत्र सहायक सुखदेव ने सभी की आँखा का जांच किया। इस दौरान बच्चों की दृष्टि क्षमता,चश्मे की आवश्यकता तथा आँखो की सामान्य समस्याओं परीक्षण किया गया। मौके पर स्कूल के प्राचार्य,शिक्षक और शिक्षिका उपस्थित थे।

सुरसु के दो दर्जन ग्रामीण वन अधिकार कानून को लेकर एसडीओ रांची से मिलकर दिया ज्ञापन

अनगड़ा। प्रखंड के सुरसू के ग्रामीण शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय सदर रांची जाकर एक आवेदन सौंपा है। जिसके अंतर्गत सुरसु ग्राम सभा द्वारा गुरवार को वन अधिकार कानून 2006 के तहत सामुदायिक अधिकार का दावा एवं सामुदायिक वन संसाधनों का प्रबंधन व संरक्षण का अधिकार का दावा,भौतिक सत्यापन एवं स्थल जांच करने की मांग शामिल है। आवेदन सौंपने वालों में केंद्रीय प्रभारी राजेश, कोर्डिनेटर कोशिला देवी,डब्लू बेदिया, ग्राम प्रधान गणेश बेदिया, मोतीलाल कुम्हार,लोविन बेदिया झगडू रजवार, एवं वन अधिकार समिति के अध्यक्ष करमसिह बेदिया,कोषाध्यक्ष सविता देवी, सदस्य रीता रजवार,मनोती करमाली,रवि करमाली,सरिता देवी,सुरज बेदिया,सुकरा उरांव,सिदाम बेदिया,रीना देवी, हरिलाल बेदिया, जगबंधु बेदिया जीवधन बेदिया, विनोद बेदिया,नागेश्वर बेदिया, भीखमबर बेदिया,जयनंदन बेदिया आदि शामिल थे।

डालसा टीम ने सिल्ली प्रखंड के लीगल एड क्लीनिकों का किया औचक निरीक्षण

सिल्ली। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश, सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना तथा न्यायायुक्त रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) रांची की टीम ने गुरुवार को सिल्ली प्रखंड क्षेत्र स्थित विभिन्न लीगल एड क्लीनिकों का औचक निरीक्षण किया। डालसा सचिव (प्रभारी) की मौजूदगी में बंताहजाम, लोवादाग, मुरी, बसिरा एवं हाकेदाग स्थित लीगल एड क्लीनिकों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टीम ने क्लीनिकों में कार्यरत पारा लीगल वालंटियर (पीएलवी) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पीएलवी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक लीगल एड क्लीनिक में विधिक जागरूकता से संबंधित बैनर एवं पोस्टर लगाए जाएं तथा आम लोगों के लिए पंपलेट और लीफलेट उपलब्ध रखे जाएं। साथ ही आने-जाने वाले लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता और सेवाओं की जानकारी देने को कहा गया। डालसा टीम ने पीएलवी को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। टीम ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी समय-समय पर लीगल एड क्लीनिकों का औचक निरीक्षण किया जाता रहेगा, ताकि उनकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान चीफ एलएडीसी प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, मध्यस्थ कौशल कुमार, पैनल अधिवक्ता निरमा शाह, पीएलवी दीपेन्द्र कुमार सहित सिल्ली प्रखंड क्षेत्र के सभी लीगल एड क्लीनिकों के पारा लीगल वालंटियर उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची के सचिव (प्रभारी) की ओर से दी गई।

मिलन चौक से मारुति 800 कार की चोरी, भुक्तभोगी ने अनगड़ा थाने में दी आवेदन

नव प्रदेश संवाददाता

अनगड़ा। अनगड़ा थाना क्षेत्र के मासू गांव (मिलन चौक) स्थित घर के बाहर से सोमवार (20 जुलाई) की रात्रि एक मारुति 800 कार (जेएच-01एल -3851) की चोरी हो गई। इस संबंध में पीड़ित अजीत महतो (पिता- नन्दलाल महतो) ने अनगड़ा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। भुक्तभोगी अजीत महतो के अनुसार, कार उनके बड़े भाई शंकर महतो के नाम पर पंजीकृत है, जिसे वे खुद चलाते हैं। रोजाना की तरह सोमवार की रात भी उन्होंने कार को अपने घर के बाहर खड़ा किया था। मंगलवार सुबह जब करीब 5:30 बजे वे सोकर उठे, तो देखा कि कार गायब थी। काफी खोजबीन और आसपास व परिजनों से पूछताछ के बावजूद कार का कोई सुराग नहीं मिल सका। भुक्तभोगी ने पुलिस से मामले की गहन जांच करते हुए कार्रवाई करने और कार की बरामदगी की गुहार लगाई है।

अमित ज्वेलर्स चोरी कांड का खुलासा

चोरी के गहने बरामद, एक गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

पिस्का नगड़ी। नगड़ी थाना क्षेत्र के नारो बाजार स्थित अमित ज्वेलर्स में हुई सोना-चांदी के गहनों की चोरी का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने चोरी के गहनों का बड़ा हिस्सा बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 की रात अज्ञात चोरों ने अमित ज्वेलर्स का शटर तोड़कर दुकान में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी की चोरी कर ली थी। मामले में नगड़ी थाना कांड संख्या 113/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4), 305(ए) एवं 3(5) में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के खुलासे के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि इस मामले में शामिल आरोपी अफरोज अंसारी को जमशेदपुर के टोरपा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। साथ ही उसने बताया कि चोरी के गहने जमशेदपुर निवासी मो. जावेद के पास छिपाकर रखे गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जमशेदपुर के जुगसलाई क्षेत्र में छापेमारी कर मो. जावेद को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए चांदी के कई आभूषण बरामद किए गए। बरामद सामान में 36 जोड़ी चांदी की पायल, 240 पीस बिछिया, 40 पीस मछली डिजाइन के आभूषण, 15 बाजूबंद, 17 चांदी के बेरा, चांदी का सिक्का, भगवान गणेश की चांदी की मूर्ति सहित अन्य चांदी के आभूषण शामिल हैं। छापेमारी दल में नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय, एसआई संजय कुमार सिंह, हवलदार निर्मल उरांव तथा आरक्षी ललन सिंह शामिल थे। पुलिस का कहना है कि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

मांडर, करंट से बचाव के लिए बिजली विभाग की अपील

मांडर। मांडर व चान्हो में करंट से दो लोगों की मौत को लेकर विद्युत विभाग की ओर से विशेष अपील जारी की गयी है। विद्युत विभाग के एसडीओ प्रेम दास ने बरसात के मौसम को लेकर क्षेत्र के लोगों से बिजली से संबंधित कार्य करने में विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया है और कहा है कि उपभोक्ता कृषि कार्य में वैध कनेक्शन लेकर व मीटर तथा एमसीबी स्विच लगाकर ही बिजली का उपयोग करें। उन्होंने किसानों से कृषि कार्य में बिजली के कनेक्शन में चाइना तार का उपयोग नहीं करने की अपील की है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।

Email- rdsd.latehar@rediffmail.com

पत्रांक – ____________ग्रा०वि०वि०प्र०, लातेहार, दिनांक– ____________

प्रेस विज्ञप्ति

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।

PR 385713 Rural Development(26-27).D

झारखंड राज्य किसान सभा की बैठक संपन्न

10 अगस्त के जेल भरो आंदोलन की तैयारी

नव प्रदेश संवाददाता

सिल्ली। झारखंड राज्य किसान सभा की राज्य किसान काउंसिल की बैठक गुरुवार को राहे प्रखंड के महेशपुर में असिम सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में किसान मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई और 10 अगस्त को प्रस्तावित देशव्यापी जेल भरो आंदोलन को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव अवधेश कुमार ने कहा कि किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 10 अगस्त को देशव्यापी जेल भरो आंदोलन निर्णायक साबित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, बीज एवं बिजली विधेयक तथा चार लेबर कोड जैसे प्रस्ताव किसानों के हितों के विपरीत हैं और इन्हें लागू करना किसानों पर बड़ा हमला है। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने राज्य की गतिविधियों और किसान आंदोलनों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में निर्णय लिया गया कि 1 से 9 अगस्त तक राज्यभर में पदयात्रा, जीप यात्रा, साइकिल एवं मोटरसाइकिल रैली तथा घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाकर 10 अगस्त के जेल भरो आंदोलन को सफल बनाया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया है कि 28 और 29 जुलाई को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कन्वेंशन में राज्य से प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा। वहीं 15 नवंबर को शहीद बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर गांव-गांव में झंडोत्तोलन और सभाओं का आयोजन किया जाएगा। सितंबर माह में राज्य के सभी प्रखंडों में किसान समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किए जाएंगे, जबकि 18 से 21 नवंबर तक होने वाले अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों के तहत 27 जुलाई को राज्य स्तरीय कन्वेंशन आयोजित किया जाएगा। बैठक में यूरिया एवं डीएपी खाद की बढ़ती कीमतों, घटिया धान बीज वितरण, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण, हाथियों के आतंक, विस्थापन और पलायन जैसे मुद्दों पर स्थानीय स्तर पर आंदोलन तेज करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में झारखंड राज्य किसान सभा के अध्यक्ष असिम सरकार, उपाध्यक्ष सुरजीत सिन्हा, संयुक्त सचिव मदुवा कच्छप, अशोक शाह, प्रफुल्ल लिंडा, शंकर उरांव, ललित मुंडा, राजू मुंडा, जयपाल सिंह मुंडा, उमेश महतो, रीता स्वांसी, बिसमबर महतो, आएता उरांव, तारापद रवानी, गोपाल महतो सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

यौन शोषण के आरोपित सीआरपीएफ जवान को भेजा जेल

अनगड़ा। शादी के नाम पर यौन शोषण करने के आरोपित सीआरपीएफ के जवान जयसिंह मुंडा को अनगड़ा थाना पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जयसिंह मुंडा अंजाहरिया के कंबो का रहनेवाला है। इस मामले में गुमला की एक युवती ने चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया था। इस मामले में अनगड़ा थाना में पहले से ही जयसिंह मुंडा के खिलाफ वारंट जारी था। आरोप है कि जयसिंह मुंडा पहले से ही शादी शुदा है। इसी बीच गुमला की एक युवती को जयसिंह मुंडा ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण किया। युवती के बार बार पूछने पर वह लगातार शादी करने से इंकार कर रहा था। इसी बीच युवती को पता चला की वह पहले से ही शादी शुदा है।

झारखण्ड सरकार

कार्यालय: जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
2	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
3	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
4	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

PR 385719 Lohardaga (26-27)_D

सड़क हादसों पर लगाम की तैयारी: उपायुक्त ने रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर की सख्ती

ब्लैक स्पॉट की नये सिरे से पहचान करने का आदेश

नवप्रदेश/गुमला। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अहम फैसले, हाट-बाजार में बेतरतीब ऑटो खड़ा करने पर भी लगेगी रोक ,जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उपायुक्त श्री दिलेश्वर महतो ने सख्त रुख अख्तियार किया है। गुरुवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने एनएचएआई, आरसीडी, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उपायुक्त ने साफ कहा कि सड़कों पर होने वाली लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी और नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

बैठक में भरनो, सिसई और एरोड्रम क्षेत्रों में लगातार सामने आ रही उल्टी दिशा में वाहन चलाने की शिकायतों पर कड़ा संज्ञान लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि फोर लेन सड़क पर मीडियन के सहारे गलत दिशा में चलना दुर्घटना को न्योता देने जैसा है। इस प्रवृत्ति पर पूर्ण रोक लगाने के साथ ही स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए सर्विस रोड के प्रस्ताव को भी विभागीय स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।ब्लैक स्पॉट और जलजमाव की होगी नयी जांच, राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित सहायता देने के लिए हाईवे हेल्पलाइन 1033 को व्यापक प्रचारित करने का निर्णय लिया गया।

स्पीड लिमिट बोर्ड और नो-एंट्री का नया समय

शहर की तमाम प्रमुख सड़कों पर अनिवार्य रूप से गति सीमा बोर्ड लगाने का फैसला लिया गया। भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री का समय रात 8:00 बजे तक प्रभावी रखा गया है दुन्दुरिया बस डिपो से निकलकर अन्य स्थानों पर अनियंत्रित रूप से रुकने वाली बसों को चिन्हित कर भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी गई है। टावर चौक, थाना चौक और पटेल चौक पर बस खड़ी करने की अनुमति किसी भी स्थिति में नहीं होगी। टावर चौक और पटेल चौक क्षेत्र में लगने वाले जाम से निपटने के लिए संयुक्त जांच अभियान चलाकर सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। बैठक में सड़क हादसों में घायलों की सहायता करने वाले नेक नागरिकों (गुड समेरिटन) का एक औपचारिक रजिस्टर बनाने का निर्देश दिया गया। हाट-बाजार में अब ऑटो चिन्हित जगहों पर ही लगेंगे। घाघरा बाजार के दिन सड़कों पर बेतरतीब ऑटो खड़े होने की शिकायतों का निदान करते हुए उपायुक्त ने हाट-बाजार के दौरान ऑटो को केवल पूर्व निर्धारित स्थानों पर ही लगाने का आदेश दिया है।

धान रोपाई के दौरान किशोरी को सांप ने डसा, सदर अस्पताल में चल रहा इलाज

नवप्रदेश/गुमला। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के आंध्रडीह गांव में धान रोपाई के दौरान एक 15 वर्षीय किशोरी को सांप ने डस लिया। घटना के बाद परिजनों ने बिना देर किए उसे सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।घायल किशोरी की पहचान रिमझिम कुमारी (15 वर्ष), पिता नारायण उरांव, ग्राम आंध्रडीह, थाना घाघरा के रूप में हुई है। पीड़िता के पिता नारायण उरांव ने बताया कि गुरुवार दोपहर रिमझिम अपने परिवार के साथ खेत में धान की रोपाई करने गई थी। रोपाई के दौरान खेत में छिपे एक सांप ने अचानक उसके पैर में डस लिया। सांप के काटते ही रिमझिम दर्द से चीखने लगी, जिसके बाद खेत में मौजूद परिजन और ग्रामीण तुरंत उसके पास पहुंचे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन बिना देरी के रिमझिम को दोपहर करीब 2:30 बजे सदर अस्पताल गुमला लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे भर्ती कर लिया। वर्तमान में डॉ. गणेश राम की देखरेख में उसका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार मरीज की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।बरसात के मौसम में खेतों और जलभराव वाले क्षेत्रों में सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में धान रोपाई और कृषि कार्य करने वाले किसानों एवं मजदूरों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश की घटनाएं इस मौसम में लगातार सामने आ रही हैं, इसलिए किसी भी व्यक्ति को सांप काटने पर झाड़-फूंक में समय गंवाने के बजाय तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

ऑटो खरीदने की जिद पूरी नहीं होने पर 10वीं के छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

नवप्रदेश/रायडीह। गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र के केमेटे गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। ऑटो खरीदने की जिद पूरी नहीं होने से नाराज 18 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान आकाश मल्हार (18 वर्ष) के रूप में हुई है। वह चैतू मल्हार का पुत्र था और रायडीह स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था। मृतक के पिता चैतू मल्हार ने बताया कि उनका पुत्र पिछले कुछ समय से ऑटो खरीदने की जिद कर रहा था। परिवार की आर्थिक स्थिति और उसकी पढ़ाई को देखते हुए उन्होंने फिलहाल ऑटो खरीदने से मना कर दिया था तथा पहले पढ़ाई पूरी करने की सलाह दी थी। इसी बात से आकाश नाराज चल रहा था। बताया गया कि बुधवार रात करीब 10 बजे आकाश ने घर के अंदर लूंगी के सहारे घर में लगे धरना (लकड़ी का बीम) से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब परिजनों की नजर उस पर पड़ी तो उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।सूचना मिलने पर रायडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेजा गया। पोस्टमार्टम के उपरांत पुलिस ने शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया।

महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सहयोगिनी के गौतम सागर को किया सम्मानित

नवप्रदेश/बोकारो। झारखंड राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज आंद्रे हाउस, राँची में आयोजित जलवायु अखाड़ा कार्यक्रम के दौरान बोकारो के सामाजिक कार्यकर्ता तथा सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर को पर्यावरण संरक्षण , बाल अधिकार के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। सारथी नेटवर्क द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को विधायक सरयू राय सहित देशभर से आए विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, सुनिश्चित आजीविका तथा सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। श्री सागर सहित 43 सामाजिक संगठनों के प्रमुखों को महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के 'भारत पंचामृत मिशन' और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना तभी साकार होगी जब हमारा विकास समावेशी होगा।

राहुल-प्रियंका व छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस का धरना

केंद्र सरकार पर साधा निशाना, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश/गुमला। केंद्र सरकार एवं दिल्ली पुलिस द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसदों, नेताओं और छात्रों के खिलाफ की गई कथित कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी गुमला के तत्वावधान में कचहरी परिसर स्थित हड़ताली वृक्ष के समीप एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश से गुमला जिला प्रभारी बनाकर भेजे गए शमशेर आलम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने की।

धरना को संबोधित करते हुए शमशेर आलम ने कहा कि केंद्र सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों को लगातार कमजोर करने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों की आवाज दबाने, विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलनों पर पुलिस बल का प्रयोग करना लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अन्याय और दमन के खिलाफ हमेशा सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करती रहेगी तथा युवाओं और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज उठाएगी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कांग्रेस नेताओं पर की गई कार्रवाई पूरी तरह अलोकतांत्रिक और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने

बोकारो स्टील सिटी में शिक्षा व्यवस्था के विरोध में निकली विरोध रैली

नवप्रदेश/बोकारो। शहर के सेक्टर क्षेत्र में गुरुवार को विभिन्न छात्र-युवा संगठनों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के विरोध में विरोध रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तिरंगा और तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई। रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों तथा जवाबदेही तय करने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को रखा और सरकार से पारदर्शी परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने, छात्रों के हितों की रक्षा करने तथा शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार लागू करने की अपील की।

ऑब्जर्वेशन होम में बीमार पड़े किशोरों का हाल जानने पहुंचे उपायुक्त

नवप्रदेश/बोकारो। ऑब्जर्वेशन होम सह प्लेस ऑफ सेफ्टी में रह रहे किशोरों के स्वास्थ्य को लेकर गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं अधिकारियों से स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी लेते हुए सभी किशोरों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। ऑब्जर्वेशन होम में वर्तमान में 43 किशोर रह रहे हैं। चिकित्सकीय जांच के बाद 16 किशोरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से 15 स्वस्थ होने पर छुट्टी दे दी गई है, जबकि एक किशोर अब भी चिकित्सकीय निगरानी में है। वहीं परिसर में संचालित विशेष चिकित्सा शिविर में दो किशोरों की निगरानी की जा रही है। शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ और जनरल फिजिशियन की टीम लगातार स्वास्थ्य परीक्षण कर रही है। उपायुक्त ने बताया कि सिविल सर्जन की सलाह के अनुसार सभी किशोरों को संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक प्रतिरोधात्मक दवाएं (प्रोफिलैक्टिक मेडिसिन) उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को खाद्य सामग्री की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

80वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां तेज, 8 अगस्त से शुरू होगा परेड का पूर्वाभ्यास

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य, गरिमामय और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने की तैयारियां तेज हो गई हैं। गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में समारोह की तैयारियों का विभागवार जायजा लिया गया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर सौंपे गए कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष भी मुख्य समारोह सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में आयोजित होगा। उपायुक्त ने बीएसएल प्रबंधन से मैदान के समतलीकरण, मोरम बिछाने एवं अन्य आधारभूत तैयारियों की प्रगति की जानकारी ली। बीएसएल प्रबंधन ने भरोसा दिलाया कि सभी कार्य समय से पहले पूरे कर लिए जाएंगे। उपायुक्त ने समारोह स्थल एवं सभी सरकारी कार्यालयों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने, राष्ट्रीय ध्वज के सम्मानजनक एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप ध्वजारोहण सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। समारोह की तैयारियों की नियमित निगरानी का दायित्व अनुमंडल पदाधिकारी चास को सौंपा गया।

बैठक में जानकारी दी गई कि 8 से 13 अगस्त तक परेड का पूर्वाभ्यास होगा। समारोह में जिला सशस्त्र बल, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, गृह रक्षा वाहिनी, एनसीसी, चौकीदार दल तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित कुल 11 प्लाटून मार्चपास्ट में भाग लेंगी। उपायुक्त ने सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित कराने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। साथ ही समारोह को थीम आधारित स्वरूप में आयोजित करने के लिए उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार को उपयुक्त थीम निर्धारित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह की समग्र तैयारियों के समन्वय, पर्यवेक्षण एवं सफल संचालन की जिम्मेदारी भी उप विकास आयुक्त को दी गई। बैठक में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थानीय शहीद स्थल टावर चौक में झारखंड मुक्ति मोर्चा छात्र मोर्चा का धरना प्रदर्शन संपन्न

छात्रों का मांग है कि ऐसे भ्रष्ट मंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए

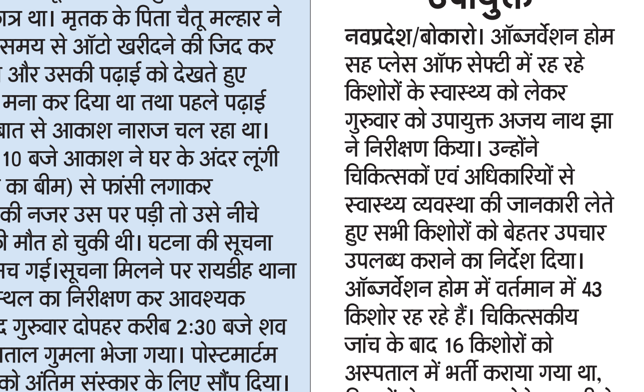

नवप्रदेश/गुमला। यह नीट परीक्षा में धांधली एवं पेपर लीक होने से छात्रों में पूरे देश में आक्रोश है आज पूरे देश में नौजवान छात्र-छात्रा अपनी मांगों को लेकर प्रजातांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे हैं जो उनका संवैधानिक अधिकार है परंतु केंद्र की मोदी सरकार तानाशाही रवैया अपनाते हुए दिल्ली के जंतर मंतर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के उपर पुलिस के द्वारा बर्बरतापूर्वक लाठी बरसाई जा रही है, उनको पीटा जा रहा है छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया जा रहा और छात्रों के जायज मांगों को केंद्र की मोदी सरकार नहीं मान रही है।

छात्रों के आंदोलन को कुचलना के लिए हिटलर सही तरीका अपना रही है जो काफी निंदनीय है, साथ ही केंद्र की मोदी सरकार छात्रों को प्रताड़ित करने के साथी भ्रष्ट केंद्र शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचाने का काम कर रही है, छात्रों का मांग है कि ऐसे भ्रष्ट मंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए लगभग 25 दिनों से देश के जाने-माने वैज्ञानिक एवं समाजसेवी सोनम वांगचुक जी भूख हड़ताल पर है उनकी सेहत बहुत बिगड़ गई है लेकिन केंद्र सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा छात्र मोर्चा गुमला इकाई ने प्रदर्शन कर इस आंदोलन को अपने नैतिक समर्थन दिया है। इस मौके पर अरविंद तिर्की संजू खाखा प्रफुल्ल खलखो अनमोल एक्का अनीश केरकेट्टा अर्पण टोप्पो मो शाहनवाज मो नावेद फरमान कुरैशी विक्की आलम अर्पित किंडो मंजू टोप्पो शोभा प्रतिमा जगरानी टोप्पो सेवाती टोप्पो अश्विन लकड़ा मुन्ना अंसारी फुरकान लक्की मोनू अंसारी राजेश कुमार दीपक सिंह शिकुंदा लड़का रोजी कुजूर दीपा कुमारी आदि उपस्थित रहे।

मजदूर गुफरान खांन का शव संदिग्ध हालात में बैंगलोर में रुम के पंखे में लटका मिला

नवप्रदेश/गुमला। मजदूर संघ सीएफटीयू प्रदेश उपाध्यक्ष जुम्मन खान को परिजनों ने सहयोग करने का अपील किया है।परिजनों ने बताया कि लगभग एक महीने पहले मजदुरी करने गया था बैंगलोर और खिलौना बनाने वाले कंपनी में काम कर रहा था। मृतक प्रवासी मजदूर गुफरान खांन। वहीं परिजनों का कहना है कि लगातार हमलोगों से फोन पर बात चीत हो रहा था। और सबकुछ सही था। अचानक कल यानि रविवार शाम लगभग 5: बजे रुम में लगे पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का खबर उसके साथ एक अन्य रुम में रहने वाला युवक ने फोन कर परिजनों को बताया। जिसके बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। तथा मृतक प्रवासी मजदूर गुफरान खांन के परिजनों ने फोन कर मजदूर संघ उपाध्यक्ष जुम्मन खान को जानकारी दिए। वहीं जिस तरह का बिडियो मृतक मजदूर का आया है उसे कई तरह के सवाल उठा रहे हैं परिवार वाले। शव का आज हुआ पोस्ट माडम साथ ही शव को शाम लगभग 7:बजे एंबुलेंस के माध्यम से लाया जा रहा है घर। मजदूर संघ उपाध्यक्ष जुम्मन खान ने कहा कि इस मामले में शव आने के बाद श्रम अधीक्षक गुमला एवं प्रवासी नियंत्रण कक्ष रांची को लिखित आवेदन देकर जांच करने की मांग किया जाएगा। शव का जिस तरह का विडियो आया है उसे देखते हुए लग रहा है कि किसी ने मार कर हत्या करके बचने के लिए पंखे से लटका दिया गया है जिसे आत्म हत्या का रूप दिया जा सके। वहीं मजदूर संघ उपाध्यक्ष जुम्मन खान ने आगे कहा कि हमारे झारखंड प्रदेश सहित गुमला जिला के प्रवासी मजदूर अपने घर से सही सलामत बाहर प्रदेशों में मजदूरी करने जाते आते हैं।

एक नजर

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2027 के लिए कक्षा-6 में नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक

नवप्रदेश/गुमला। नवोदय विद्यालय समिति, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा2027 के माध्यम से कक्षा-6 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयन परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर, 2026 को किया जाएगा।जवाहर नवोदय विद्यालय देश के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है। नामांकन के लिए विद्यार्थियों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (JNVST) के माध्यम से किया जाता है। जवाहर नवोदय विद्यालय समिति के अनुसार गत वर्ष देशभर में 25,99,277 अभ्यर्थियों ने कक्षा-6 चयन परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। इस वर्ष अधिक से अधिक विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।ऑनलाइन आवेदन जवाहर नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट X http://www.nfavodaya.gov.in एवं https://cbseitms.rcil.gov.in/nvs/ के माध्यम से किया जा सकता है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 है। इच्छुक अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से अपील की गई है कि अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते अपना आवेदन सुनिश्चित करें, ताकि जिले के अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ मिल सके

गुमला में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई यूनिक बेकरी पर गंदगी मिलने पर जुर्माना

नवप्रदेश/गुमला। संयुक्त खाद्य सुरक्षा आयुक्त झारखंड, उपायुक्त गुमला एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गुमला के संयुक्त निर्देश पर गुमला शहर में खाद्य सुरक्षा मानकों एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी, कुमार प्रभाकर एवं आशा राज ने किया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों, चाट-ठेला, किराना दुकानों तथा थोक एवं खुदरा बेकरी प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, सुरक्षित भंडारण, खाद्य लाइसेंस एवं पंजीकरण, उत्पादों की एक्सपायरी तिथि तथा लेबलिंग संबंधी प्रावधानों की विस्तार से जांच की गई। अधिकारियों ने सभी खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान यूनिक बेकरी में स्वच्छता मानकों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अर्थदंड लगाया गया। इसके अलावा कई अन्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं खाद्य पदार्थों के रख-रखाव में कमियां मिलने पर संचालकों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए।

नीट विवाद पर केंद्र सरकार पर हमलावर हुईं अनुपमा सिंह, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

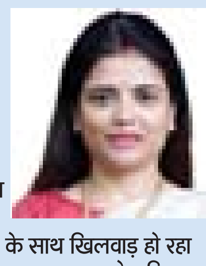

धनबाद/बोकारो । राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की वर्किंग प्रेसिडेंट एवं धनबाद की कांग्रेस नेत्री श्रीमती अनुपमा सिंह ने नीट परीक्षा को लेकर देशभर में जारी छात्र आंदोलनों और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परीक्षा व्यवस्था में लगातार हो रही अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में विफल रही है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। जारी बयान में अनुपमा सिंह ने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर है, लेकिन उनकी मांगों को गंभीरता से सुनने के बजाय पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं 152 से अधिक बार रद्द या प्रभावित हुई हैं। बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को संकट में डाल दिया है। इसके बावजूद केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय जवाबदेही तय करने में असफल रहे हैं। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि जब परीक्षा प्रणाली लगातार सवालों के घेरे में है और छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है, तब केंद्रीय शिक्षा मंत्री की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने पद से इस्तीफा दें। उन्होंने केंद्र सरकार से परीक्षा प्रणाली में व्यापक एवं पारदर्शी सुधार लागू करने, पेपर लीक और परीक्षा घोटालों में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने, प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा उनके खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे वापस लेने की मांग की। अनुपमा सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों और भविष्य के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा उनकी न्यायपूर्ण मांगों के समर्थन में पार्टी हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी।

अजमानतीय वारंटी के तीन आरोपी गिरफ्तार, सेक्टर-06 थाना पुलिस की कार्रवाई

नवप्रदेश/बोकारो। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लंबित मामलों में फरार चल रहे अजमानतीय वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सेक्टर-06 थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जीआर केस संख्या 1096/21 में जारी अजमानतीय वारंट के आधार पर मुनिरका साहनी, कन्हाय साहनी तथा धर्मेंद्र साहनी को गुरुवार को छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपी सेक्टर-05 स्थित धोबी मोहल्ला के निवासी बताए गए हैं। सेक्टर-06 थाना की सहायक थाना प्रभारी संगीता के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के बाद गिरफ्तार आरोपियों का गिरफ्तारी ज्ञापन तैयार कर उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा न्यायालय से जारी वारंटों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

थाना दिवस में 63 मामलों की सुनवाई, 53 का मौके पर हुआ निष्पादन

नवप्रदेश/बोकारो। आमजन की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से गुरुवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में थाना दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में थाना प्रभारियों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी भी शामिल हुए। थाना दिवस के दौरान जमीन विवाद, राजस्व मामलों तथा अन्य शिकायतों की संयुक्त रूप से सुनवाई की गई। जिलेभर से प्राप्त कुल 63 मामलों में से 53 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि दो मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई। शेष 10 मामलों में आवश्यक कार्रवाई जारी है। पुलिस प्रशासन के अनुसार, थाना दिवस के दौरान सबसे अधिक मामले भूमि बंटवारे, जमीन के कागजात प्रस्तुत नहीं करने, निर्माण कार्य रोकने, दूसरे की जमीन पर दावा करने तथा आपसी विवाद और गाली-गलौज से संबंधित रहे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने बताया कि थाना दिवस के आयोजन से आम लोगों में पुलिस एवं प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है और शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था मजबूत हुई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि आपसी विवाद या मारपीट से बचें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर थाना दिवस में अपनी शिकायत दर्ज कराकर उसका विधिसम्मत समाधान प्राप्त करें।

झामुमो ने जंतर-मंतर में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में केंद्र सरकार का किया पुतला दहन

नवप्रदेश/दुमका। दुमका स्थित सिदो-कान्हू चौक (पोखरा चौक) में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) दुमका जिला समिति द्वारा जिला अध्यक्ष शिव कुमार बास्की के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर में छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान झामुमो नेताओं एवं कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए छात्र-छात्राओं पर बल प्रयोग की कड़ी निंदा की। वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस घटना की जवाबदेही तय करने तथा छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की।

इस विरोध कार्यक्रम में झामुमो जिला सचिव निशित वरण गोलदार, जिला प्रवक्ता अब्दुश सलाम अंसारी, जिला संगठन सचिव रवि यादव, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता मरांडी, जिला सचिव सबिता टुडू, केंद्रीय समिति सदस्य राजेश कुमार सिंह, दुमका प्रखंड अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी, प्रखंड सचिव विजय मल्लाह, नगर अध्यक्ष विजय दास, नगर सचिव मो. आरिफ, उपाध्यक्ष अमित रक्षित, प्रदीप केवट, मसलिया प्रखंड अध्यक्ष बासुदेब टुडू, रानीश्वर प्रखंड अध्यक्ष बाबूजान हेंब्रम सहित झामुमो के बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झामुमो ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का किया पुतला दहन

नवप्रदेश/गिरिडीह। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। पार्टी कार्यकर्ता कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए टावर चौक पहुंचे और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि ठएएळ-2026, सीबीएसई मार्किंग में कथित अनियमितताओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। झामुमो ने छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच की मांग की। कार्यक्रम में महापौर प्रमीला मेहर, उपमहापौर सुमित कुमार, पूर्व विधायक केदार हाजरा सहित बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता और छात्र मौजूद रहे।

पीएम श्री विद्यालयों में 'मॉडल युवा ग्राम सभा' गठन की होगी पहल

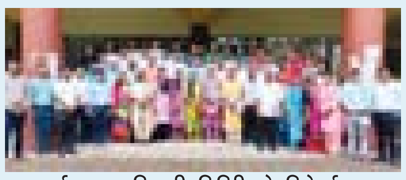

नवप्रदेश/गिरिडीह। राज्य परियोजना निदेशक झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् , रांची एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी - सह - जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गिरिडीह के निदेर्शानुसार गिरिडीह जिले में संचालित माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक पीएम श्री विद्यालयों में माह अक्टूबर 2026 में मॉडल यूथ ग्राम सभा का आयोजन किया जाने से संबंधित झारखंड राज्य स्तर पर ए.आर.टी.टी.सी., बी.एस.एन.एल. , रांची स्थल पर दिनांक- 20 से 22 जुलाई तक तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें गिरिडीह जिले में संचालित विभिन्न प्रखंडों के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक पीएम श्री विद्यालयों के शिक्षक संजीव कुमार , कारण कुमार दास, काजल पांडेय, गीता कुमारी , रंजीता कुमारी, गोपाल रजक, अजय सिंह , सनौज कुमार, कुमारी रंजीता, गुलाब चंद मांझी, सुशीला शर्मा, बहादुर प्रसाद एवं परमानन्द यादव ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मॉडल युवा ग्राम सभा का आयोजन विधालय स्तर पर किस प्रकार करना है विस्तृत चर्चा एवं प्ले रोल के माध्यम से अभ्यास की गई। राज्य स्तर का प्रशिक्षण झारखंड सरकार के पंचायती राज विभाग के सहयोग से झारखंड एजुकेशन प्रोजेक्ट काउंसिल ने भी पंचायती राज मंत्रालय की परिकल्पना एवं अनुशंसाओं के अनुरूप राज्य के 248 पीएम श्री विद्यालयों में 'मॉडल युवा ग्राम सभा' की पहल की गई है।

सभी बूथों पर बीएलओ की बीएलए 2 के साथ बैठक आयोजित

नवप्रदेश/गिरिडीह। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के आलोक में निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 22 जुलाई 2026 को गिरिडीह विधानसभा के अंतर्गत मतदाता सूची का प्रारूप तैयार करने एवं ए एसडीडीएफ सूची के सत्यापन हेतु सभी बूथों पर बीएलओ की बीएलए 2 के साथ आयोजित बैठक के क्रम में 32 गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्वाचन आयोग से अधिकृत भाजपा के बीएलए 1 सेवानिवृत्ति इंजीनियर विनय कुमार सिंह द्वारा होनी होली स्कूल मोहनपुर के बूथ संख्या 15 ,16 ,17 एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय भंडारीडीह के बुथ संख्या 32 ,33,34 सहित अन्य बुथो का जायजा लेते हुए बताया गया कि निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के अनुपालन में कार्य चल रहा है। इस संबंध में इंजीनियर विनय कुमार सिंह द्वारा बताया गया की गणना फॉर्म भरने का कार्य तेजी से चल रहा है जो 29 जुलाई तक चलेगा, जिन मतदाताओं के द्वारा अभी तक गणना फॉर्म नहीं भरा गया है। इस संबंध में पूर्व में दी गयी जानकारी के मुताबिक जिन मतदाता का नाम 2003 के मतदाता सूची में है। वह गणना फॉर्म के बाएं साइड में अपना सेल्फ डिटेल 2003 मे दिए गए डाटा के मुताबिक भरेंगे तथा जिनके नाम 2003 के मतदाता सूची में नहीं है वह गणना फॉर्म के दाएं साइड में अपने माता-,पिता ,दादा ,दादी ,नाना ,नानी में से किसी एक नाम पर जिनका नाम 2003 के मतदाता सूची में है, उनकी विवरणी गणना फॉर्म में भरेंगे जिनका जन्म दो दिसंबर 2004 के बाद हुआ है दाएं बगल के कॉलम में अपने माता-पिता का डिटेल 2003 के मुताबिक भरेंगे ,नीचे वाले तीसरे कलम में वर्तमान का डाटा भरना है, सिंह द्वारा बताया गया कि इस संबंध में पूर्व में जानकारी भाजपा के बीएलए 2 एवं संबंधित मतदाताओं को दी गई है, यदि किसी कारणवश किसी वैध मतदाता का गणना फार्म प्राप्त नहीं हुआ है तो अपना आपत्ति दर्ज करेंगे , नये मतदाता का फॉर्म 6 भरवाकर उन्हें मतदाता बनाना है,5 अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा, उसके बाद दावा एवं आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 4 सितंबर 2026 तक है,जिसका निपटारा करने की अवधि 3 अक्टूबर तक है, 7 अक्टूबर 26 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा , मतदाता सूची में किसी प्रकार की अशुद्धियां रहने पर प्राप्त नोटिस के आलोक में चुनाव आयोग द्वारा किए गए 11 प्रावधान में से एक दस्तावेज आवश्यकतानुसार जमा करना है,ताकि किसी वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में नहीं छूटे ,यदि किसी मतदाता को किसी प्रकार का कठिनाई हो तो बूथ के संबंधित बीएलओ एवं भाजपा के बीएलए 2 एवं विधानसभा के बीएलए 1को अपनी कठिनाइयों से अवगत करायेंगे।

मुख्यमंत्री सारथी योजना को मिली मजबूती: गिरिडीह में मेगा प्लेसमेंट ड्राइव, 121 युवाओं को मिले ऑफर लेटर

नवप्रदेश/गिरिडीह। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत गिरिडीह स्थित जे आर एस के टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड में आज एक भव्य प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस दौरान जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (जीडीए) और फैशन डिजाइनर (एफडी) कोर्स के 120 प्रशिक्षार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किए गए। यह आयोजन राज्य के युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुआ।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सारथी योजना झारखंड कौशल विकास मिशन सोसायटी (जेएसडीएमएस) द्वारा कार्यान्वित एक व्यापक योजना है, जिसका उद्देश्य युवाओं को मुफ्त कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके तहत 18 से 35 वर्ष के युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के बाद तीन माह के भीतर रोजगार न मिलने पर युवकों को 1000 रुपये तथा युवतियों/दिव्यांगों को 1500 रुपये प्रतिमाह रोजगार प्रोत्साहन भत्ता भी दिया जाता है।

इस प्लेसमेंट ड्राइव का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षित युवाओं को उद्योग जगत से जोड़ना था। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्थाओं अलर्ट स्पेस (ज्यूपिटर हॉस्पिटल) , वीएनएस हेल्थ केयर तथा गृहम हेल्थ केयर ने जीडीए छात्रों का चयन किया, वहीं फैशन उद्योग की प्रमुख कंपनियों ओरिएंट क्राफ्ट और कलर जर्सी ने फैशन डिजाइनर छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान किए। सभी कंपनियों के एचआर एवं हायरिंग मैनेजर कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों से सीधा संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरिडीह के नगरपालिका अध्यक्ष श्री सुमित कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत युवाओं को मिल रहा यह प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर स्थानीय युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के माध्यम से युवा न केवल अपना जीवन संवार रहे हैं, बल्कि समाज और देश की प्रगति में भी योगदान दे रहे हैं। वहीं यूएनडीपी सर श्री दीपक पांडेय ने युवाओं को वैश्विक स्तर पर बदलते रोजगार के परिदृश्य से अवगत कराया और उन्हें नई तकनीकों में दक्ष होने की सलाह दी। केनरा बैंक की शाखा प्रमुख श्री दीपक सर ने छात्रों को वित्तीय साक्षरता एवं करियर योजना के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स दिए। सेंटर मैनेजर पंकज कुमार वर्मा ने कहा कि जे आर एस के टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत युवाओं को उद्योग-आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान नियमित रूप से ऐसे प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन करता है, जिससे छात्रों को अपने करियर की शुरूआत करने का अवसर मिलता है।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभागवार प्रतिनिधियों की सूची जारी

नवप्रदेश/गिरिडीह। झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार ने गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान एवं विभागीय कार्यों के प्रभावी निष्पादन के लिए विभागवार प्रतिनिधियों की सूची जारी की है। जारी आदेश के अनुसार मो. सईद अख्तर को खनन विभाग, गिरिडीह का विभागीय प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। विभागीय प्रतिनिधि संबंधित विभाग से जुड़े मामलों का समन्वय करेंगे तथा आम जनता की समस्याओं के समाधान और विधायक संबंधी कार्यों के निष्पादन में सहयोग करेंगे। अपनी नियुक्ति पर मो. सईद अख्तर ने मंत्री सुदिव्य कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा खनन विभाग से जुड़ी जनसमस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण

नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालयीन कार्यों एवं अभिलेखों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रैंडम आधार पर विभिन्न संचिकाएं निकलवाकर उनकी अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि कोई भी संचिका अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। सभी मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कर्मियों की सेवा पुस्तिका, आगत-निर्गत पंजी, लॉग बुक, गार्ड फाइल सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। साथ ही शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं से विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ से संबंधित संचिकाओं का भी अवलोकन किया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सेवानिवृत्त शिक्षकों को पेंशन स्वीकृति एवं भुगतान में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही के कारण पेंशन संबंधी मामलों में विलंब पाया गया तो संबंधित लिपिक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) योजना की प्रगति एवं व्यवस्था की भी जानकारी ली तथा इसके प्रभावी संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान कुछ कर्मियों के कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा उनका वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ जिले के प्रत्येक पात्र छात्र-छात्रा तक समय पर पहुंचे, यह शिक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

44 साल बाद भी चांडिल डैम के विस्थापितों की अनसुनी पीड़ा, रेवेन्यू 700 करोड़ में, मुआवजा अब तक नहीं

नवप्रदेश/चांडिल। सरायकेला-खरसावां जिले की चांडिल सुवर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना को बने 44 साल से ज्यादा हो गए। हर चुनाव में ये मुद्दा बनता है, लेकिन विस्थापितों की पीड़ा आज भी वही है। एक तरफ सरकार डैम से हर साल करोड़ों का रेवेन्यू कमा रही है, दूसरी तरफ 116 गांव के विस्थापित अब तक मुआवजे और पुनर्वास का इंतजार कर रहे हैं। चांडिल डैम से सरकार को अब तक कुल 717 करोड़ 67 लाख रुपये का रेवेन्यू मिला है। अकेले 2025-26 में 127 करोड़ और अप्रैल 2026 में ही 65 करोड़ 28 लाख रुपये जमा हुए हैं। इसमें 583 करोड़ 54 लाख रुपये टाटा कंपनी ने बकाए के तौर पर दिए हैं। जल संसाधन विभाग अन्य कंपनियों से भी शुल्क वसूलता है। लेकिन इस डैम से प्रभावित 116 गांव और 84 मौजा आज भी आरएल में बंद हैं। जिला प्रशासन की आबदा बैठक में सिर्फ पानी का स्तर 180.22 मीटर से नीचे रखने की बात होती है।

विस्थापितों का आरोप है कि उन्हें विस्थापन नीति के तहत पूरा मुआवजा नहीं मिला। आंशिक जमीनें भी डूब गईं। 8 मेगावाट बिजली और कृषि को पानी देने का वादा भी पूरा नहीं हुआ। सवाल ये है कि करोड़ों के रेवेन्यू से विस्थापितों की समस्या क्यों नहीं सुलझी?विस्थापितों का कहना है कि सरकार आरएल के नाम पर विस्थापन को टाल रही है। 44 साल बाद भी चांडिल डैम के विस्थापित न्याय की बाट जोह रहे हैं। सरकार रेवेन्यू तो ले रही है, लेकिन सवाल वही है - विस्थापितों की सुध कब लेगी?

सरायकेला खरसावां जिला के चांडिल सुवर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना बने 44 साल से ज्यादा हो गए, लेकिन हर चुनाव में सिर्फ मुद्दा बनकर रह जाता है। विस्थापितों की पीड़ा आज भी जस की तस है। सरकार डैम के पानी से हर साल करोड़ों का रेवेन्यू कमा रही है, लेकिन विस्थापितों को न मुआवजा मिला, न कोई ठोस समाधान।चांडिल डैम से सरकार को पानी बेचकर लगभग 700 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला है। जल संसाधन विभाग द्वारा टाटा सहित अन्य कंपनियों से भी इसका शुल्क वसूलता है। लेकिन इस डैम से प्रभावित 116 गांव और 84 मौजा के लोग आज भी फ्छ में बंद हैं। जिला स्तर पर होने वाली आबदा की बैठक में भी सिर्फ पानी का स्तर 180.22 मीटर से नीचे रखने की सलाह दी जाती है। विस्थापितों का कहना है कि विस्थापन नीति के तहत उन्हें अब तक पूरा मुआवजा नहीं मिला है। आंशिक जमीनें भी डैम के जलाशय में डूब गई हैं।

राज्य सरकार पानी बेचकर रेवेन्यू तो ले रही है, लेकिन उसी राशि से विस्थापितों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा। स्थानीय लोगों का सवाल है कि चांडिल जलाशय से मिलने वाले रेवेन्यू का पैसा आखिर कहां खर्च हो रहा है। आज तक न तो डैम की समुचित देखरेख और मेंटेनेंस के लिए कोई ठोस योजना बनी, न ही परियोजना के वादे पूरे हुए। परियोजना के तहत 8 मेगावाट बिजली उत्पादन और कृषि भूमि को पानी की आपूर्ति का लक्ष्य था, जो आज तक पूरा नहीं हो सका। विस्थापितों का आरोप है कि स्थानीय विधायक और सांसद ने अब तक कैबिनेट की बैठक में इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं उठाया। अगर उठाया जाता तो 44 साल से चली आ रही उनकी पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती थी। अब सवाल यही है कि चुनाव के समय याद आने वाले विस्थापितों की सुध सरकार कब लेगी?

एक नजर

नीट पेपर लीक और लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस ने फूंका पीएम व शिक्षा मंत्री का पुतला

नवप्रदेश/सरायकेला। नीट पेपर लीक मामले तथा नई दिल्ली में छात्रों और विपक्षी नेताओं पर कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार शाम आकाशवाणी चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राज बागची ने किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। साथ ही दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों और नेताओं पर पुलिस की कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, परीक्षा अनियमितताओं पर संसद में चर्चा तथा प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग की। वही पूर्व विधायक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह ने कार्यक्रम को नैतिक समर्थन दिया। कार्यक्रम में देबु चटर्जी, राणा सिंह,प्रिंस सिंह, सुरेश धारी, उपेंद्र शर्मा, जगदीश नारायण चौबे, राणा सिंह, वैद्य संजय कुमार, रिजवान खान, संतोष सिंह, अनिल ठाकुर, खिरोड़ सरदार, कमल नयन, अवधेश सिंह, समरेंद्र नाथ तिवारी, राहुल यादव, रमेश बालमुचू,रुईदास चाकी, केपी तिवारी, फुलकांत झा, उर्मिला, पूर्वी देवी, रानी शर्मा, प्रिंस सिंह, उपेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वाहन चोरी के नेटवर्क पर आरआईटी पुलिस का बड़ा प्रहार, तीन शातिर गिरफ्तार

नवप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र में वाहन चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है, आरआईटी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की तीन मोटरसाइकिलों के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने बरामद वाहनों को विधिवत जब्त कर लिया है तथा गिरफ्तार किए गए आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.पुलिस के अनुसार कुलूपटांगा फुटबॉल मैदान के समीप संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी रविकांत पराशर के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया, अभियान के दौरान तीन युवकों को चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ पकड़ा गया, पूछताछ और जांच के बाद वाहन चोरी से जुड़े मामले में उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की गई।

ईचागढ़ में हाथियों का आतंक, खेत-खलिहान से घर तक दहशत

नवप्रदेश/ईचागढ़। विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों हाथियों का आतंक बढ़ गया है। खेत से लेकर खलिहान तक किसान परेशान हैं और आम जनता भयभीत होकर जी रही है। शाम ढलते ही राहगीरों में भी डर का माहौल है। आए दिन हाथी-मानव संघर्ष की घटनाएं सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ईचागढ़ थाना क्षेत्र के सालूकडीह के आसपास दो जंगली हाथियों ने किसानों की खड़ी फसल को तहस-नहस कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार शाम ढलते ही हाथियों का झुंड जंगल छोड़कर सुदूरवर्ती गांवों में घुस जाता है और घरों को निशाना बनाकर रखे अनाज को अपना निवाला बनाता है। बरसात के समय मिट्टी के घरों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच रहा है। कई बार दीवार टूटने से सोए हुए परिवार के लोग घायल भी हो चुके हैं। इससे पूरे क्षेत्र का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि चांडिल वन क्षेत्र के पदाधिकारी सिर्फ टॉर्च, मोबिल और पटाखे देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। हाथियों को भगाने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। मजबूरन लोग ईश्वर भरोसे जीवन बिता रहे हैं।

समावेशी शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण

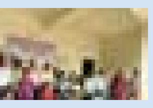

नवप्रदेश/ईचागढ़। झारखंड शिक्षा परियोजना, सरायकेला-खरसावां के तत्वावधान में समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 3 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए सहायक सामग्री वितरण शिविर का आयोजन प्रखंड संसाधन केंद्र कुकड़ू में किया गया। शिविर में दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, वॉकर, श्रवण यंत्र, स्मार्ट केन, ब्रेल किट सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। इन उपकरणों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।कार्यक्रम में जिला स्तरीय एपीओ रघुवर तिवारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी संजय कुमार जोशी, एलीमको की टीम से राम कुमार सिंह, सोनी कुमारी, महेंद्र कुमार एवं लव कुश कुमार, रिसर्च टीचर तथा शिक्षक त्रिलोचन कुमार और गुणाधर महतो उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में दिव्यांग बच्चों के अभिभावक भी शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि समावेशी शिक्षा का उद्देश्य प्रत्येक दिव्यांग बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर अभिभावकों ने झारखंड शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट ने चार्टर नाइट कार्यक्रम किया आयोजित

नवप्रदेश/गिरिडीह। लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट ने अपने 7 वे स्थापना दिवस के अवसर पर लायन सतेन्द्र सिंह के आवास पर चार्टर नाइट कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन तथा संचालन लायन राहुल कृष्णा ने किया। इस कार्यक्रम में रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लायन राहुल बर्मन ने कहा कि हमारा क्लब इस वर्ष वृक्षारोपन, मेगा हैल्थ चेकअप और ट्रैफिक अवर्नेस को प्राथमिकता देगा। इस वर्ष खंडोली जलाशय के चारों ओर 1000 से अधिक पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट हमेशा से सामाजिक कार्यों तथा मानव सेवा के कार्यों में अपनी महती भूमिका निभाई है। क्लब के तमाम सदस्यों से आग्रह किया गया कि अपनी व्यस्तम जीवन से समय निकाल कर सेवा कार्यों में अपना अपना योगदान दें। मुख्य अतिथि लायन धर्म प्रकाश ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट रीजन २ का एक अहम और मजबूत क्लब हैं जो अपने दायित्व को शत प्रतिशत निभाता है। इस वर्ष क्लब रीजन ही नहीं बल्कि डिस्ट्रिक्ट 322अ में अव्वल स्थान पर रहेगा। सचिव लायन डॉ सुमन कुमार ने कहा कि 26 जुलाई को रीजन २ के13 क्लब पदाधकारियों का स्कूलिंग तथा क्लब का पदस्थापना समारोह सेलिब्रेशन सिरसिया गिरिडीह में आयोजित किया जाएगा। पदस्थापना समारोह का उद्घाटन माननीय मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनू करेंगे। इस कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट 322अ के कई पदाधिकारी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कोषाध्यक्ष लायन मसरूर आलम सिद्दीकी ने तमाम सदस्यों से आग्रह किया कि 26 जुलाई के कार्यक्रम में सभी सदस्य अपनी अपनी सहभागिता दे। इस कार्यक्रम का मेजबानी लायन सतेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में लायन दशरथ प्रसाद लायन सुनील कुमार लायन उदय भदानी लायन डॉ ज्ञान प्रकाश लायन डॉ दीपक कुमार लायन अरुण कुमार साव लायन राहुल कुमार लायन गौतम सागर लायन मुकेश आनंद लायन शत्रुध्न सिंह लायन रंजीत कुमार सिन्हा लायन विश्वजीत सिंह लायन गुंजन कुमार शर्मा लायन लक्ष्मीकांत साव सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

संपादकीय

सदन से सड़क तक शिक्षा पर संग्राम

देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नीट परीक्षा एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। पेपर लीक के आरोपों ने न केवल लाखों छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ाई है, बल्कि इस मुद्दे ने संसद से लेकर सड़क तक तीखा राजनीतिक संघर्ष भी खड़ा कर दिया है। विपक्ष शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ा है, जबकि सरकार चर्चा के लिए तैयार होने का दावा करते हुए विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगा रही है। ऐसे में शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर राजनीतिक टकराव गहराता जा रहा है। कांग्रेस का तर्क है कि जब तक शिक्षा मंत्री अपने पद पर बने रहेंगे, तब तक निष्पक्ष चर्चा संभव नहीं है। विपक्ष इसे नैतिक जवाबदेही का प्रश्न बता रहा है। संसद परिसर में प्रदर्शन, जंतर-मंतर पर धरना और देशव्यापी आंदोलन की घोषणा इस बात का संकेत हैं कि विपक्ष इस मुद्दे को जनआंदोलन का स्वरूप देने की तैयारी में है। वहीं सरकार का कहना है कि विपक्ष पहले से शर्तें लगाकर सार्थक बहस से बच रहा है और छात्रों के हितों की बजाय राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहा है। इस विवाद के बीच व्यापमं घोटाले का उल्लेख भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 2015 के व्यापमं प्रकरण और वर्तमान नीट विवाद के बीच समानताएं बताते हुए सरकार पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया है। हालांकि दोनों मामलों की परिस्थितियां और जांच अलग-अलग हैं, इसलिए उनकी प्रत्यक्ष तुलना का अंतिम निष्कर्ष संबंधित जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर ही निर्भर करेगा। फिर भी विपक्ष इस तुलना के माध्यम से सरकार की नैतिक जिम्मेदारी पर सवाल उठा रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस पूरे विवाद में सबसे अधिक प्रभावित कौन है। इसका उत्तर स्पष्ट है–देश के लाखों छात्र। वर्षों की कठिन मेहनत, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की उम्मीदें ऐसी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर निर्भर करती हैं। यदि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा होता है तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र पर जनता का भरोसा कमजोर होता है। इसलिए यह मामला किसी एक मंत्री, दल या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की परीक्षा व्यवस्था की साख से जुड़ा है। लोकतंत्र में संसद जवाबदेही तय करने का सर्वोच्च मंच है। यदि विपक्ष के पास गंभीर आरोप हैं तो उन्हें तथ्यों के साथ सदन में रखना चाहिए। वहीं सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जांच की स्थिति, सुधारात्मक कदमों और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी देश के सामने रखे। इस्तीफे की मांग राजनीतिक परंपरा का हिस्सा हो सकती है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध हो तथा दोषी चाहे कोई भी हो, उसे कठोर दंड मिले। आखिरकार, शिक्षा राजनीति का सबसे आसान हथियार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे मजबूत आधार है। संसद का गतिरोध और सड़क का आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार हैं, लेकिन इन सबसे ऊपर छात्रों का भविष्य है। सरकार और विपक्ष दोनों को राजनीतिक टकराव से आगे बढ़कर परीक्षा प्रणाली में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर सहमति बनानी चाहिए। यही लोकतंत्र की परिपक्वता और विद्यार्थियों के प्रति वास्तविक उत्तरदायित्व का परिचायक होगा।

मुद्दा

लीक पर चयनित सोच

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाएँ उनके सपनों, वर्षों की मेहनत और परिवार की उम्मीदों का आधार होती हैं। जब किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है, तब लाखों अभ्यर्थियों का विश्वास टूटता है। यही कारण है कि पेपर लीक का मुद्दा आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। किंतु दुर्भाग्य यह है कि इस गंभीर विषय पर भी राजनीतिक दल अक्सर सिद्धांत से अधिक सुविधा का सहारा लेते दिखाई देते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर पेपर लीक को लेकर हमलावर हैं। उनका कहना है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है और सरकार जवाबदेही से बच रही है। विपक्ष का यह अधिकार भी है कि वह सरकार से कठोर प्रश्न पूछे। किंतु लोकतंत्र में यही कसौटी विपक्ष पर भी समान रूप से लागू होती है। यदि पेपर लीक राष्ट्रीय शर्म का विषय है, तो क्या यह प्रश्न सिर्फ केंद्र सरकार से पूछा जाएगा या उन राज्यों से भी, जहाँ कांग्रेस अथवा उसके सहयोगी दलों की सरकारों के दौरान ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं? इसी संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के बयान को साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस के चयनात्मक रवैये पर प्रश्न उठाया है। उन्होंने झारखंड में हिंदी और विज्ञान परीक्षा, तेलंगाना में इंटरमीडिएट भाषा परीक्षा, एसएससी भाषा परीक्षा, तमिलनाडु में बी.एड. परीक्षा, पश्चिम बंगाल में पुलिस कांस्टेबल भर्ती, पंजाब में ग्रुप–डी भर्ती, केरल की लोक सेवा आयोग परीक्षाओं तथा कर्नाटक की परीक्षा से जुड़े मामलों का उल्लेख किया है। वे बताते हैं कि गैर–भाजपा शासित राज्यों में भी प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा अनियमितताओं की लंबी सूची रही है। उनका प्रश्न था कि यदि हर पेपर लीक शर्मनाक है, तब फिर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी समान क्यों नहीं है? वस्तुतः, उपलब्ध सार्वजनिक विवरण यह संकेत देते हैं कि पेपर लीक की समस्या किसी एक दल, एक सरकार या एक दशक तक सीमित नहीं रही। वर्ष 2004 से 2014 के बीच केंद्र तथा विभिन्न राज्यों में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक अथवा गंभीर परीक्षा अनियमितताओं के मामले सामने आए। उपलब्ध सूची के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर यूपीएससी, एसएससी, एनडीए, संयुक्त प्रवेश परीक्षा, आरबीआई, आईबीपीएस, कैट, गेट, क्लैट, रेलवे भर्ती, डीआरडीओ और अन्य प्रतिष्ठित परीक्षाएँ भी विवादों से अछूती नहीं रहीं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, हरियाणा, असम, जम्मू–कश्मीर, पंजाब, तमिलनाडु, झारखंड, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और अन्य राज्यों में भी विभिन्न भर्ती परीक्षाओं से जुड़े विवाद समय–समय पर सामने आए हैं। इसके बाद भी स्थिति पूरी तरह नहीं बदली। सरकार नए नियम बनाती है और अपराधी उसमें से निकलने का रास्ता तैयार करके रखता है! उपलब्ध विवरण के अनुसार 2006 से 2024 के बीच एम्स, एआईईईई, रेलवे भर्ती, टीएनपीएससी, मुंबई विश्वविद्यालय, जम्मू–कश्मीर मेडिकल प्रवेश परीक्षा, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, राजस्थान रीट, झारखंड सीजीएल, बिहार भर्ती, राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती तथा अन्य कई परीक्षाओं को लेकर विवाद सामने आए। इन मामलों के दौरान अलग–अलग समय में कांग्रेस, भाजपा और अनेक क्षेत्रीय दलों की सरकारें सत्ता में थीं। यह तथ्य इस ओर संकेत करता है कि समस्या किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रही, यह पूरे परीक्षा तंत्र में गहराई तक फैली हुई है। यहीं से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि कांग्रेस आज केंद्र सरकार से जवाब मांग रही है, तो क्या वह अपने शासनकाल या अपने सहयोगी दलों की सरकारों के दौरान सामने आए मामलों पर भी उतनी ही स्पष्टता से आत्ममंथन करेगी? क्या वह यह स्वीकार करेगी कि परीक्षा प्रणाली की कमियों ने लाखों युवाओं को प्रभावित किया? क्या वह उन राज्यों में भी समान राजनीतिक और नैतिक मानदंड लागू करने की मांग करेगी, जहाँ उसके नेतृत्व या समर्थन वाली सरकारों के दौरान ऐसी घटनाएँ हुईं?

किराए की कोख की दुकानों पर अंकुश

प्रमोद भार्गव

> **विदेशी धनवान जब किराए की कोख से संतान पाने के इच्छुक होते हैं तो वे भारत आकर एक साथ कई महिलाओं को गर्भधारण करा देते हैं। इनमें से कुछ महिलाओं में यह प्रयोग सफल हो जाता है तो वह किसी एक महिला को छोड़ बाकी का गर्भपात करा देते हैं। गर्भपात कराई गई महिलाओं को कोई धन भी नहीं दिया जाता था। यह सरासर अन्याय व अनैतिकता थी। इसी अध्ययन से खुलासा हुआ था कि कोख की कीमत कई हजार डॉलर है लेकिन इस राशि में से सरोगेसी मां को महज 1 या 2 प्रतिशत धनराशि ही बामुश्किल मिल पाती है।**

केंद्र सरकार किराए की कोख यानी सरोगेसी मदर की क्लीनिक के नाम पर खुली मनमानी दुकानों पर अंकुश लगने जा रही है। अब कुकुरमुत्तों की तरह देशभर में खुल रही नई दुकानें खोलने पर सख्ती बरती जाएगी। सरोगेसी केंद्रों और इनमें होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए सरकार ने इसमें पंजीयन और संचालन के नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत इन केंद्रों को अब उपग्रहों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा। अब केवल राष्ट्रीय पोर्टल और ऑनलाइन आवेदन ही होंगे। इस पर निगरानी ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से होगी। कागजी आवेदन व दस्तावेजीकरण की सुविधा पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। ये क्लीनिक अन्य दूसरे क्लीनिक को चिकित्सा सुविधा नहीं दे सकेगा। केंद्र सरकार ने राज्यों को निर्देश दिए हैं कि नए नियमों का सख्ती से पालन किया जाए।

दरअसल, किराए की कोख का व्यवसायीकरण हो रहा है। यह इस तथ्य से पता चला कि कुछ ही सालों के भीतर देश में 35 से 50 प्रतिशत केंद्रों की संख्या बढ़ गई। इसी अनुपात में देश-विदेश में ठगी की घटनाएं भी बढ़ी हैं। हैदराबाद में ऐसा गिरोह पकड़ा गया, जो 2 से 4 लाख में कोख किराए पर लेकर 30 लाख रुपए तक में बेच देते थे। यहां तक कि विदेशों से भी शुक्राणु दानदाता लाए गए। यानी देश के बाहर भी बच्चे बेचे गए। हालांकि 2025 में सरकार ने शुक्राणु दाता नियमों में बदलाव किया था, लेकिन कारोबारियों ने इन नियमों की अनदेखी की। नाबालिग और अविवाहित लड़कियों की कोख का भी अवैध इस्तेमाल किया गया। भारत में कोख किराए से लेने का खर्च 10 से 25 लाख है, जबकि विदेशों में 80 लाख से डेढ़ करोड़ रुपए तक है। इसलिए सरोगेसी क्लीनिकों में किराए की कोख अवैध कारोबार का बड़ा धंधा बनती जा रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु में सरोगेसी के अनेक ठगी के मामले सामने आए हैं। इसलिए सरकार को नियमों में बदलाव करना पड़ा। इसके पहले 2025 में लिव इन और समलैंगिक युगलों को किराए की कोख के जरिए माता-पिता बनने का अधिकार देने से साफ मना कर दिया था।

अब ऑनलाइन जानकारी होने से निगरानी तंत्र के पास सरोगेसी क्लीनिक संचालन व नवीनीकरण संबंधी जानकारी हर वक्त सामने होगी। इससे अनियमितता को आसानी से चिन्हित कर लिया जाएगा। क्लीनिक के पास क्या वैध दस्तावेज हैं, इसकी भी पुख्ता जानकारी मिलती रहेगी। कोई भी कमी पाए जाने पर संस्था को प्रतिबंधित किया जा सकेगा। इन केंद्रों के कर्मचारियों और बच्चों के जन्म की जानकारी भी मिलती रहेगी। सरकार इन नियमों को एक साथ लागू करने की बजाय चरणबद्ध अमल में लाएगी। वर्तमान कानून के अनुसार किसी अन्य महिला की कोख के प्रयोग की अनुमति तब मिलती है, जब कानून के अनुसार विवाहित जोड़ा षारीरिक रूप से अक्षम हो या फिर गर्भधारण करने में पत्नी की जान को खतरा हो। अर्थात इस हालात में वैवाहिक जोड़ा सरोगेसी मदर का साहरा ले सकता है। कानून के अनुसार यह भी बाध्यकारी शर्त है कि किराए की कोख देने वाली महिला विवाहित होनी चाहिए और कम-से-कम उसका एक बच्चा भी हो। साथ ही पति की आयु 26 से 55 वर्ष और पत्नी की आयु 23 से पचास वर्ष के बीच होना आवश्यक है।

किराए की कोख के कानून में परिवर्तन इसके बढ़ते अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने की दृष्टि से किया गया है। अब केवल निःसंतान दंपति जो बच्चे पैदा करने में शारीरिक रूप से अक्षम हैं, वे अपने किसी करीबी रिश्तेदार की मदद ले सकते हैं। इस सुविधा को कानूनी भाषा में अल्ट्रस्टिक सर्जरी सरोगेसी कहा जाता है। भारत दुनिया के दंपतियों के लिए किराए की कोख का बड़ा व्यावसायिक नाभिकेंद्र बनता जा रहा है, जो सुविधा वास्तविक जरूरतमंदों के लिए शुरू की गई थी, वह अमीर दंपतियों के लिए शौक में तब्दील होती जा रही है। सूचना तकनीक के बाद भारत में प्रजनन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसमें किराए पर कोख दिए जाने का धंधा भी शामिल है। चिकित्सा पर्यटन के बहाने विदेशी पर्यटक भारत प्रसूति पर्यटन के लिए भी आ रहे हैं।

भारत में किराए की कोख का कारोबार अरबों डॉलर का हो गया है लेकिन यह धंधा अंततः प्रकृति की प्रतिरूप महिला की कोख पर टिका है, ठीक उसी तरह जिस तरह, उदारवादी अर्थव्यवस्था प्रकृति के गर्भ में समाई खनिज संपदाओं के दोहन पर टिकी है। इस धंधे की भारी कीमत उन महिलाओं को चुकानी पड़ी है, जिन्हें अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए हर हाल में धन की जरूरत रहती है। अतएव 2016 में प्रजनन सहायक तकनीक विधेयक लाकर केंद्र सरकार ने इस गोरखधंधे पर अकुंश लगाने की पहल कर दी थी। जो एक सही कदम रहा है। लेकिन इस कानून से उन्हें परेशानी है, जिन्होंने स्त्री की आर्थिक कमजोरी को वस्तु में डालकर उसकी कोख को बाजार के हवाले कर दिया है। वे यह भी दलील दे रहे हैं कि कठोर कानून से विदेशी मुद्रा का आगमन रुक जाएगा।

सरोगेसी मां बनने के लिए महिला को इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन की प्रक्रिया से गुजरना होता है। इसके लिय जैविक माता-पिता के शुक्राणु और अण्डाणु को परखनली में निषेचित करने के बाद जब भ्रूण पनप जाता है, तब उसे अन्य स्त्री की कोख में प्रत्यारोपित किया जाता है। गभार्धान का यही एकमात्र उपाय है। इसका शरीर पर विपरीत असर पड़ता है, इसके गर्भपात होने की 80 फीसदी आशंका रहती है। ऐसी 90 प्रतिशत प्रसूति शल्यक्रिया के जरिए होती हैं। ऐसे में महिला की जान का संकट भी बना रहता है। इस स्थिति में कोख किराए से देने वाली महिला का न तो कोई बीमा होता था, न ही उसके पति और बच्चों की कोई गारंटी लेता था। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी बड़ा सवाल था कि जैविक अविभावक यदि जन्म के बाद बच्चे को छोड़कर नौ-दो-ग्यारह हो जाते हैं तो उसके पालन-पोषण की जबावदेही किसकी थी? यदि नवजात शिशु विकलांग या ऐसी लाइलाज बीमारी के साथ पैदा होता है और जैविक माता-पिता उसे लेने से इनकार कर देते हैं तो उस बच्चे की जिम्मेदारी कौन लेता? ऐसी स्थिति में उन महिलाओं को और ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता था, जो किश्तों पर कोख किराए पर देती थीं। ऐसी ही सुविधाओं के चलते भारत में किराए की कोख वैश्विक राजधानी बन गया था।

इस बाबत एक स्वयंसेवी संगठन के अध्ययन ने चौंकाने वाले सवाल भी उठाए थे। खासतौर से विदेशी धनवान जब किराए की कोख से संतान पाने के इच्छुक होते हैं तो वे भारत आकर एक साथ कई महिलाओं को गर्भधारण करा देते हैं। इनमें से कुछ महिलाओं में यह प्रयोग सफल हो जाता है तो वह किसी एक महिला को छोड़ बाकी का गर्भपात करा देते हैं। गर्भपात कराई गई महिलाओं को कोई धन भी नहीं दिया जाता था। यह सरासर अन्याय व अनैतिकता थी। इसी अध्ययन से खुलासा हुआ था कि कोख की कीमत कई हजार डॉलर है लेकिन इस राशि में से सरोगेसी मां को महज 1 या 2 प्रतिशत धनराशि ही बामुश्किल मिल पाती है। बाकी अस्पताल के चिकित्सक और बिचौलिये हजम कर जाते थे।

अप्रवासी भारतीयों में सरोगेसी की मांग बहुत ज्यादा थी। यदि स्त्री स्वस्थ व सुंदर होने के साथ उच्च जाति और उत्तम पारिवारिक पृष्ठभूमि से होती थी तो उसे ज्यादा पैसा दिया जाता था। अप्रवासी दंपति भारत आकर किराए की कोख द्वारा बच्चा पैदा करना इसलिए भी अच्छा मानते थे, क्योंकि वे मनौवैज्ञानिक स्तर पर अपने को भारत से जुड़ा पाते थे, नतीजतन भारत में सरोगेसी की मांग तेजी से बढ़ रही थी। वर्तमान में अमीर घरों की स्त्रियां शौक के लिए या बच्चा पैदा करने के कठिन दायित्व से बचने के लिए किराए की कोख से संतान पैदा कर रही हैं। अतएव यह कारोबार निरंतर बढ़ रहा था। यहां तक कि नाबालिग और अविवाहित लड़कियां भी इस धंधे में धन कमाने के लिए उतरती चली आ रही थीं। इसलिए इस कानून में नए बदलाव जरूरी थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बिहार में यूरिया की स्थिति: चुनौती, कारण व समाधान

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

> **बिहार में उर्वरक वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाना होगा। प्रत्येक जिला में मांग के अनुरूप अग्रिम भंडारण, ऑनलाइन निगरानी प्रणाली, नियमित निरीक्षण तथा दोषी विक्रेताओं पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है।**

बिहार देश के प्रमुख कृषि प्रधान राज्यों में से एक है, जहां राज्य की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। धान, मक्का, गन्ना, गेहूं, दलहन, तिलहन तथा सब्जियों की खेती यहां की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इन फसलों की अच्छी पैदावार के लिए समय पर और संतुलित मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक होती है। विशेष रूप से यूरिया और डीएपी (डाई–अमोनियम फॉस्फेट) किसानों की सबसे अधिक उपयोग में आने वाली खाद हैं। हर वर्ष खरीफ और रबी सीजन के दौरान इनकी मांग कई गुना बढ़ जाती है। यदि समय पर उर्वरक उपलब्ध नहीं होते तो बुवाई, पौधों की वृद्धि और अंततः उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वर्तमान खरीफ मौसम में बिहार के कई जिलों से यूरिया और डीएपी की कमी की शिकायतें सामने आई हैं। अनेक स्थानों पर किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए घंटों कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है। कुछ क्षेत्रों में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने, कृत्रिम कमी पैदा करने और कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आई हैं। इससे किसानों की आर्थिक परेशानी बढ़ी है और खेती की लागत में भी वृद्धि हुई है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है क्योंकि उनके पास अतिरिक्त संसाधन नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार बिहार में उर्वरकों की कमी का सबसे बड़ा कारण यह है कि राज्य में यूरिया और डीएपी का पर्याप्त उत्पादन नहीं होता। बिहार अपनी अधिकांश आवश्यकता अन्य राज्यों के उर्वरक संयंत्रों से प्राप्त करता है। इन उर्वरकों की आपूर्ति रेलवे रैक, सड़क परिवहन और गोदामों के माध्यम से होती है। यदि रेलवे रैक समय पर उपलब्ध नहीं होते या परिवहन व्यवस्था बाधित होती है तो जिलों तक उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हो जाती है। कई बार गोदामों से खुदरा विक्रेताओं तक वितरण में भी विलंब होता है, जिससे कृत्रिम संकट की स्थिति बन जाती है।

उर्वरक संकट का एक अन्य कारण असंतुलित उपयोग भी है। अनेक किसान वैज्ञानिक सलाह के बजाय केवल यूरिया पर अधिक निर्भर रहते हैं। इससे यूरिया की मांग अचानक बढ़ जाती है, जबकि फसल को संतुलित पोषण नहीं मिल पाता। कृषि वैज्ञानिक लगातार सलाह देते रहे हैं कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश का संतुलित उपयोग ही अधिक उत्पादन और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने का सबसे प्रभावी उपाय है। केवल यूरिया के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है और दीर्घकाल में उत्पादन क्षमता भी घट सकती है।

केंद्र और राज्य सरकार समय–समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाती रही हैं। उर्वरक की आपूर्ति की नियमित निगरानी, जिला स्तर पर भंडारण की समीक्षा, कालाबाजारी रोकने के लिए छापेमारी तथा लाइसेंसधारी विक्रेताओं का निरीक्षण जैसे प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। कई जिलों में कृषि एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा खाद–बीज दुकानों की जांच भी की जा रही है, ताकि किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके। इसी क्रम में हाल ही में वाल्मीकिनगर के सांसद सुनील कुमार ने नई दिल्ली में उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय की संयुक्त सचिव वंदना प्रेयसी तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के निदेशक (मूवमेंट) अभय कुमार से मुलाकात कर बिहार, विशेष रूप से वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में यूरिया और डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि खरीफ सीजन में उर्वरकों की कमी के कारण किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से खेती का पूरा चक्र प्रभावित हो सकता है इसलिए आवश्यक है कि बिहार को उसकी मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। बैठक के दौरान केंद्रीय अधिकारियों ने सांसद को आश्वस्त किया कि बिहार की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यूरिया एवं डीएपी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे रैक की उपलब्धता बढ़ाने, वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाने तथा समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। दीर्घकालिक समाधान के लिए केवल आपूर्ति बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा। बिहार में उर्वरक वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाना होगा। प्रत्येक जिला में मांग के अनुरूप अग्रिम भंडारण, ऑनलाइन निगरानी प्रणाली, नियमित निरीक्षण तथा दोषी विक्रेताओं पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है। साथ ही किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जैविक खाद, हरी खाद और वैकल्पिक पोषक तत्वों के उपयोग को भी बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।

बिहार की कृषि व्यवस्था की मजबूती के लिए यूरिया और डीएपी की नियमित, पर्याप्त और समय पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। यदि केंद्र और राज्य सरकार बेहतर समन्वय के साथ आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करें, परिवहन और वितरण प्रणाली को प्रभावी बनाएं, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करें तथा किसानों को वैज्ञानिक एवं संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूक करें, तो उर्वरक संकट पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। इससे न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों की आय बढ़ेगी, मिट्टी की उर्वरता सुरक्षित रहेगी और बिहार की कृषि अर्थव्यवस्था भी अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकेगी।

एआई, व डिजिटल निगरानी से मजबूत हो सकती है परीक्षा प्रणाली

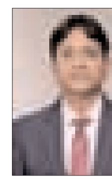

सत्यजीत दत्ता

> **एक पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने से जो आर्थिक और सामाजिक नुकसान होता है, वह तकनीक में किए गए निवेश से कहीं अधिक होता है। दोबारा परीक्षा कराने की प्रशासनिक लागत, विद्यार्थियों के समय की बबादी और सबसे बढ़कर व्यवस्था पर उठने वाला सवाल, ये सभी मिलकर यह साबित करते हैं कि सही तकनीक में शुरुआती निवेश आगे चलकर कहीं अधिक बचत लाता है।**

हर साल भारत में करोड़ों विद्यार्थी अपनी प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होते हैं। नीट, जेईई और एसएससी से लेकर बैंकों और रेलवे में भर्ती के लिए होने वाली अन्य राज्य स्तरीय परीक्षाओं तक, ये सभी लाखों लोगों के भविष्य से जुड़ी होती हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि परीक्षा की इस पूरी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा केवल एक प्रशासनिक कार्य नहीं है, यह लोगों के भरोसे का भी विषय है। हाल के समय में पेपर लीक, प्रतिरूपण, और परीक्षा केंद्रों में होने वाली गड़बड़ियों की घटनाओं ने इस भरोसे के लिए हमेशा एक खतरा पैदा किया है। यही कारण है कि अब परीक्षाओं की प्रक्रिया में एआई और बायोमेट्रिक्स को एकीकृत करने की आवश्यकता है।

पारंपरिक परीक्षा प्रणाली में उम्मीदवारों की पहचान का मैनुअल सत्यापन काफी हद तक इंविजिलेटर द्वारा प्रवेश पत्र और पहचान प्रमाण के भौतिक मिलान पर निर्भर करता था। मैनुअल सत्यापन की प्रक्रिया में इस खामी के कारण विभिन्न परीक्षाओं में प्रतिरूपण और फर्जी उम्मीदवारी की घटनाएं होती रही हैं। फिंगरप्रिंट और फेशियल रिकग्निशन के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण इस समस्या को काफी हद तक हल करने में मदद करता है। डिजिटल माध्यम से उम्मीदवार की पहचान का सत्यापन प्रतिरूपण की गुंजाइश को न के बराबर छोड़ देता है। यह जहां परीक्षा संचालन करने वाली संस्थाओं के लिए बड़ी राहत की बात होगी, वहीं यह उन ईमानदार उम्मीदवारों के लिए न्याय का भी कार्य है जो वर्षों की पढ़ाई के बाद परीक्षा देने आते हैं।

एआई तकनीक से संचालित सीसीटीवी निगरानी एक कदम और आगे जाती है। पारंपरिक सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल ज्यादातर फुटेज रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता था, जिसका विश्लेषण घटना घटित होने के बाद किया जा सकता था। एआई से युक्त सीसीटीवी कैमरे उम्मीदवार के असामान्य व्यवहार, जैसे लगातार इधर-उधर देखना, अनधिकृत सामग्री का कब्जा और परीक्षा हॉल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश का पता लगा सकते हैं। एक केंद्रीय रूप से नियंत्रित कमांड कंट्रोल सेंटर के साथ जीरो ब्लाइंड स्पॉट निगरानी प्रणाली सैकड़ों परीक्षा केंद्रों की एक साथ, बिना किसी चूक के निगरानी करने की अनुमति देगी। यह केवल परीक्षा हॉल तक ही सीमित नहीं है; प्रश्न पत्रों की छपाई, पैकिंग और परिवहन जैसी अन्य प्रक्रियाएं भी हैं जिनके लिए समान सावधानी की आवश्यकता होती है। सुरक्षित प्रिंटिंग जोन, डिजिटल निगरानी और नियंत्रित पहुंच का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि प्रश्न पत्र परीक्षा शुरू होने तक अपनी पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षित रहें। पेपर लीक परीक्षा हॉल के बाहर, आपूर्ति श्रृंखला की ऐसी ही किसी कमजोर कड़ी में होते हैं, इसलिए तकनीक आधारित निगरानी का उपयोग पूरी प्रक्रिया में किया जाना चाहिए।

अब आंकड़ों में भी इस बात का प्रमाण है कि तकनीक आधारित परीक्षाएं काम करती हैं। आधुनिक तकनीक से युक्त मानकीकृत रूप के परीक्षा केंद्र कम समय में लाखों उम्मीदवारों की सफल परीक्षाएं संचालित कर रहे हैं और कई राज्यों ने सरकारी परीक्षाओं के लिए इन्हें एक पसंदीदा मानक के रूप में सुझाया है। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक अकेले इसका जवाब नहीं है। एआई और निगरानी का उपयोग तभी लाभदायक है जब इसके साथ स्पष्ट और पारदर्शी प्रक्रियाएं मौजूद हों, आवश्यक विशेषज्ञता के साथ इन्हें संभालने वाले कर्मचारी हों और साथ ही लोगों को जवाबदेह बनाने वाला ढांचा हो। यह तकनीकी उपकरण है जो अनियमितताओं का पता लगा सकता है लेकिन संस्था की क्षमता यह तय करती है कि इस चेतावनी पर कितनी तेजी से ध्यान दिया जा सकता है और कार्रवाई की जा सकती है।

भारत जैसे देश के आकार को देखते हुए, जहां एक ही परीक्षा के लिए करोड़ों विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं, इस प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। लेकिन एआई, बायोमेट्रिक निगरानी और डिजिटल निगरानी के रूप में तकनीक के उचित क्रियान्वयन से यह सुनिश्चित होगा कि सभी विद्यार्थियों को एक समान, सुरक्षित और निष्पक्ष अवसर मिले। भारत की तुलना में दुनिया के कई अन्य देशों में परीक्षा प्रणाली अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर काम करती है इसलिए उनके मॉडल को जस का तस भारत में लागू करना संभव नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन और चीन जैसे देशों में भी बायोमेट्रिक सत्यापन और डिजिटल निगरानी का इस्तेमाल बढ़ रहा है, लेकिन वहां परीक्षा केंद्रों की संख्या और उम्मीदवारों का आकार भारत जितना विशाल नहीं है। भारत को अपनी भौगोलिक विविधता, भाषाई अंतर और शहरी-ग्रामीण असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसा मॉडल तैयार करना होगा जो छोटे शहरों और कस्बों के परीक्षा केंद्रों में भी उतनी ही प्रभावी ढंग से काम करे जितना बड़े महानगरों में करता है। यही कारण है कि तकनीक को स्थानीय जरूरतों के अनुसार ढालना उतना ही जरूरी है जितना उसे अपनाना।

इस पूरी प्रक्रिया में निवेश और लागत का सवाल भी स्वाभाविक रूप से उठता है। किसी को यह लग सकता है कि एआई आधारित निगरानी और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी तकनीकें महंगी होंगी, लेकिन इसे एक दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखना जरूरी है। एक पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने से जो आर्थिक और सामाजिक नुकसान होता है, वह तकनीक में किए गए निवेश से कहीं अधिक होता है। दोबारा परीक्षा कराने की प्रशासनिक लागत, विद्यार्थियों के समय की बबार्दी और सबसे बढ़कर व्यवस्था पर उठने वाला सवाल, ये सभी मिलकर यह साबित करते हैं कि सही तकनीक में शुरूआती निवेश आगे चलकर कहीं अधिक बचत लाता है।

इस पूरी बहस में एक पहलू जो अक्सर पीछे छूट जाता है, वह है विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति पर इसका असर। जब कोई विद्यार्थी वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा हॉल में प्रवेश करता है, तो उसके मन में पहले से ही पर्याप्त तनाव होता है। ऐसे में अगर उसे यह भी आशंका हो कि पेपर लीक हो सकता है, परीक्षा केंद्र में गड़बड़ी हो सकती है या कोई अनुचित तरीके से लाभ उठा सकता है, तो यह तनाव कई गुना बढ़ जाता है। एक सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित परीक्षा केंद्र न केवल गड़बड़ियों को रोकता है बल्कि विद्यार्थी को यह भरोसा भी देता है कि उसकी मेहनत का सही मूल्यांकन होगा। यह मानसिक शांति, परीक्षा के दिन के प्रदर्शन पर भी सकारात्मक असर डाल सकती है।

आगे की राह देखें तो एआई और बायोमेट्रिक तकनीक का दायरा केवल पहचान सत्यापन और निगरानी तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य में डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से यह पहले से ही पता लगाया जा सकेगा कि किन परीक्षा केंद्रों में जोखिम अधिक है, ताकि वहां अतिरिक्त सतर्कता बरती जा सके। रियल टाइम अलर्ट सिस्टम, केंद्रीकृत डैशबोर्ड और स्वचालित रिपोर्टिंग जैसी सुविधाएं परीक्षा संचालन संस्थाओं को तेज और सटीक फैसले लेने में मदद करेंगी। इसके साथ ही, सरकार, शिक्षा बोर्ड और तकनीक प्रदाता कंपनियों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की जरूरत है, ताकि नीति और तकनीक दोनों साथ मिलकर काम करें।

अंततः, परीक्षा प्रणाली में सुधार केवल तकनीक अपनाने भर से नहीं होगा। इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण चाहिए, जिसमें तकनीक, प्रक्रिया, प्रशिक्षित कर्मचारी और जवाबदेही की संस्कृति, सभी शामिल हों। जब यह सभी तत्व मिलकर काम करते हैं, तभी परीक्षा हॉल विद्यार्थियों के लिए ऐसी जगह बन पाता है जहां उनकी मेहनत और काबिलियत ही एकमात्र मानदंड होते हैं, न कि व्यवस्था की खामियां। भारत जैसे विशाल और विविध देश में यह भरोसा कायम रखना ही वास्तव में शिक्षा और अवसर की समानता की नींव है।

छात्रों पर लाठी नहीं, न्याय दो : प्रभात कुमार

- छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें : सौरभ
- जंतर-मंतर में छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में लातेहार में झामुमो का जोरदार प्रदर्शन

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति, लातेहार ने गुरुवार को जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के निर्देश पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। समाहरणालय परिसर के समीप आयोजित इस विरोध-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकताओं ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो', 'छात्रों पर हमला बंद करो', 'परीक्षा व्यवस्था में सुधार करो' और 'लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करो' जैसे नारे लगाए। झामुमो नेताओं ने कहा कि देश के लाखों छात्र-छात्राएं लगातार परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ी, पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं से परेशान हैं। ऐसे समय में छात्रों की मांगों को सुनने के बजाय उन पर पुलिस कार्रवाई करना लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में पूरी तरह विफल रही है।

प्रदर्शन के दौरान झामुमो नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। नेताओं ने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा और उनकी समस्याओं का लोकतांत्रिक तरीके से समाधान होना चाहिए।

कार्यक्रम में जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष अरुण कुमार दुबे, पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, बालूमाथ युवा प्रखंड अध्यक्ष औरंगजेब खान, लातेहार प्रखंड अध्यक्ष आर्सेन तिर्की, रिंकू कच्छप, अंकित पांडेय, अहद खान, अंकित तिवारी, चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, बिलासी टोपनो सहित झामुमो जिला समिति, महिला मोर्चा, नगर समिति, विभिन्न प्रखंड समितियों के पदाधिकारी, केंद्रीय सदस्य तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के अंत में झामुमो नेताओं ने स्पष्ट कहा कि छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर पार्टी आगे भी आंदोलन जारी रखेगी और जब तक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए, : प्रभात कुमार

झामुमो नेता प्रभात कुमार ने कहा कि देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। बार-बार परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों का भरोसा तोड़ा है। ऐसे समय में सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए, लेकिन इसके बजाय छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा छात्रों और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहेगा। यदि केंद्र सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं किया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

शिक्षा किसी भी देश के विकास की सबसे मजबूत नींव होती है : सौरभ

झामुमो नेता सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा किसी भी देश के विकास की सबसे मजबूत नींव होती है। यदि छात्रों को निष्पक्ष परीक्षा और सुरक्षित भविष्य नहीं मिलेगा तो देश का विकास भी प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कार्रवाई करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को छात्रों से संवाद करना चाहिए, न कि उन पर बल प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए, पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई हो और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए।

सरकार को युवाओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए: औरंगजेब

बालूमाथ युवा प्रखंड अध्यक्ष औरंगजेब खान ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है और सरकार को युवाओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, जो पूरी तरह जायज है। छात्रों की आवाज दबाने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। यदि छात्रों के साथ अन्याय जारी रहा तो झामुमो युवाओं के साथ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगा।

एक नजर

लेवी वसूली की साजिश नाकाम, हथियार के साथ पीएलएफआई दो संदिग्ध गिरफ्तार

नवप्रदेश/बालूमाथ। लातेहार पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के लिए लेवी वसूली और दहशत फैलाने की साजिश को विफल कर दिया।पुलिस ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के मकईयाटांड़ पिकेट के समीप वाहन जांच के दौरान बिना नंबर की लाल रंग की अपाची मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उनके पास से एक लोडेड देशी पिस्तौल,तीन जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन तथा चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई।पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई की शाम पुलिस अधीक्षक लातेहार को सूचना मिली थी कि चंदवा की ओर से दो संदिग्ध युवक बालूमाथ-बारियातु क्षेत्र में किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की नीयत से आ रहे हैं। सूचना के आधार पर एसडीपीओ उमेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन कर मकईयाटांड़ पिकेट के पास वाहन जांच शुरू की गई।रात करीब 8:48 बजे संदिग्ध अपाची मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक भागने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपितों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लोहरदगा जिले के पेशरार थाना क्षेत्र निवासी संजय सिंह उर्फ डिम्पू उर्फ भीम सिंह तथा कुडू थाना क्षेत्र के शहजाद अंसारी के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे पीएलएफआई कमांडर बादल जी उर्फ पवन जी के निर्देश पर बालूमाथ और बारियातु क्षेत्र में विकास कार्यों में लगे ठेकेदारों से लेवी वसूलने और भय का माहौल बनाने आए थे।इस संबंध में बालूमाथ थाना में कांड संख्या 89/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता आर्म्स एक्ट एवं सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में शहजाद अंसारी के विरुद्ध हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं, जबकि संजय सिंह के विरुद्ध भी आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर संगठन से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

सर्पदंश व जहरीले जंतु के काटने से महिला समेत तीन की तबीयत बिगड़ी

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में बुधवार रात को अलग-अलग घटनाओं में सर्पदंश एवं जहरीले जंतु के काटने से एक महिला समेत तीन लोगों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बालूमाथ में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक दयानंद प्रसाद की देखरेख में इलाज किया गया।जानकारी के अनुसार, बारियातू थाना क्षेत्र के गाड़ी गांव निवासी बिरजू गंझू धान की रोपाई के लिए खेत में कोड़ी पार रहे थे। इसी दौरान खेत की मेड़ में छिपे एक विषैले सांप ने उनके पैर में डस लिया, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। वहीं फुलसू गांव निवासी बेबी देवी पति राजदीप ठाकुर को घर से शौचालय जाने के दौरान सांप ने काट लिया। इसके अलावा बालूमाथ के मारंगलोइया गांव निवासी संतोष कुमार महतो पिता-कर्णदेव महतो को एक जहरीले जंतु ने काट लिया, जिससे उनकी तबीयत खराब हो गई।परिजनों की सहायता से तीनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बालूमाथ लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है और उनका इलाज जारी है।

लातेहार में मंत्री सुदिव्य कुमार ने खेल व पर्यटन विकास को दी नई दिशा

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार का गुरुवार को लातेहार परिसदन आगमन हुआ। इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। बैठक के दौरान मंत्री ने जिले में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए लातेहार के भूसुर पंचायत में प्रमंडल स्तरीय 25 हजार वर्गफीट क्षेत्रफल का हाई परफॉर्मेंस सेंटर स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के लिए आवश्यक तकनीकी सहयोग खेल विभाग उपलब्ध कराएगा, जिससे खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा मंत्री ने चार कोर्ट वाले आधुनिक इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने तथा खेल विभाग एवं जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से एथलेटिक्स ट्रैक और फुटबॉल ग्राउंड निर्माण के लिए विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर भेजने का निर्देश दिया। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि नेतरहाट झारखंड का प्रमुख पर्यटन स्थल है। उन्होंने वहां पर्यटन विकास कार्यों में तेजी लाने, बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकें।

बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों पर सख्ती, सीसीटीवी से 110 चालकों का ऑनलाइन चालान

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार के निर्देश पर जिले में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ एक बार फिर सख्त अभियान शुरू कर दिया गया है। अब सीसीटीवी कैमरों की मदद से नियम तोड़ने वाले चालकों की पहचान कर उनका ऑनलाइन चालान काटा जा रहा है।जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल ने बताया कि गुरुवार को दोपहर चार बजे तक बिना हेलमेट वाहन चला रहे 110 दोपहिया चालकों का ऑनलाइन चालान किया गया। चालान की प्रति संबंधित वाहन चालकों के मोबाइल नंबर पर भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। जिला मुख्यालय के प्रमुख चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जिला नियंत्रण कक्ष से लगातार निगरानी की जा रही है। परिवहन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर ऑनलाइन कार्रवाई कर रहे हैं।जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा अपनी सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनकर ही दोपहिया वाहन चलाएं।

प्रो तिवारी ने किसी माली की तरह सींचा है बनवारी साहू महाविद्यालय को

नवप्रदेश/लातेहार। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की पहचान वहां के शिक्षकों से होती है। एक ऐसे ही शिक्षक हैं प्रो प्रदीप कुमार तिवारी. प्रो तिवारी शहर के बनवारी साहू महाविद्यालय में वर्तमान में प्राचार्य हैं। कहना गलत नहीं होगा कि प्रो तिवारी ने बनवारी साहू महाविद्यालय को किसी माली की तरह सींचा है। इस महाविद्यालय से प्रो तिवारी का 37 सालों का नाता है। बतौर अंग्रेजी शिक्षक के रूप में उन्होने साल 1989 में इस महाविद्यालय में अपना योगदान दिया था। तब से उन्होने इस महाविद्यालय में काफी उतार चढ़ाव देखा है। आज महाविद्यालय को कला व वाणिज?य संकाय में स्थायी सबद्धता प्राप्त है और इसमें प्रो तिवारी का अहम योगदान है। बाद में वर्ष 2018 में प्रो प्रदीप कुमार तिवारी इस महाविद्यालय के प्राचार्य बनाये गये। प्राचार्य के रूप में भी श्री तिवारी एक कुशल प्रशासक व छात्रों के मार्गदर्शक साबित हुए। श्री तिवारी के के परिश्रम का ही फल था कि वर्ष 2023 में बनवारी साहू महाविद्यालय को नैक (ठअअउ) से बी ग्रेड की मान्यता प्रदान की गयी।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के आरोप में साइट इंचार्ज गिरफ्तार

नवप्रदेश/बालूमाथ। हेरहंज थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने तथा उसका लाभ लेने के आरोप में एक प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हेरहंज थाना कांड संख्या 22/2026, दिनांक 22 जुलाई 2026 में दर्ज मामले के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में नामजद अभियुक्त मनीष कुमार उर्फ अरविंद पिता- उमाशंकर यादव ग्राम हराजपुर, थाना मुफस्सिल, जिला मोतिहारी बिहार तथा वर्तमान में दिनेश चंद्र अग्रवाल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड में साइट इंचार्ज के पद पर हेरहंज में कार्यरत, को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार, अभियुक्त पर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर अनुचित लाभ लेने का आरोप है।आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा प्रकरण से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

पेपर लीक मुद्दे और दिल्ली पुलिस कार्रवाई के विरोध में 25 को भीम आर्मी का विरोध मार्च

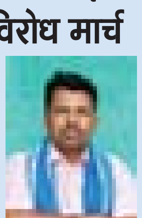

नवप्रदेश/लातेहार। भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने पेपर लीक मुद्दे एवं दिल्ली में युवाओं के साथ कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में 25 जुलाई को लातेहार में विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। जिला अध्यक्ष जगजीवन राम ने बताया कि यह कार्यक्रम भीम आर्मी चीफ एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रत्न सिंह के आह्वान पर देशव्यापी विरोध अभियान के तहत आयोजित किया जा रहा है। झारखंड प्रदेश महासचिव वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में सुबह 11 बजे बाजार टांड़, लातेहार से विरोध मार्च निकाला जाएगा। मार्च के बाद उपायुक्त, लातेहार के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने दिल्ली में युवाओं के साथ हुई कथित पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया।

नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस का लातेहार में विरोध प्रदर्शन

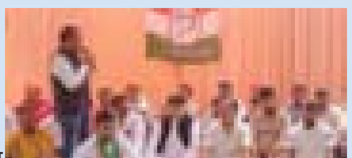

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार नगर पंचायत परिसर में गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, जिला प्रभारी निरंजन पासवान, जिलाध्यक्ष कामेश्वर यादव एवं लातेहार विधानसभा प्रभारी निशांत जायसवाल के निर्देशन में नगर अध्यक्ष सुरेंद्र उरांव की अध्यक्षता में केंद्र सरकार एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश सचिव आफताब आलम ने कहा कि नीट परीक्षा के दौरान कथित पेपर लीक की घटना से देशभर के लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले से आहत होकर 21 विद्यार्थियों ने अपनी जान गंवाई, जिसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर देशभर में युवाओं में भारी आक्रोश है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया तथा सांसद भवन मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किए जाने की भी उन्होंने आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर मुकदमे दर्ज कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया गया। आफताब आलम ने कहा कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। इस अवसर पर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनीता देवी, आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत पाल कुजूर, युवा कांग्रेस प्रखण्ड मंडल अध्यक्ष नुरुल हसन अंसारी, युवा कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष आमिर सुहैल, अधिवक्ता प्रिंस प्रसाद, युवा कांग्रेस नेता मिथलेश पासवान, ओमप्रकाश यादव, तेतर यादव, लाडले, इमरान सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए छात्रों के हित में कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम में सुहेल, पवन, इमरान अंसारी, रौशन, दामोदर तुरी, रंजीत, नरेश गंझू, अरुण तुरी, किशोर गंझू, संतोष, बिजेंद्र उरांव, कृष्णा उरांव, बीरेंद्र यादव, कृष्ण यादव, सुरेंद्र यादव, प्रेमचंद यादव, निरु यादव, संजीत सहित कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी विभागों को समन्वित कार्रवाई का निर्देश: डीसी

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की वर्तमान स्थिति, दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा उपायों की प्रगति, सड़क सुरक्षा संबंधी पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जून माह में कुल 11 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 8 लोगों की मृत्यु हुई तथा बड़ी संख्या में लोग गंभीर एवं सामान्य रूप से घायल हुए हैं। उपायुक्त ने इन आंकड़ों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभागों को संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, जिसमें सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उपायुक्त ने जिले में चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) पर सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही जिन स्थलों पर बार-बार दुर्घटनाएं हो रही हैं, वहां विशेष सुरक्षा उपाय करने एवं नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया। बैठक में सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान की समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है तथा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन, शराब पीकर वाहन चलाने एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध कार्रवाई को और प्रभावी बनाया जाए तथा दुर्घटना नियंत्रण के लिए संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों को और व्यापक स्तर पर संचालित करने का निर्देश दिया।

विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाने तथा आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि जन-जागरूकता, बेहतर सड़क अवसंरचना एवं विभिन्न विभागों के बीच समन्वय भी उतना ही आवश्यक है।

भाड़ा वृद्धि व प्रवेश बैरियर की समस्या पर हाईवा ऑनर एसोसिएशन की बैठक 26 जुलाई को

नवप्रदेश/बालूमाथ। हाईवा ऑनर एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक आगामी 26 जुलाई रविवार को दोपहर 2 बजे होटल रोज गार्डन छठ तालाब के समीप में आयोजित की जाएगी। बैठक में क्षेत्र के हाईवा मालिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। एसोसिएशन की अध्यक्षता चन्द्रदीप प्रसाद ओर से जारी सूचना के अनुसार, बैठक में बढ़ती महंगाई को देखते हुए हाईवा भाड़ा बढ़ोतरी के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा मगध परियोजना के प्रवेश बैरियर पर हाइवा चालकों एवं मालिकों को हो रही समस्याओं पर विचार-विमर्श कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।एसोसिएशन ने सभी हाईवा मालिकों और सदस्यों से समय पर बैठक में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखने का अनुरोध किया है, ताकि सामूहिक निर्णय लेकर संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें।बैठक में लिए गए निर्णयों के आधार पर आगे की कार्ययोजना तैयार किए जाने की संभावना है।

किराए की कोख देने वाली माताओं का दर्द : सिंधु मिश्रा

नवप्रदेश/लातेहार। मां बनना केवल एक जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक स्त्री के जीवन का सबसे गहरा और पवित्र अनुभव माना जाता है। नौ महीने तक अपने गर्भ में एक शिशु को पालना, उसकी हर हलचल को महसूस करना, उसके साथ भावनात्मक रिश्ता बनाना—यह अनुभव शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। लेकिन समाज में कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं जो अपनी आर्थिक मजबूरियों, पारिवारिक परिस्थितियों या किसी और कारण से अपनी कोख किसी दूसरे दंपति के लिए किराए पर देती हैं। इन्हें हम सरोगेट मदर या ₹किराए की कोख देने वाली मां₹ कहते हैं। अक्सर लोग इस व्यवस्था को केवल एक समझौता या आर्थिक लेन-देन मान लेते हैं, लेकिन इसके पीछे छिपी उस मां की पीड़ा, संघर्ष और भावनाओं को बहुत कम लोग समझ पाते हैं।

कल्पना कीजिए उस महिला की, जो नौ महीने तक अपने गर्भ में पल रहे बच्चे की हर धड़कन महसूस करती है। वह उसके लिए खान-पान का ध्यान रखती है, हर सावधानी बरतती है, उसके स्वस्थ जन्म के लिए भगवान से प्रार्थना करती है। लेकिन जैसे ही बच्चा जन्म लेता है, उसे अपनी गोद में रखने का अधिकार भी उससे छिन जाता है। वह जानती है कि यह बच्चा उसका नहीं है, फिर भी मां का हृदय इस सच को इतनी आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। कई बार ऐसी महिलाएं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आती हैं। अपने बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें, माता-पिता के इलाज या कर्ज.चुकाने के लिए वे यह कठिन निर्णय लेती हैं। बाहर से देखने वाले लोग सोचते हैं कि उन्हें इसके बदले धन मिल जाता है, लेकिन क्या कोई धन उस भावनात्मक खालीपन की भरपाई कर सकता है, जो एक मां अपने गर्भ में पल रहे बच्चे से बिछड़ने के बाद महसूस करती है? समाज भी उनके साथ हमेशा न्यायपूर्ण व्यवहार नहीं करता। कई बार उन्हें तानों का सामना करना पड़ता है, उनके चरित्र पर सवाल उठाए जाते हैं और उनकी मजबूरी को समझने के बजाय उनका मजाक बनाया जाता है।

जबकि सच्चाई यह है कि वे किसी निःसंतान दंपति के जीवन में खुशियां लाने का माध्यम बनती हैं। उनके त्याग के कारण किसी सूने आंगन में किलकारियां गूंजती हैं। यह भी सच है कि हर सरोगेसी शोषण नहीं होती। कई मामलों में यह पूरी कानूनी प्रक्रिया, चिकित्सा देखरेख और आपसी सहमति के साथ होती है। लेकिन फिर भी उस महिला की भावनाएं वास्तविक होती हैं। गर्भ में पलने वाला शिशु उसके शरीर का हिस्सा बन जाता है और उससे अलग होना किसी भी मां के लिए आसान नहीं होता।

मादक पदार्थों की तस्करी एवं खेती की रोकथाम के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई संपन्न

नवप्रदेश/लातेहार। लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय (ठउडफळ) समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को विद्यालयों एवं विशेषकर महाविद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में अवैध रूप से संचालित तंबाकू एवं अन्य मादक पदार्थों की बिक्री पर नियमित निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को नशा मुक्ति एवं जन-जागरूकता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने, युवाओं एवं विद्यार्थियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाने तथा उपचार एवं परामर्श सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। बैठक में अवैध अफीम की खेती की रोकथाम एवं विनष्टीकरण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागों को संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने, किसानों को जागरूक करने तथा अवैध खेती के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा ट्रामाडोल सहित अन्य प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री पर नियंत्रण, औषधि प्रतिष्ठानों के नियमित निरीक्षण, एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की समीक्षा, जब्त मादक पदार्थों के निष्पादन तथा विभागों के बीच समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान को पूरी गंभीरता के साथ संचालित किया जाए तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर दिए गए निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करें, ताकि जिले को नशामुक्त एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार , अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ सुलेमान मुण्डरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, संबंधित पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

पलामू के पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी (आईपीएस): युवा नेतृत्व, अनुशासन और जनविश्वास की नई पहल

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। किसी भी जिले की कानून-व्यवस्था केवल पुलिस बल की संख्या से नहीं, बल्कि उसके नेतृत्व की क्षमता, निर्णय लेने की शैली और जनता के प्रति जवाबदेही से मजबूत होती है। झारखंड के ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण जिलों में शामिल पलामू की पुलिस व्यवस्था की कमान वर्तमान में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के युवा अधिकारी कपिल चौधरी के हाथों में है। वर्ष 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी कपिल चौधरी अपनी अब तक की प्रशासनिक यात्रा में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हुए वर्तमान में पलामू के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। राजस्थान के मूल निवासी कपिल चौधरी ने इंजीनियरिंग (बी.टेक.) की शिक्षा प्राप्त करने के बाद संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त की। कठिन प्रतिस्पर्धा वाली इस परीक्षा में चयन के बाद उन्हें भारतीय पुलिस सेवा के लिए चुना गया और झारखंड कैडर आवंटित किया गया। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने 26 अगस्त 2019 से भारतीय पुलिस सेवा में अपना योगदान शुरू किया। भारतीय पुलिस सेवा में चयन के बाद प्रत्येक अधिकारी की तरह उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां उन्हें कानून, अपराध अनुसंधान, फॉरेंसिक विज्ञान, साइबर अपराध, भीड़ नियंत्रण, मानवाधिकार, नेतृत्व क्षमता, हथियार संचालन, आपदा प्रबंधन और आधुनिक पुलिसिंग की विस्तृत जानकारी दी गई। यही प्रशिक्षण किसी भी अधिकारी को मैदान में बेहतर निर्णय लेने और प्रभावी नेतृत्व करने के लिए तैयार करता है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उनकी पहली महत्वपूर्ण नियुक्ति एएसपी (प्रोबेशनर), पलामू के रूप में हुई। यह किसी भी युवा आईपीएस अधिकारी के लिए सीखने का महत्वपूर्ण अवसर होता है। इस दौरान उन्हें जिले की पुलिस व्यवस्था, थाना संचालन, अपराध अनुसंधान, प्रशासनिक समन्वय और कानून-व्यवस्था की जमीनी चुनौतियों को समझने का अवसर मिला।

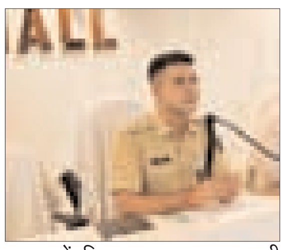

पलामू में बिताया गया यह शुरूआती कार्यकाल उनके प्रशासनिक अनुभव की मजबूत आधारशिला साबित हुआ। इसके बाद 6 जनवरी 2022 को उन्हें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), चक्रधरपुर के पद पर नियुक्त किया गया। पश्चिम सिंहभूम जिले का चक्रधरपुर क्षेत्र प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। एसडीपीओ के रूप में उनकी जिम्मेदारी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, विभिन्न थाना क्षेत्रों की निगरानी करना, अपराध नियंत्रण सुनिश्चित करना तथा पुलिस और जनता के बीच समन्वय स्थापित करना था। इस दौरान उन्होंने फील्ड पुलिसिंग का महत्वपूर्ण अनुभव अर्जित किया और पुलिस प्रशासन के संचालन की व्यावहारिक चुनौतियों को निकट से समझा। जनवरी 2022 से सितंबर 2023 तक चक्रधरपुर में सेवा देने के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें धनबाद (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया। धनबाद राज्य का प्रमुख औद्योगिक जिला है और यहां ग्रामीण क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था का नेतृत्व करना बड़ी जिम्मेदारी मानी जाती है। एसपी (ग्रामीण) के रूप में उनका दायित्व कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण, पुलिस बल का संचालन, थाना व्यवस्था की निगरानी तथा विभिन्न प्रशासनिक एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना था। धनबाद में सेवा देने के पश्चात वर्ष 2026 में झारखंड सरकार ने उनका स्थानांतरण करते हुए उन्हें पलामू जिले का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया। पलामू जैसे बड़े जिले में एसपी का पद अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण, जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत करना और पुलिस प्रशासन को प्रभावी ढंग से संचालित करना पुलिस अधीक्षक की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है। पदभार ग्रहण करने के बाद कपिल चौधरी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता बेहतर कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जनता तथा पुलिस के बीच विश्वास को मजबूत बनाना है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आम नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा कानून का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। आज के समय में पुलिसिंग का स्वरूप पहले की तुलना में काफी बदल चुका है। पारंपरिक अपराधों के साथ-साथ साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, महिला एवं बाल सुरक्षा, सड़क सुरक्षा और सामुदायिक पुलिसिंग जैसी नई चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में एक पुलिस अधीक्षक की भूमिका केवल अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पुलिस व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और जनता के प्रति उत्तरदायी बनाना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। कपिल चौधरी का अब तक का प्रशासनिक सफर यह दर्शाता है कि उन्होंने प्रशिक्षण से लेकर एएसपी (प्रोबेशनर), एसडीपीओ, एसपी (ग्रामीण) और वर्तमान में पलामू के पुलिस अधीक्षक तक क्रमिक रूप से महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। उनकी सेवा यात्रा झारखंड पुलिस में बढ़ती प्रशासनिक जिम्मेदारियों का प्रतिबिंब है। पलामू जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में उनके सामने कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना, अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाना, जनता और पुलिस के बीच विश्वास को मजबूत करना तथा प्रशासनिक समन्वय के साथ जनसुरक्षा सुनिश्चित करना प्रमुख दायित्व हैं। एक युवा आईपीएस अधिकारी के रूप में उनसे अपेक्षा है कि वे संविधान और कानून के अनुरूप निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावी पुलिसिंग की दिशा में कार्य करते हुए जिले में सुरक्षा और शांति के वातावरण को और मजबूत करेंगे।

(यह लेख उपलब्ध आधिकारिक अभिलेखों एवं सार्वजनिक स्रोतों पर आधारित है।)

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का आरोप, आरोपी युवक व पिता गिरफ्तार

पीपरा थाना में दर्ज हुई प्राथमिकी, युवती के आवेदन पर त्वरित कार्रवाई, पुलिस ने दोनों को भेजा न्यायिक हिरासत

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. पीपरा थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के आरोप में पुलिस ने दलपतपुर गांव निवासी युवक और उसके पिता को गिरफ्तार किया है. युवती की शिकायत पर पीपरा थाना में कांड संख्या 39/2026 दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी 19 वर्षीय धीरेंद्र कुमार तथा उसके पिता अजय कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया. थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि युवती के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है. दोनों आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है. पुलिस के अनुसार, युवती पक्ष का आरोप है कि धीरेंद्र कुमार ने शादी का आश्वासन देकर उसे महाराष्ट्र के पुणे ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए. बाद में दोनों वापस गांव लौटे, जहां आरोपी पक्ष ने शादी से इनकार कर दिया. युवती का यह भी आरोप है कि उसके साथ अभद्र व्यवहार और अपशब्दों का प्रयोग कर उसे घर भेज दिया गया. इसके बाद पीड़िता ने पीपरा थाना में आवेदन देकर न्याय की मांग की. थाना प्रभारी ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. गिरफ्तारी अभियान में एएसआइ ललन दास सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

वन राखी मूवमेंट की स्वर्ण जयंती पर सरगुजा में पौधों का वितरण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नवप्रदेश/मेदिनीनगर, पलामू/ वन राखी मूवमेंट की स्वर्ण जयंती के अवसर पर देश-विदेश में चल रहे पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत वन राखी मुवमेंट के प्रणेता व पर्यावरणविद एवं विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर .गुतुरमा व मैनपाट क्षेत्र में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने कैंप नंबर-2 एवं कैंप नंबर-3 स्थित बौद्ध मंदिरों में भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पौधा अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा बौद्ध भिक्षुओं एवं स्थानीय लोगों के बीच पौधों का वितरण कर कहां की भगवान विष्णु का अवतार भगवान बुद्ध के जन्म स्थल लुबनी. ज्ञान स्थल बोधगया. ज्ञान का प्रचार स्थल का प्रारंभ सारनाथ और समाधि कुशीनगर यूपी में पौधारोपण और वनरखी मूवमेंट का अभियान लोगों को शामिल किया है महामाया मंदिर में पूजा अर्चना कर कहा कि इस मंदिर में चंपा और पारिजात कपूर का पौधा मेरे द्वारा 10 वर्ष पूर्व में लगाए गए थे ऊपर सूर्य देव और नीचे बृक्ष के बिना किसी भी जीव की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने लोगों से वनों को भाई-बहन का स्नेह देकर उनकी रक्षा करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करने वाले अंततः स्वयं ही संकट में पड़ जाएंगे। उन्होंने तिब्बत के 11वें पंचेन लामा का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी देश को किसी धर्मगुरु की स्वतंत्रता का हनन करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने पंचेन लामा और उनके माता-पिता के संबंध में जानकारी सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा कि इससे तिब्बती समुदाय की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। कार्यक्रम में तिब्बती धर्मगुरु, मंदिर के पुजारी, तासी सदोलमा, कलसनमवमु, टीसी बागुन, तेनजिन दोरजी, काताायाना टीसोरी, सुनील, भोला प्रसाद गुप्ता, शिवनारायण पंडित, दिनेश प्रसाद गुप्ता, दीपू प्रसाद जायसवाल, लखन प्रसाद सोनी, गुप्तेश्वर सिंह, सुजीत सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

राणा राम बदन सिंह सामाजिक समरसता के प्रतीक थे - हृदयानंद मिश्र

नवप्रदेश संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। झारखंड प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य एवं अधिवक्ता हृदयानंद मिश्र ने वरिष्ठ समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त पुलिस पदाधिकारी राणा राम बदन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनका जाना केवल एक परिवार की क्षति नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

श्री मिश्र ने कहा कि राणा राम बदन सिंह मेरे पड़ोसी ही नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य से बढ़कर थे। विभिन्न सामाजिक, प्रशासनिक एवं समसामयिक विषयों पर उनसे निरंतर सार्थक चर्चा होती रहती थी। उनका लंबा प्रशासनिक अनुभव, सरल स्वभाव, निष्पक्ष सोच और समाज के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में सब-इंस्पेक्टर के पद पर अपनी सेवाएँ देने वाले राणा राम बदन सिंह एक अत्यंत आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी थे। उनके आवास पर प्रत्येक माह श्रद्धापूर्वक श्री सत्यनारायण कथा का आयोजन होता था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग सहभागी बनते थे। वे आध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता और प्रगतिशील विचारों के सशक्त समर्थक थे तथा सभी वर्गों के लोगों को समान सम्मान और स्नेह देने में विश्वास रखते थे। श्री मिश्र ने बताया कि 85 वर्ष की आयु में आज सायं लगभग 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके परिवार में तीन पुत्र-पुत्रियाँ, बहुएँ, दामाद, नाती-पोते एवं अन्य परिजन हैं। उनके सुपुत्र राणा अरुण सिंह राष्ट्रीय नवीन मेल समाचार पत्र के संपादक हैं। हृदयानंद मिश्र ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि राणा राम बदन सिंह के आदर्श, सामाजिक समरसता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा उनकी सादगी सदैव स्मरणीय रहेगी।

अरुण आवासीय विद्यालय ने डॉ. मिथलेश कुमार एवं नीट क्वालीफाई मंटू कुमार यादव को किया सम्मानित, विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

अरुण आवासीय विद्यालय के पूर्व छात्रों ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव, डॉ. मिथलेश कुमार और मंटू कुमार यादव सम्मानित

नवप्रदेश/छतरपुर (जपला रोड): अरुण आवासीय विद्यालय, जपला रोड, छतरपुर में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय से प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर एमबीबीएस डॉक्टर बने डॉ. मिथलेश कुमार तथा उनके माता-पिता सेवानिवृत्त शिक्षक रामप्रवेश राम एवं वीणा देवी को शॉल, कलम एवं डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया।

समारोह में वर्तमान सत्र के नीट क्वालीफाई छात्र मंटू कुमार यादव तथा उनके माता-पिता सुनील कुमार यादव एवं चंद्रमणि देवी को भी सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि मंटू कुमार ने भी अपनी प्राथमिक शिक्षा अरुण आवासीय विद्यालय से ही प्राप्त की है। अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. मिथलेश कुमार ने कहा कि उनकी सफलता की नींव अरुण आवासीय विद्यालय में रखी गई। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, ₹हर बच्चे का कोई न कोई सपना होता है-कोई डॉक्टर, इंजीनियर, वकील या पुलिस अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन सबसे पहले एक ईमानदार इंसान बनने का संकल्प लें। ईमानदारी के साथ मेहनत करेंगे तो जीवन में हर सफलता आपके कदम चूमेगी।₹ उन्होंने विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों को प्रणाम किया। वहीं मंटू कुमार यादव ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर हर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कठिन परिश्रम करने और अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। विद्यालय के निदेशक सह प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने सभी अतिथियों, सम्मानित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी विद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धि उसके सफल विद्यार्थी होते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. मिथलेश कुमार और मंटू कुमार यादव की उपलब्धियां विद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विद्यालय से कई छात्र छात्राएं उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, संस्कार और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में विद्यालय से अनेक छात्र-छात्राएं डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी सम्मानित अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी गईं। पूरे समारोह का वातावरण उत्साह, प्रेरणा और गौरव से परिपूर्ण रहा। इस अवसर पर विजय यादव सहित विद्यालय के शिक्षक श्रीनिवास शर्मा, रंजू कुमारी, मंदीप यादव, प्रियांशु कुमारी, रामानंद मिश्रा, नंदिता कुमारी, साहिन नाज एवं सुप्रिया कुमारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

22 साल से बदहाल दो सड़कें, गड्ढों और जलजमाव से हर सफर बन रहा जोखिम

सुल्तानी एनएच-139 ढकचा मोड़ व सरसोत मोड़ बेला घाट मार्ग पर रोज हादसे, ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की उठायी मांग

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज.प्रखंड क्षेत्र की सुल्तानी एनएच 139 से ढकचा मोड़ (10 किमी) तथा सरसोत मोड़ से बेला घाट (8 किमी) तक की सड़क पिछले करीब 22 वर्षों से मरम्मत के अभाव में जर्जर पड़ी है. सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे, उभरे नुकीले पत्थर और बरसात के दौरान जलजमाव के कारण हर दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है. सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों, किसानों, स्कूली बच्चों और मरीजों को उठानी पड़ रही है.

ग्रामीणों ने बताया कि इन सड़कों का निर्माण करीब दो दशक पहले हुआ था. इसके बाद से अब तक न तो इसकी समुचित मरम्मत करायी गयी और न ही पुनर्निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल हुई. वर्तमान में सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढों में बारिश का पानी भरा रहता है. पानी के कारण गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता और बाइक सवार अक्सर फिसलकर घायल हो जाते हैं. इस मार्ग पर छोटी-बड़ी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं.

यह सड़क सरसोत, सलैया, पचमो, परिया, ढकचा समेत दर्जनों गांवों को जोड़ने के साथ-साथ बिहार जाने का प्रमुख संपर्क मार्ग भी है. इसी रास्ते से प्रतिदिन हाइवा, ट्रेलर समेत भारी वाहनों का आवागमन होता है, जिससे सड़क और अधिक क्षतिग्रस्त हो गयी है.

बरसात में सड़क पर जलजमाव से आवागमन मुश्किल हो जाता है, जबकि गर्मी और धूप के दिनों में उड़ती धूल राहगीरों और किसानों के लिए परेशानी का कारण बनती है. ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क को लेकर कई बार आंदोलन और प्रशासन से शिकायत की गयी, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला. ग्रामीणों ने प्रशासन से दोनों सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता.

प्रशिक्षु अधिकारी से पलामू के उपायुक्त तकः जानिए IAS दिलीप प्रताप सिंह शेखावत का प्रशासनिक सफर

नवप्रदेश/पलामू : उपायुक्त (डीसी) के रूप में कार्यभार संभाल रहे आईएएस अधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत (झारखंड कैडर, 2019 बैच) राज्य के उन युवा प्रशासनिक अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने प्रशासनिक जीवन की शुरूआत प्रशिक्षण से की और क्रमिक रूप से महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हुए आज जिले के सर्वोच्च प्रशासनिक पद तक पहुंचे हैं। उनका अब तक का सफर प्रशिक्षण, फील्ड प्रशासन, विकास प्रशासन और जिला प्रशासन के विभिन्न स्तरों से होकर गुजरा है।

पलामू जैसे ऐतिहासिक और भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिले का नेतृत्व करना किसी भी अधिकारी के लिए बड़ी जिम्मेदारी मानी जाती है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का अनुभव, ग्रामीण विकास, कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, कृषि, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा तथा आधारभूत संरचना से जुड़े अनेक विषयों पर उपायुक्त को प्रतिदिन निर्णय लेने होते हैं। ऐसे में श्री शेखावत का अब तक का प्रशासनिक अनुभव इस जिम्मेदारी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन

कठिन और प्रतिष्ठित संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत का चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा में हुआ। उन्हें झारखंड कैडर आवंटित किया गया। देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवाओं में शामिल कैडर में चयन के बाद प्रत्येक अधिकारी को प्रशासनिक जीवन की शुरूआत व्यापक प्रशिक्षण से करनी होती है।

मसूरी से हुई प्रशासनिक जीवन की शुरूआत

उन्होंने उत्तराखंड स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में फाउंडेशन कोर्स एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां उन्हें भारतीय संविधान, प्रशासनिक कानून, लोक नीति, वित्तीय प्रबंधन, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, नेतृत्व क्षमता, लोक सेवा के मूल सिद्धांत तथा प्रशासनिक नैतिकता का प्रशिक्षण दिया गया।

LBSNAA का प्रशिक्षण किसी भी कैडर अधिकारी के व्यक्तित्व और प्रशासनिक सोच को विकसित करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। यहीं से अधिकारी को जनता के प्रति जवाबदेही, संवेदनशीलता और सुशासन की अवधारणा से परिचित कराया जाता है।

पलामू में जिला प्रशिक्षण

मसूरी में प्रशिक्षण के बाद उन्हें पलामू जिले में जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा गया। यह संयोग ही है कि जिस जिले में उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान प्रशासनिक कार्यों को समझा, उसी जिले के उपायुक्त बनने का अवसर भी उन्हें बाद में मिला।

जिला प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने समाहरणालय, अंचल कार्यालय, प्रखंड कार्यालय, पुलिस प्रशासन, न्यायिक प्रक्रिया, पंचायत व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, राजस्व, कृषि तथा ग्रामीण विकास से जुड़े विभागों के कार्यों का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल सरकारी नियमों को समझना नहीं होता, बल्कि प्रशासन और आम जनता के बीच समन्वय स्थापित करने की क्षमता विकसित करना भी होता है।

पहली स्वतंत्र जिम्मेदारी : चास के अनुमंडल पदाधिकारी

प्रशिक्षण पूरा होने के बाद श्री शेखावत को बोकारो जिले के चास अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया। यह उनके प्रशासनिक जीवन की पहली स्वतंत्र और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी।

SDO के रूप में उनके अधिकार क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत आवश्यक निर्णय लेना, राजस्व प्रशासन का संचालन, भूमि विवादों का समाधान, चुनाव संबंधी दायित्वों का निर्वहन, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों की निगरानी, जन शिकायतों का निस्तारण तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा शामिल थी। अनुमंडल पदाधिकारी जिला प्रशासन और आम जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माने जाते हैं। इस पद पर कार्य करते हुए श्री शेखावत ने प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ फील्ड स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता विकसित की।

एक नजर

एक शिक्षक के भरोसे 150 बच्चों का भविष्य, विद्यालय परिसर में ट्रांसफॉर्मर से हादसे का खतरा

नवप्रदेश/चैनपुर (पलामू): चैनपुर प्रखंड के बहेरा कला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है। नामांकित 150 से अधिक छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन की जिम्मेदारी महज एक शिक्षक के कंधों पर है। शिक्षक का अधिकांश समय मध्याह्न भोजन, कार्यालयी कार्यों व विभागीय बैठकों में बीत जाने से बच्चों की पढ़ाई ठप पड़ी है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय की एक शिक्षिका वर्ष 2016 से प्रतिनियुक्ति पर दूसरे स्थान पर कार्यरत हैं, जबकि उनका वेतन इसी विद्यालय से उठ रहा है। दूसरी ओर, विद्यालय परिसर में लगा बिजली का ट्रांसफॉर्मर बच्चों के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है, जिससे कई बार बच्चे हादसे का शिकार होने से बचे हैं। कई बार आवेदन देने के बाद भी इसे नहीं हटाया गया। मामले की जानकारी मिलने पर आजाद समाज पार्टी के नेता अजय सिंह चेरो ने विद्यालय पहुंचकर जायजा लिया और पलामू उपायुक्त से फोन पर बात कर स्थिति से अवगत कराया। उपायुक्त ने वीडियो मंगाकर जांचोपरांत शत-प्रतिशत कार्रवाई का भरोसा दिया है। अभिभावकों ने शीघ्र शिक्षकों की पदस्थापना व ट्रांसफॉर्मर हटाने की मांग की है।

पंचायत स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप में 136 युवाओं को मिला लर्निंग लाइसेंस

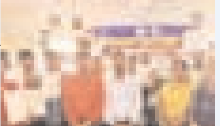

नवप्रदेश/मेदिनीनगर (पलामू): परिवहन विभाग के निदेर्शानुसार गुरुवार को मनातू प्रखंड के मंझौली-1 पंचायत क्लस्टर में पंचायत स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में कुल 182 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 136 युवाओं को ऑन-द-स्पॉट लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने लाभुकों को लाइसेंस वितरित करते हुए यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट व सीट बेल्ट का नियमित प्रयोग करने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की। साथ ही सड़क सुरक्षा, गुड सेमेरिटन योजना एवं हिट एंड रन मुआवजा योजना की जानकारी दी गई। कैंप में पर्याप्त कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध रहने से लाइसेंस निर्गत करने की प्रक्रिया सुगमता से संपन्न हुई। मौके पर परिवहन विभाग के अधिकारी, कर्मी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

स्क्रीनिंग समिति की बैठक में 70 कर्मियों को एसीपी-एमएसीपी का लाभ देने का निर्णय

नवप्रदेश/मेदिनीनगर (पलामू): जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक संपन्न हुई। उच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में आयोजित इस बैठक में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के समायोजित कुल 70 कर्मियों (अनुसेवक समेत विभिन्न कर्मी) को एसीपी-एमएसीपी का लाभ देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान 10 वर्ष की संतोषप्रद सेवा पूरी करने वाले कर्मियों को प्रथम, 20 वर्ष की सेवा पर द्वितीय तथा 30 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मियों को तृतीय एसीपी-एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, सहायक समाहर्ता ऋत्विक मेहता, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एवं स्थापना उप समाहर्ता सहित कई अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नवनियुक्त सांसद प्रतिनिधि रवि प्रसाद को अंगवस्त्र देकर किया गया सम्मानित

नवप्रदेश/सतबरवा (पलामू): चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद काली चरण सिंह के निदेर्शानुसार सतबरवा के भाजपा नेता रवि प्रसाद को पलामू जिले के लिए मत्स्य विभाग का आधिकारिक सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया गया है। सांसद प्रतिनिधि बनने के उपरांत विधायक प्रतिनिधि सह सोशल मीडिया प्रभारी महेश यादव ने रवि प्रसाद को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर सतबरवा भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता एवं विजय पाठक भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। नवनियुक्त सांसद प्रतिनिधि रवि प्रसाद ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मत्स्य विभाग की तमाम जनकल्याणकारी व लाभकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति, स्थानीय किसानों और मछली पालकों तक बिना किसी बिचौलिए के निःशुल्क पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

बिना चालान छर्री ले जा रहे हाइवा व ट्रैक्टर जब्त

चेकपोस्ट व मझीगांवा में पुलिस की कार्रवाई, बिना चालान खनिज ढुलाई पर कसा शिकंजा

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज थाना पुलिस ने बुधवार देर रात अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छर्री लदे एक हाइवा और एक ट्रैक्टर को जब्त किया. पहला वाहन हरिहरगंज एनएच-139 टोल प्लाजा के समीप स्थित अंतरराज्यीय चेकपोस्ट पर जांच के दौरान पकड़ा गया, जबकि दूसरा ट्रैक्टर पथरा पिकेट क्षेत्र के मझीगांवा बाजार से जब्त किया गया. पुलिस निरीक्षक सह हरिहरगंज थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि चेकपोस्ट पर जांच के दौरान बिना वैध चालान के छर्री ले जा रहे हाइवा को जब्त किया गया. वहीं मझीगांवा बाजार से भी छर्री लदे एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया. दोनों वाहनों को थाना लाकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है. थाना प्रभारी ने बताया कि जब्त दोनों वाहनों से संबंधित प्रतिवेदन तैयार कर जिला खनन पदाधिकारी को भेजा जाएगा. खनिज परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की जांच के बाद नियमानुसार जुर्माना एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद को मिला वाटर सप्लाई मैनेजमेंट सिस्टम का पेटेंट

एग्रीकल्चर साइंस सेंटर बलियापुर में हुआ सफल ट्रांसफर, जल संरक्षण में मिलेगा लाभ

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस), धनबाद को जल संसाधनों के स्मार्ट प्रबंधन के लिए विकसित तकनीक पर भारत सरकार से पेटेंट प्राप्त हुआ है।इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विकसित वाटर सप्लाई मैनेजमेंट सिस्टम को पेटेंट संख्या 594872 जारी की गई है।यह पेटेंट संस्थान के नाम पर दिया गया है। इस तकनीक का नेतृत्व विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार रंजन ने किया। इस शोध में पुष्कर श्रीवास्तव,राहुल कुमार गुप्ता, कपिल वर्मा, अंकुर चौरसिया, विरमानी हर्षवर्धन सोलंकी, ओम कुमार, सनल रॉय, सचिन कुमार, शुभम कुमार कुर्रे और डॉ. बिंदु प्रियदर्शिनी सह-इन्वेंटर रहे। पेटेंट के लिए आवेदन वर्ष 2022 में किया गया था।संस्थान के अनुसार इस तकनीक का टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी पूरा हो चुका है। शोध के तहत विकसित डिवाइस को कृषि विज्ञान केंद्र,बलियापुर में स्थापित किया गया है। वहां इसका उपयोग जल आपूर्ति के बेहतर प्रबंधन के लिए किया जा रहा है। डॉ. राजीव कुमार रंजन ने कहा, हमारा उद्देश्य ऐसी किफायती और उपयोगी तकनीक बनाना था जिससे जल का बेहतर प्रबंधन हो सके।यह खुशी की बात है कि यह तकनीक लैब से निकलकर सीधे किसानों तक पहुंची। हमें उम्मीद है कि भविष्य में इसका उपयोग और अधिक क्षेत्रों में होगा।

आईईईई यूएसए ने किया सहयोग......

जानकारी के अनुसार यह शोध कार्य लगभग सात लाख रुपये की प्रोजेक्ट के अंतर्गत हुआ। इस प्रोजेक्ट को इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स की यूएसए इकाई आईई यूएसए से फाइनेंशियल सहयोग मिला।विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिस्टम एग्रीकल्चर, स्कूल-कॉलेज और अन्य संस्थानों में जल वितरण और संरक्षण को अधिक प्रभावी बना सकता है। इस उपलब्धि को समाज की जरूरतों के अनुरूप उपयोगी तकनीक विकसित कर उसे जमीन तक पहुंचाने की दिशा में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

लायंस क्लब और विद्यालय के संयुक्त आयोजन में शहीदों को श्रद्धांजलि, प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कार

नवप्रदेश/बाघमारा। सरस्वती विद्या मंदिर, खास जयरामडीह में गुरुवार को लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल और विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई।कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों और विद्यालय के छात्र- छात्राओं द्वारा दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों के लिए एक विशेष भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में बच्चों ने चंद्रशेखर आजाद और बाल गंगाधर तिलक के जीवन, संघर्षों और देशभक्ति पर अपने विचार प्रस्तुत किए।उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम,द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र- छात्राओं को लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल के अध्यक्ष लायन दीपक प्रसाद ने दोनों अमर शहीदों को नमन किया। उन्होंने छात्रों से राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा लेने और भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल के पूर्व रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन मदन मोहन,पूर्व जोन चेयरपर्सन लायन संतोष कुमार, पूर्व अध्यक्ष लायन लक्ष्मण रवानी, लायन डॉ. बिनोद कुमार मिश्रा, और लायन सावित्री पाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।वहीं विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाध्यापक अनुराग गुप्ता,वरीय शिक्षक बबलू चौधरी,मंटू महतो, पीसी महतो,जितेंद्र पंडित,सुमन कुमार सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के दो शिक्षकों को राष्ट्रीय युवा अभियांत्रिकी पुरस्कार 2026

नवप्रदेश/धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद के लिए गर्व का पल। संस्थान के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के दो सहायक आचार्य श्रेणी-1 को देश की शीर्ष संस्था भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी का युवा अभियन्ता पुरस्कार 2026 प्रदान किया जाएगा।यह पुरस्कार उन युवा अभियन्ताओं को दिया जाता है जिन्होंने शोध,नवाचार और तकनीकी विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो। डॉ. अजय भंडारी, सहायक आचार्य श्रेणी-1 जैव-द्रव यांत्रिकी और संगणकीय चिकित्सा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से एम.टेक और पीएच.डी. की है। वर्तमान में वे आईआईटी (आईएसएम) में जैव-द्रव शोध प्रयोगशाला चला रहे हैं। इस प्रयोगशाला में रोगी-विशिष्ट संगणकीय प्रतिरूप,कैंसर पर संगणकीय अध्ययन और लक्षित औषधि वितरण पर शोध हो रहा है।प्रतिबिंब आधारित संख्यात्मक प्रतिरूपण और संगणकीय तरल गतिकी भी उनके प्रमुख विषय हैं। डॉ. अंतरिप पोद्दार,सहायक आचार्य श्रेणी-1 जैव-चिकित्सीय प्रवाह,जैविक मृदु पदार्थ,विद्युत- जल गतिकी और विद्युत-गति विज्ञान जैसे विषयों पर शोध कर रहे हैं। ऊष्मागतिक अनुकूलन में भी उनका काम सराहनीय है। वर्ष 2020 में उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का एडब्ल्यूएसएआर सर्वश्रेष्ठ विज्ञान कथा पुरस्कार भी मिल चुका है।इस उपलब्धि पर संस्थान के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने कहा कि दोनों शिक्षकों का चयन यह साबित करता है कि परिसर में शोध और नवाचार का माहौल लगातार बेहतर हो रहा है।यह सम्मान संस्थान की राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा और युवा शोधार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगा।पुरस्कार के तहत प्रत्येक विजेता को 25 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी युवा सह-सदस्य की मान्यता दी जाएगी।

धनबाद-गोमो रेलखंड पर ट्रेन से कटकर अज्ञात की मौत, राजधानी एक्सप्रेस रुकी

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद-गोमो रेलखंड पर गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। गंगा गौशाला के निकट रेलवे पुल के पास पोल संख्या 284/18 के समीप एक अज्ञात व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया,जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।जानकारी के अनुसार हादसे के समय इसी ट्रैक से राजधानी एक्सप्रेस को गुजरना था। पटरी पर शव पड़े होने के कारण ट्रेन को गोमो स्टेशन पर अस्थायी रूप से रोक दिया गया। ट्रैकमैन ने सूझबूझ दिखाते हुए शव को पटरी से हटाया,जिसके बाद राजधानी को आगे रवाना किया गया।घटना की सूचना पर आरपीएफ और कतरास थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से संपर्क कर शिनाख्त का प्रयास कर रही है।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मामला दुर्घटना का है या आत्महत्या का। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

धनबाद अंचल कार्यालय को व्यवस्थित व जनउपयोगी बनाएं - डीडीसी

नवप्रदेश/धनबाद। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गुरुवार को धनबाद अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कार्यालय की सुरक्षा एवं बेहतर प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए चहारदीवारी के मरम्मतिकरण का निर्देश दिया।साथ ही, परिसर में उपलब्ध स्थान का उपयोग करते हुए रोजगार के अवसर सृजन करने के उद्देश्य से दुकानों के निर्माण के लिए आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया।उप विकास आयुक्त ने कहा कि धनबाद अंचल कार्यालय परिसर का समुचित विकास करते हुए इसे सुरक्षित,व्यवस्थित एवं जनउपयोगी बनाएं।निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में स्थित अत्यंत जर्जर भवनों का भी अवलोकन किया गया।भवनों की स्थिति को देखते हुए उनके पुनर्निर्माण,जीर्णोद्धार के लिए नई योजनाओं के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति की कार्रवाई करने की बात कही।

कनकनी शहरी स्वास्थ्य केन्द्र मे अस्पताल कर्मचारी द्वारा डॉक्टर बनकर मरीजो का इलाज किए जाने का गंभीर मामला सामने आया

नवप्रदेश/लोयाबाद। कनकनी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अस्पताल कर्मचारी द्वारा डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। गुरुवार को एक मरीज ने चिकित्सक के समक्ष ऑन-रिकॉर्ड वीडियो बयान देकर पूरे मामले का खुलासा किया, जिसके बाद स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, कतरास के लकड़का गांव निवासी शंकर पासवान, जो इन दिनों अपने ससुराल बांसजोड़ा 12 नंबर में रह रहे हैं, दोबारा इलाज कराने कनकनी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डॉक्टर के सामने दिए गए वीडियो बयान में बताया कि करीब दो माह पहले वह शुगर की बीमारी के इलाज के लिए इसी स्वास्थ्य केंद्र आए थे। उस समय उनकी ब्लड शुगर 223 थी।शंकर पासवान का आरोप है कि उस समय स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद एक व्यक्ति ने स्वयं को डॉक्टर बताकर उनका इलाज किया और दवाइयां भी दीं। उन्होंने बताया कि दवा खाने के बाद उनका शुगर नियंत्रित होने के बजाय और बढ़ गया। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि संबंधित व्यक्ति डॉक्टर नहीं, बल्कि अस्पताल का कर्मचारी था, जो डॉक्टर की अनुपस्थिति में मरीजों का इलाज करता था। मरीज ने यह भी आरोप लगाया कि इलाज के दौरान दी जाने वाली पर्ची में न तो मरीज का नाम सही ढंग से दर्ज किया जाता है और न ही उस पर दिनांक लिखी जाती है, जिससे इलाज का कोई समुचित रिकॉर्ड नहीं रह जाता।वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का भी आरोप है कि स्वास्थ्य केंद्र में इस प्रकार की अनियमितताएं लंबे समय से जारी हैं। उनका कहना है कि डॉक्टर की अनुपस्थिति में अस्पताल कर्मचारी मरीजों का उपचार करते रहे हैं, लेकिन इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त कथित अव्यवस्था और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है । वहीं उक्त स्वास्थय केन्द्र के चिकित्सक डा० अमृत त्रिगुनाईत ने इस मामले को लेकर कहा कि मरीज के द्वारा लगाया गया अस्पताल कर्मचारी पर आरोप सत्य है उक्त विडियो को अस्पताल के वरिया पदाधिकारी को सपोर्ट कर दिया गया है।

सदर अस्पताल की बदहाली पर डीडीसी सख्त,सफाई और पार्किंग सुधारने के आदेश

नवप्रदेश/धनबाद। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गुरुवार को सदर अस्पताल और सिविल सर्जन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में अस्पताल परिसर की अव्यवस्था और निर्माण कार्यों में सुस्ती देखकर वे नाराज दिखे।श्री राज ने सबसे पहले भवन निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। काम में हो रही देरी पर उन्होंने संवेदक को कड़ी फटकार लगाई और सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय- सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सहायक अभियंता और कनीय अभियंता को नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने को भी कहा।डीडीसी ने कार्यालय और पूरे परिसर को सुव्यवस्थित रखने पर जोर दिया। अस्पताल की साफ-सफाई को लेकर उन्होंने डीपीएम को नगर निगम से समन्वय कर नियमित सफाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान नव निर्मित पार्किंग शेड का भी अवलोकन किया

वर्षों बाद शुरू हुआ जेलगोरा गेस्ट हाउस का जीर्णोद्धार, विधायक रागिनी सिंह ने किया निरीक्षण

नवप्रदेश/अलकडिहा। अलकडिहा क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हुई। क्षेत्र का एकमात्र प्रमुख सामुदायिक भवन जेलगोरा गेस्ट हाउस के जर्जर होने के कारण आम लोगों को शादी- विवाह और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए दूसरे स्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था।अब भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने इसके जीर्णोद्धार का काम शुरू कर दिया है।झरिया विधायक रागिनी सिंह के लगातार प्रयासों के बाद बीसीसीएल प्रबंधन ने इस जनहित के मुद्दे को गंभीरता से लिया। गुरुवार को विधायक रागिनी सिंह स्वयं निर्माण स्थल पर पहुंचीं और चल रहे जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अब तक हुए काम पर संतोष जताया।साथ ही अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए। विधायक ने निर्देश दिया कि गेस्ट हाउस का निर्माण इस प्रकार हो कि कम खर्च में क्षेत्रवासियों को बेहतर, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों और यह भवन आने वाले कई वर्षों तक लोगों के काम आ सके।इस दौरान विधायक ने बीसीसीएल अधिकारियों के साथ क्षेत्र में जनसुविधाओं से जुड़े अन्य विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखते हुए आम जनता की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए और सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं।मीडिया से बातचीत में विधायक रागिनी सिंह ने कहा, क्षेत्रवासियों की सुविधा और जनहित मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्षों से जर्जर पड़े जेलगोरा गेस्ट हाउस का जीर्णोद्धार शुरू होना क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी राहत है। हमारा प्रयास रहेगा कि यह गेस्ट हाउस सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए एक आदर्श स्थल बने।निरीक्षण के समय संतोष सिंह, अखिलेश सिंह, उमेश यादव, राज किशोर जेना,अभिषेक पांडेय, स्वरूप भट्टाचार्य, मेवालाल रजक, बब्लू रजक,अनिल पासवान, बेणेश्वर बावड़ी,सुनील पासवान, राजू पासवान,ममता साव,अनीता चौधरी,नीलू देवी,राहुल सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।जीर्णोद्धार कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है।लोगों का कहना है कि कार्य पूरा होने के बाद उन्हें एक आधुनिक,सुरक्षित और सुविधायुक्त सामुदायिक भवन मिलेगा,जिसका लाभ पूरे क्षेत्र को मिलेगा।

सेप्टिक टंकी की जहरीली गैस बनी काल, 2 मजदूरों की मौत

सेंटरिंग खोलने उतरे थे राजमिस्त्री और मजदूर,1 माह से बंद टंकी में भरी थी जहरीली गैस

सीओ-थाना प्रभारी पहुंचे अस्पताल,पोस्टमार्टम के लिए शव को भेजा

धनबाद

नवप्रदेश/बाघमारा। बाघमारा थाना क्षेत्र के सदरियाडीह बस्ती में गुरुवार को सेप्टिक टंकी की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान लोहपिट्टी पंचायत के अंधारी बस्ती निवासी जगेश्वर महतो के पुत्र 48 वर्षीय दिलीप कुमार महतो और केशरगढ़ पंचायत के सदरियाडीह बस्ती निवासी दामोदर महतो के 33 वर्षीय पुत्र राजेश महतो के रूप में हुई है,हादसे के बाद पूरे गांव में मातम छा गया हैं।

क्या हैं मामला.....

जानकारी के अनुसार सदरियाडीह में करीब एक माह पूर्व सेप्टिक टंकी का निर्माण हुआ था। गुरुवार सुबह राज मिस्त्री दिलीप महतो और मजदूर राजेश महतो टंकी की सेंटरिंग खोलने के लिए उसके अंदर उतरे थे। करीब एक माह से बंद टंकी के भीतर जहरीली गैस जमा थी। अंदर जाते ही दोनों गैस के संपर्क में आकर बेहोश होकर गिर गए। इसी दौरान उन्हें बचाने के लिए किशुन महतो भी टंकी के अंदर उतर गए। जल्दी बाजी में दोनों को बहार निकाला लेकिन वह भी गैस की चपेट में आकर बेसुध होने लगा।किशुन को बेहोश होते देख ग्रामीणों ने घरेलू उपचार कर उसे होश में लाया। इसके बाद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर बेहोश पड़े दिलीप और राजेश को अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित......

बेहोश मिले दिलीप महतो और राजेश महतो को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघमारा लाया गया। जहां जांच के बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ज्योति लाल ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

प्रशासन पहुंचा अस्पताल......

घटना की सूचना मिलते ही बाघमारा थाना प्रभारी अजीत कुमार और अंचलाधिकारी गिरजानंद किस्कू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली।सीओ गिरजानंद किस्कू ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। सेप्टिक टंकी से निकलने वाली गैस की जांच के लिए थाना प्रभारी के माध्यम से बीसीसीएल प्रबंधन को पत्र लिखा जा रहा हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए जांच के बाद मौत का कारण प्रकृतिक दुर्घटना होती हैं तो उचित मुआवजा दिलाया जायेगा। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है।थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दोनों घरों में पसरा मातम.....

दिलीप महतो के घर में एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। वहीं राजेश महतो के घर में एक पुत्र और एक पुत्री है। घटना के बाद दोनों घरों में कोहराम मचा हुआ है। बच्चों की चीख-पुकार से पूरा गांव गमगीन है।

समन्वयकों की लापरवाही पर डीडीसी सन्नी राज सख्त, दिया 10 दिन का अल्टीमेटम

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद में स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन की योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गुरुवार को जिला एवं सभी प्रखंड समन्वयकों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो 10 दिन के अंदर नई टीम की नियुक्ति कर दी जाएगी।डीडीसी गुरुवार को समाहरणालय में स्वच्छ भारत मिशन एवं जल जीवन मिशन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा के दौरान जब उन्होंने प्रखंड समन्वयकों से पंचायतों में सेग्रीगेशन शेड निर्माण की प्रगति की जानकारी मांगी, तो उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में समन्वयकों द्वारा उनसे कोई समन्वय ही नहीं किया गया है। इस पर डीडीसी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

योजनाओं की बारीकी से हुई समीक्षा.....

बैठक में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट,सेनेटरी पार्क,सांसद आदर्श ग्राम योजना,पीएम जनमन, ओडीएफ प्लस,मॉडल कम्युनिटी सेनेटरी कॉम्प्लेक्स,मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।डीडीसी ने जिला समन्वयकों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन प्रखंड समन्वयकों के कार्यों की मॉनिटरिंग करें और सभी लंबित कार्यों को अविलंब पूरा कराएं।

जल जीवन मिशनः 7 दिन में निपटाएं लंबित मामले....

बैठक के दूसरे चरण में जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं, हर घर जल प्रमाण-पत्र की स्थिति और लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा हुई।डीडीसी ने सभी कनीय अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में व्यापक सर्वे कर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य परिवार इस योजना से वंचित न रहे। जिन क्षेत्रों में हर घर जल प्रमाण-पत्र जारी करने के मानक पूरे नहीं हुए हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य पूर्ण कर अगले 7 दिनों के भीतर सभी लंबित प्रमाण-पत्र जारी किए जाएं।उन्होंने कहा कि प्रत्येक कनीय अभियंता अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण कर योजनाओं की गुणवत्ता और प्रगति की सतत निगरानी रखें, ताकि निर्धारित समय-सीमा में जल जीवन मिशन के लक्ष्य हासिल किए जा सकें। बैठक में पीएचईडी -2 के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुशांत मुखर्जी,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

बीसीसीएल ब्लॉक-क्कमें हिंदी राजभाषा कार्यशाला आयोजित

नवप्रदेश/बाघमारा। बीसीसीएल ब्लॉक-क्कक्षेत्र के हरिना कॉलोनी स्थित अतिथि गृह में गुरुवार को हिंदी राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) अमित पांडे ने की। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) स्नेहा ने किया। मुख्यालय से वरीय अनुवादक (राजभाषा) अनिरुद्ध नोनिया और बंदना देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय प्रबंधक अमित पांडे ने शॉल, पुष्पगुच्छ और उपहार देकर किया। कार्यशाला में वरीय अनुवादक अनिरुद्ध नोनिया ने संघ की राजभाषा हिंदी, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 और कार्यालयों में हिंदी में कार्य करने की नियमावली पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं वरीय अनुवादक बंदना देवी ने कार्यालय में हिंदी में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली और हिंदी-अंग्रेजी के समन्वय पर जानकारी दी। कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारी, लिपिक और कर्मचारी मौजूद थे। इसमें मुख्य रूप से क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रशासन) प्रवीण कुमार झा भी शामिल हुए। पिछली कार्यशाला में आयोजित प्रतियोगिता में अव्वल रहने वाले प्रतिभागियों को क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा पुरस्कृत किया गया। अंत में सहायक प्रबंधक स्नेहा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

आज चार घंटे बंद रहेगा बाघमारा रेलवे फाटक

मरम्मत कार्य के कारण सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच बंद रहेगी आवाजाही,भीमकनाली मार्ग का करें उपयोग

नवप्रदेश/बाघमारा। बाघमारा-डुमरा मार्ग पर स्थित बाघमारा रेल फाटक शुक्रवार को मरम्मत कार्य के कारण चार घंटे तक बंद रहेगा। दक्षिण पूर्व रेलवे, महुदा के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार महुदा-खानूडीह रेल खंड पर लेवल क्रॉसिंग संख्या बीजी-27 पर 24 जुलाई को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे के बीच चार घंटे तक मरम्मत कार्य किया जाएगा। इस दौरान फाटक बंद रहेगा जिससे सड़क यातायात प्रभावित होगा।रेलवे प्रशासन ने वाहन चालकों और आम लोगों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक रूप से भीमकनाली मार्ग का उपयोग करें।

स्कूलों और सार्वजनिक जगहों पर होगा वृक्षारोपण,क्लब ने लिया संकल्प

नवप्रदेश/बाघमारा। पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से लायंस क्लब हरिना द्वारा चलाए जा रहे मिशन 500 पौधारोपण अभियान के तहत गुरुवार को आजादनगर, गोमो में 15 पौधे लगाए गए।कार्यक्रम में लायंस क्लब हरिना के अध्यक्ष केसी पॉल, जोन चेयरपर्सन लायन शशिकांत शरण, लायन सुनील सिंह और लायन संदीप कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।पौधारोपण के बाद लायन संदीप कुमार ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने के लिए लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है।क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि जुलाई से सितंबर तक क्लब द्वारा कुल 500 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मिशन 500 के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

धनबाद दौरे पर पहुंचे अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष, कई मामलों की ली जानकारी

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष सह राज्य मंत्री ज्योति सिंह मथारू गुरुवार को धनबाद पहुंचे। सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की।बैठक से पहले उन्होंने जनसुनवाई की।गुरुनानक कॉलेज, खालसा स्कूल,जिम्स अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मौत और फुसबंग्ला तेजाब कांड सहित कई शिकायतें सामने आईं। आयोग ने एसडीएम और सिविल सर्जन को मामले की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा।फुसबंग्ला में ज्वेलर्स और मकान मालिक के विवाद में दो नाबालिगों के झुलसने के मुद्दे पर झरिया के सीओ और सिंदरी डीएसपी को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। मथारू ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में तेजाब की पुष्टि के बाद भी आरोपी को जमानत मिलना चिंताजनक है। पुलिस की भूमिका की भी जांच जरूरी है।उन्होंने पीड़ित परिवारों से उनके आवास जाकर भी मुलाकात की और अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली। आयोग ने शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े अन्य मामलों में भी रिपोर्ट तलब की है।

बाघमारा बाजार के रानी सती मंदिर में हुआ मंगल पाठ, गूंजे भजन

नवप्रदेश/बाघमारा। बाघमारा बाजार स्थित श्री श्री रानी सती दादी जी के भव्य मंदिर में गुरुवार को धार्मिक आस्था का माहौल रहा। यहां मंगल पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत धनबाद से पधारीं भजन गायिका संगीता अग्रवाल की गणेश वंदना से हुई। इसके बाद उन्होंने रानी सती दादी का मंगल पाठ प्रस्तुत कर भक्तों को भक्तिरस में डुबो दिया। मंदिर परिसर भजनों की गूंज से देर तक गुंजायमान रहा। मंगल पाठ में शामिल होने के लिए श्रद्धालु महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में पहुंची थीं। पुरुष और बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। भजन के दौरान पूरा मंदिर प्रांगण जयकारों से गूंजता रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में सीता राम चौधरी,विकास चौधरी, निकेत चौधरी,ओम प्रकाश हेलीवाल,महेश सर्राफ,संजय हेलीवाल, रतन पटवारी, रितेश अग्रवाल, कार्तिक हेलीवाल, मोनू और मंदिर के पुजारी मणिकांत शास्त्री का विशेष योगदान रहा।

बाघमारा में 'प्रोजेक्ट इम्पैक्ट' का समापन, बेहतर स्कूलों को मिलेगा अतिरिक्त फंड

नवप्रदेश/बाघमारा। प्रखंड शिक्षा विभाग द्वारा राजकीयकृत मध्य विद्यालय नावागढ़ में आयोजित 4 दिवसीय 'प्रोजेक्ट इम्पैक्ट' प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हो गया। प्रखंड के सभी मध्य, उच्च, उच्चतर माध्यमिक एवं आवासीय विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापक, सहायक शिक्षक तथा प्रखंड व संकुल साधन सेवी इसमें शामिल हुए। बेहतर प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण को 4 बैचों में बांटा गया था। धनपाल सिंह, कपिल कुमार शर्मा, मुन्ना कुमार और बृजेश चौबे ने प्रशिक्षकों की भूमिका निभाई। प्रशिक्षण में शिक्षकों को डीएमएफटी, सीएसआर व अन्य मदों से विद्यालयों में हो रहे आधारभूत विकास कार्यों की जानकारी दी गई। साथ ही आपूर्ति सामग्री के सदुपयोग,रख-रखाव और नो कॉस्ट-लो कॉस्ट तकनीकों से विद्यालयों के कायाकल्प पर जोर दिया गया।विभाग ने बताया कि समापन पर 200 अंकों की परीक्षा होगी। 180 या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यालयों को हाई कॉस्ट मद से चयनित कर अतिरिक्त फंड देकर भौतिक व शैक्षणिक सुविधाएं सुदृढ़ की जाएंगी।

आजाद की जयंती पर राज सिन्हा ने किया नमन,युवाओं से आदर्श अपनाने की अपील

नवप्रदेश/धनबाद। महान क्रांतिकारी और अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती गुरुवार को पूरे शहर में श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस मौके पर पॉलिटेक्निक मोड़ स्थित शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में झारखंड विधानसभा के सचेतक एवं धनबाद के विधायक राज सिन्हा मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने पुष्प अर्पित कर आजाद के बलिदान को याद किया।इस अवसर पर श्री सिन्हा ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन देशभक्ति,निर्भीकता और आत्मसम्मान की मिसाल है। मातृभूमि की आजादी के लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका यह त्याग यह सिखाता है कि देश से ऊपर कुछ नहीं। आजाद के विचार आने वाली पीढ़ियों को हमेशा राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे।विधायक ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीद आजाद के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और देश निर्माण में सक्रिय योगदान दें। उनके संघर्ष की गाथा हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें मंडल अध्यक्ष हुलास दास, रिंकू सिन्हा, वार्ड पार्षद अशोक पाल, मनोरंजन सिंह, ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम रंजन, शंभू सिंह, संजीत सिंह, पप्पू गुप्ता, प्रमोद मित्तल, अमित सिंह और बी.पी. सिन्हा शामिल थे। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी शिरकत कर शहीद को नमन किया।

धनबाद में कांग्रेस का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नवप्रदेश/धनबाद। पेपर लीक,भर्ती में गड़बड़ी और आंदोलनरत छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को धनबाद जिला कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रणधीर प्रसाद वर्मा चौक पर धरना देकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपायुक्त आदित्य रंजन को सौंपा।ज्ञापन में कांग्रेस ने 4 प्रमुख मांगें रखीं। पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से पद छोड़ने की मांग की। इसके अलावा छात्र आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी एनटीए को जवाबदेह बनाने और सरकारी नौकरियों के लिए हर साल का तय कैलेंडर जारी करने की मांग की गई।धरनास्थल पर जिला प्रभारी शकील अख्तर ने कहा कि बार-बार पेपर लीक होने से देश के करोड़ों अभ्यर्थियों का भविष्य अंधकार में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करेगी और छात्रों के साथ खड़ी रहेगी। जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया में देरी, लगातार पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी के कारण युवाओं का सिस्टम से भरोसा उठ गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की समस्या सुननी चाहिए, लेकिन उल्टे उन पर दमन किया जा रहा है।इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुलतान अहमद,प्रदेश समन्वयक मदन महतो,प्रदेश सचिव मनोज यादव और पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि जब तक परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा।

गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर लोकतंत्र को लाठीतंत्र बनाने की कोशिश हो रहीः रवि

आम नागरिकों, कॉलेज छात्रों और प्रगतिशील संगठनों से मार्च में शामिल होने का आह्वान

मोदी सरकार की पुलिस द्वारा बर्बर तरीके से लाठी चार्ज और पुलिसिया जुल्म के खिलाफ प्रतिवाद मार्च 25 को

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। नीट परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले में कारवाई, एनटीए को निरस्त करने एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा की मांग को लेकर जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल कर रहे छात्रों पर केंद्र की मोदी सरकार की पुलिस द्वारा बर्बर तरीके से लाठी चार्ज और पुलिसिया जुल्म के खिलाफ कोडरमा के आम नागरिकों की ओर से 25 जुलाई को झुमरीतिलैया में सुभाष चौक से झंडा चौक तक प्रतिवाद मार्च का आयोजन किया जा रहा है। इस मार्च में छात्र आंदोलन व उनकी मांगों के साथ संवेदना रखने वाले सभी आम नागरिकों को मार्च में शामिल होने की अपील की गई है। उक्त जानकारी पूर्व छात्र नेता रवि पासवान ने दी।उन्होंने कहा कि देश मे मौजूदा मोदी सरकार ने बर्बरता की सभी हदें पार कर दी है। 20 जुलाई को सीजेपी के जंतर मंतर से संसद मार्च के आह्वान के बाद लाखो छात्रों के शांतिपूर्ण मार्च के दौरान केंद्र सरकार की पुलिस का विभत्स चेहरा उजागर हो गया।गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर लोकतंत्र को लाठीतंत्र बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि फिलहाल मोदी सरकार के छात्रों के साथ बर्बरता पूर्वक कारवाई से देशभर में आक्रोश है और छात्र,अभिभावक, आम नागरिक आक्रोशित है। देश की राजधानी दिल्ली में छात्रों पर हुए पुलिसिया जुल्म के खिलाफ और केंद्र सरकार की छात्रों के आंदोलन पर तानाशाही रवैया के खिलाफ कोडरमा जिले के संवेदनशील आम नागरिक सड़को पर उतरकर विरोध जताएगी और छात्रों के आंदोलन को सशक्त बनाने का कार्य करेगी।उन्होंने कोडरमा जिले के सभी आम नागरिकों, कॉलेज छात्रों और प्रगतिशील संगठनों समेत छात्र आंदोलन के समर्थकों से प्रतिवाद मार्च में शामिल होकर चट्टानी एकता प्रदर्शित करने का आह्वान किया है।साथ ही राजनीतिक दलों से हांथो में तिरंगा झंडा लेकर पहुंचने की अपील की गई है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस से सतगावां के मरीजों को मिल रही त्वरित स्वास्थ्य सुविधा

नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। केंद्रीय मंत्री सह कोडरमा लोकसभा सांसद अन्नपूर्णा देवी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सतगावां को उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। इस एंबुलेंस के माध्यम से गंभीर मरीजों, गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं तथा अन्य आपातकालीन मरीजों को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र पहुंचाया जा रहा है, जिससे उन्हें बेहतर और त्वरित इलाज मिल रहा है।करचेता निवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता राहुल कुमार ने बताया कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन एंबुलेंस उपलब्ध होने के बाद स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।अब जरूरतमंद मरीजों को समय पर रेफर कर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कई लोगों की जान बचाने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह सेवा विशेष रूप से जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए भी काफी लाभदायक साबित हो रही है।उन्होंने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह एंबुलेंस सेवा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी राहत है और इससे स्वास्थ्य सुविधाएं पहले की तुलना में अधिक सुलभ एवं प्रभावी हुई हैं। ग्रामीणों ने भी इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि समय पर एंबुलेंस मिलने से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को शीघ्र उपचार मिल रहा है।

6 माह से वेतन नहींः आउटसोर्सिंग कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से स्वास्थ्य व्यवस्था ठप

श्रम अधीक्षक कार्यालय आज प्रदर्शन करेंगे आउटसोर्सिंग कर्मचारी : सीटू

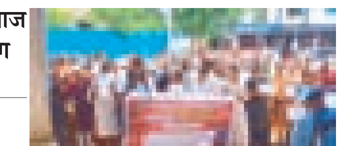

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। छह माह से मानदेय भुगतान नहीं होने के विरोध में झारखंड स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ (सीटू) के बैनर तले सदर अस्पताल व जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मी गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। हड़ताल के पहले ही दिन जिले की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गईं। एक्स-रे, अल्ट्रासोनोग्राफी सहित कई जांच सेवाएं ठप रहीं, सफाई व्यवस्था चरमरा गई, मरीजों को ट्रॉली तक उपलब्ध नहीं हो सकी और दवा वितरण भी प्रभावित रहा। समाहरणालय से निकले जुलूस ने सदर अस्पताल पहुंचकर धरना का रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने ₹मजदूरी की चोरी नहीं चलेगी₹ और ₹कमांडो कंपनी होश में आओ₹ जैसे नारे लगाए। सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने आरोप लगाया कि आउटसोर्सिंग कंपनी कर्मचारियों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम भुगतान कर रही है, जबकि कंपनी को पूरी राशि मिल चुकी है। उन्होंने मानदेय भुगतान में बड़े घोटाले का आरोप लगाते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की मांग की। संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक बकाया मानदेय और निर्धारित वेतन का भुगतान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। शुक्रवार को श्रम अधीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन कर प्रशासन पर दबाव बनाया जाएगा।

चंदवारा मे डीजल चोरी करते हाईवा चालक गिरफ्तार, 30 लीटर डीजल बरामद

नव प्रदेश संवाददाता/ चंदवारा। पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष के निर्देश पर चंदवारा थाना की गश्ती टीम ने गुरुवार देर रात ग्राम मंझलाडीह में कार्रवाई करते हुए हाईवा से डीजल चोरी करते एक व्यक्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। चंदवारा थाना प्रभारी ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस ने एक हाईवा को संदिग्ध अवस्था में खड़ा देखा। जांच के क्रम में बब्लू कुमार यादव नामक व्यक्ति हाईवा से डीजल निकाल रहा था। पुलिस को देखकर वह भागने का प्रयास करने लगा, जिसे टीम ने पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से लगभग 30 लीटर डीजल, 3 प्लास्टिक जार और डीजल निकालने में प्रयुक्त रेंच बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बब्लू कुमार यादव, उम्र 21 वर्ष, पिता कारु यादव, साकिन सिंगारडीह, थाना जयनगर के रूप में हुई है। इस संबंध में चंदवारा थाना में कांड संख्या 58/26 दर्ज किया गया है। उस पर बीएनएस की धारा 303 (2) और 317(2) के तहत मामला दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले में शामिल अन्य लोगों की भी जांच कर रही है।

उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय मरकच्चो में किया गया प्रबंधन समिति का पुनर्गठन

नव प्रदेश संवाददाता

मरकच्चो। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय मारकच्चो में विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन हेतु एक आम सभा का आयोजन गुरुवार को किया गया जिसकी अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि रविशंकर सिंह एवं संचालन प्रभारी प्रधानाध्यापक कपिलदेव सिंह ने किया, चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में परियोजना बालिका उच्च विद्यालय मरकच्चो के शिक्षक रामकृपाल सिंह उपस्थित रहे। विद्यालय में कुल 25 सदस्यों का चुनाव हुआ जिसमें विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के माता/पिता से 19 सदस्यों का चुनाव हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार मीना देवी एवं किरण देवी हुई, मतों के आधार पर किरण देवी अधिक मत प्राप्त कर अध्यक्ष पद पर चयनित हुईं एवं उपाध्यक्ष पद के लिए सर्व सम्मति से मोहन माली का चयन हुआ। सरस्वती वाहिनी माता समिति में संयोजिका के पद पर सर्व सम्मति से मीना देवी का चयन किया गया। आम सभा में उपमुखिया प्रदीप रजक, उमेश कुमार, मेराज आलम, प्रवेज आलम मो. इशतियाक शाह, विजय मोदी, रानी देवी, ममता देवी, काजल देवी, मुन्नी देवी, नेहा देवी, पंकज देवी, बिन्दा देवी, शिक्षक साकिब महमूद, गोपाल प्रसाद बरनवाल, संदीप पासवान, पूनम कुमारी अम्बष्ट, मीरा सिन्हा, सोनी कुमारी, गोपाल शरण पाण्डेय, दयानन्द कुमार, दीपमाला पटेल, संतोष राम के साथ दर्जनों माता/पिता एवं अभिभावक उपस्थित थे।

भितिया में छोटकी नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त ग्रामीणों ने प्रशासन से की पुल बनाने की मांग

नव प्रदेश विजय कुमार/चंदवारा (चंदवारा): चंदवारा प्रखंड अंतर्गत बेंदी पंचायत के ग्राम भितिया में छोटकी नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार, यह पुल भितिया सहित चौपारण के कई गाँव सहित बिहार के गया जी जिला के हजारों लोग इसी पुल से आवागमन का प्रमुख मार्ग है। पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों, किसान तथा मरीजों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से पुल का शीघ्र निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत या नए पुल के निर्माण की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द उचित कदम उठाने की अपील की है, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर, उपायुक्त ने दिए लक्ष्य आधारित कार्य के निर्देश

नवप्रदेश/गोड्डा। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य विभाग की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अप्रैल से जून 2026 तक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रखंडवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत समय पर पंजीकरण, चार प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), संस्थागत प्रसव तथा आयरन-फोलिक एसिड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बोआरीजोर और सुंदरपहाड़ी जैसे कमजोर प्रदर्शन वाले प्रखंडों में विशेष अभियान चलाकर नियमित मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया। साथ ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सभी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

छात्राओं को साइबर सुरक्षा व डायल 112 की दी जानकारी

कस्तूरबा विद्यालय में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत जागरूकता कार्यशाला

नव प्रदेश संवाददाता

सतगावां। प्रखंड के पोखरडीहा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय में गुरुवार को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को कानून, सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।कार्यशाला के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को साइबर क्राइम से बचाव के उपाय बताते हुए डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए डायल 112 के उपयोग और महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई।इस अवसर पर केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन एक्ट 2015 (बाल न्याय अधिनियम) के प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला गया तथा बच्चों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा से जुड़े कानूनी पहलुओं की जानकारी दी गई।थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह ने कहा कि आज के डिजिटल युग में छात्राओं को अपने अधिकारों, साइबर सुरक्षा और सुरक्षात्मक कानूनों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि डायल 112 जैसी आपातकालीन सेवाएं संकट की घड़ी में सुरक्षा का मजबूत माध्यम हैं।कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन प्रतीक्षा मिंज, शिक्षिकाएं विनीता वखला, मंजू कुमारी,संजू कुमारी, वीना कुमारी, अमृता कुमारी, शिक्षक शक्ति कुमार, कल्याण कुमार, विमल किंडो सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।कार्यशाला के अंत में छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया। विद्यालय प्रशासन ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा के प्रति सजगता भी विकसित करते हैं।

कोडरमा में NIA का बड़ा ऑपरेशनः विस्फोटक मैगजीन हाउस और कारोबारी के घर छापा, 16 लाख नकदी व दस्तावेज मिलने की चर्चा

बांकुड़ा ब्लास्ट केस की जांच पहुंची कोडरमा, मैगजीन संचालक समेत दो गिरफ्तार, कई और ठिकाने NIA के रडार पर

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा विस्फोट कांड की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को कोडरमा जिले में बड़ी कार्रवाई की। एनआईए की कोलकाता टीम ने नवलशाही थाना क्षेत्र के पुरनाडीह. नवादा स्थित एक विस्फोटक मैगजीन हाउस और कोडरमा निवासी कारोबारी एवं मैगजीन संचालक शंकर यादव के आवास पर एक साथ छापेमारी की। सुबह से चली कार्रवाई के दौरान टीम ने दस्तावेजों, अभिलेखों और अन्य महत्वपूर्ण सामग्रियों की गहन जांच की। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए चंदवारा पुलिस भी पूरे समय मौके पर तैनात रही। सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में बाइक से विस्फोटक ले जाने के दौरान हुए विस्फोट, जिसमें दो लोगों की मौत हुई थी, उसकी जांच के क्रम में कोडरमा से जुड़े संभावित नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति किन. किन लोगों और स्थानों तक की गई थी। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान शंकर यादव के आवास से करीब 16 लाख रुपये नकद और जमीन से जुड़े 22 महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। हालांकि, बरामदगी को लेकर एनआईए की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इधर, कोडरमा के पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने पुष्टि की है कि एनआईए ने मैगजीन संचालक शंकर यादव के साथ उनके सहयोगी महेश कुमार मेहता को भी गिरफ्तार किया है। महेश डोमचांच थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव के निवासी हैं। एसपी के अनुसार, पूरे मामले के तार पश्चिम बंगाल से जुड़े हैं और एनआईए विभिन्न पहलुओं की गहन जांच कर रही है। सूत्रों का यह भी दावा है कि जिले के कुछ अन्य विस्फोटक मैगजीन हाउस भी जांच एजेंसी के रडार पर हैं, जिससे आने वाले दिनों में और बड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

नीट पेपर लीक को लेकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष कांग्रेसियों द्वारा किया गया धरना-प्रदर्शन

महामहिम राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त के माध्यम से दिए गए ज्ञापन

नवप्रदेश संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में नीट पेपर लीक को लेकर लोकतंत्र बचाओ छात्र न्याय आंदोलन कार्यक्रम का आंदोल आयोजन कर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया । आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने की । मुख्य तीन मांगो पहला केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा दे। दुसरा परिक्षा में हुई अनियमितताओं एवं उन व्यवस्थागत विफलताओं पर संसद में तत्काल चर्चा, जिन्होंने लाखों छात्रों के भविष्य संकट मे डाल दिया है तथा तीसरा नई दिल्ली में हुए संबंधित विरोध प्रदर्शनों के दौरान छात्रों एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज सभी एफआईआर एवं आपराधिक मामलों को तत्काल वापस लिया जाए को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त के माध्यम ज्ञापन दिए गए । कार्यक्रम कांग्रेसी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय परिक्षा में बार-बार पेपर लीक होना इस बात का सबूत है कि केन्द्र सरकार शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर नही है । लाखों छात्र मेहनत करके परिक्षा देते हैं और कुछ लोगों की लापरवाही के कारण छात्रों का भविष्य दांव पर लग जाता है ।उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों को खदेड़-खदेड़ कर मरा गया और यहां तक प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को पुलिस प्रशासन के द्वारा जमीन पर घसीटा गया जिसकी मैं घोर निन्दा करता हूं ।प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार ने कहा कि नीट पेपर लीक के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिकता के आधार पर अविलम्ब इस्तीफा दे देना चाहिए । कार्यक्रम का संचालन महासचिव रघु जायसवाल जबकी धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष परवेज अहमद ने किया ।मौके पर सदर विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह प्रदेश कॉडीनेटर शैलेन्द्र कुमार यादव, प्रदेश सचिव रेणू कुशवाहा, पूर्व प्रदेश सचिव बिनोद सिंह, शशि मोहन सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष विजय कुमार यादव वरीय उपाध्यक्ष शारदा रंजन दुबे जिला मीडिया विभाग के अध्यक्ष निसार खान प्रदेश पैनलिस्ट सजीद अली खान, दिगम्बर प्रसाद मेहता, विरेन्द्र कुमार सिंह, रजी अहमद, निजामुद्दीन अंसारी, मकसुद आलम, सुखदेव प्रसाद यादव, राम सेवक सोनी, लखराज सिंह, बाबर अंसारी महासचिव दिलीप कुमार रवि, जावेद इकबाल रवि शंकर अकेला, संजय सिंह, संजय कुमार यादव, राकेश सिंह, रविन्द्र गुप्ता, जयप्रकाश यादव, विजय कुमार सिंह, सेवालाल महतो, अब्बास अंसारी, असगर अली, ब्रजकिशोर मेहता, देवकी महतो, कोमल कुमारी, अभिषेक राज, दीपक कुमार गुप्ता, ओमप्रकाश पासवान, मोहम्मद जाविर, मनोज नारायण भगत, अनिल कुमार राय, मोजीम अंसारी, गुड्डू सिंह, मुकेश पासवान, धीरज सिंह, ज्ञानी प्रसाद मेहता, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, रंजीत यादव, रिंकू कुमार, बेबी देवी, कृष्णा किशोर प्रसाद, सुषमा कुमारी, प्रखंड अध्यक्षों नरसिंह प्रजापति, अब्दुल मनान वारसी, सुरेन्द्र यादव, गोवर्धन गंझू, अजय यादव, गुरू प्रसाद साव, मौलाना मोनाजिर, हेलाल अख्तर, भानू प्रताप सिंह, कांति देवी, संगीता कुमारी, सोनी मेहता, चितरंजन गुप्ता, मनोज मेहता, रीता देवी, गीता देवी, सुनिता देवी, मुनिता देवी, इरम फातिमा, रेश्मा खातून, विशेश्वर स्वर्णकार, रेवाली पासवान, अफताब आलम, अशरफ अली, बहादुर सागर, गुलाब राम, अजय कुमार सिंह, प्रभू गोप, चोलेश्वर महतो, उत्तम महतो, केदार यादव, पुरन गोप, बिनोद कुमार, किशन कुमार, आन्नद कुमार, अर्जुन कुमार, राहुल कुमार, मनोज पासवान, अनिल कुमार भुईंया, मुस्ताक अंसारी, बाबु खान, भैया असीम कुमार, आरिफ अंसारी, संतोष रजवार, बैजू गहलोत, प्रकाश विश्वकर्मा, छोटी राम भुईंया, अरूण कुमार, राहुल कुमार, साहिल करमाली, सैफ अली, जमाल शगीर, विकास कुमार, नरेश कुमार, सुनिल साहू, मतीन अंसारी, विकास साहु, अभिजीत सिंह, अभय नाथ पाण्डेय, नवीन सिंह, बब्लू सिंह, मिथिलेश कुमार मेहता, आलोक कुमार सिंह के अतिरिक्त सैकड़ो छात्र छात्रओं ने धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम भाग लिया ।

एक नजर

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर चौपारण में बीएलओ-बीएलए की बैठक

नवप्रदेश/चौपारण। केबीएसएस उच्च विद्यालय, चौपारण में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं बीएलए-2 की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष (भाग-1) शारिक अख्तर उर्फ भून्नु ने की। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष उपेंद्र यादव उर्फ गुलाबी यादव, अभिमन्यु प्रसाद भगत, पर्यवेक्षक रेवाली पासवान, बीरबल साहू सहित कई जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। उन्होंने बीएलओ और बीएलए-2 से घर-घर जाकर अभियान चलाने, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने तथा मृत या स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ किया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे।

18 दिनों में 1600 किमी की पदयात्रा, जगन्नाथ धाम पहुंचने वाले हैं सिंघरावां के मोहन

नवप्रदेश/चौपारण। आस्था, दृढ़ संकल्प और अटूट विश्वास का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए चौपारण प्रखंड के सिंघरावां निवासी मोहन कुमार पिछले 18 दिनों से लगातार पैदल तीर्थयात्रा पर हैं। अब तक वे करीब 1600 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं और भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए ओडिशा के पुरी पहुंचने वाले हैं। मोहन कुमार ने बताया कि उनकी यात्रा का आज 18वां दिन है। उन्होंने अपनी पदयात्रा की शुरूआत सिंघरावां से की थी। सबसे पहले पश्चिम बंगाल स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां तारापीठ में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वे लगातार पैदल यात्रा करते हुए भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी की ओर बढ़ते रहे। उन्होंने बताया कि पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के बाद भी उनकी यात्रा समाप्त नहीं होगी। वहां से वे पैदल ही विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर तक पहुंचने का संकल्प लेकर आगे बढ़ेंगे। यात्रा के दौरान पुरी से करीब 10 किलोमीटर पहले सड़क पर उनकी मुलाकात संयोगवश चौपारण के पत्रकार विजय मधेशिया एवं अन्य लोगों से हुई। अपने क्षेत्र के लोगों को अचानक सामने देखकर मोहन भावुक हो गए। वहीं पत्रकार विजय मधेशिया और उनके साथियों ने मोहन की कठिन तपस्या, अटूट आस्था और साहस की सराहना करते हुए उनकी सफल एवं मंगलमय तीर्थयात्रा की शुभकामनाएं दीं। मोहन कुमार की यह पदयात्रा पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। उनकी श्रद्धा, अनुशासन और दृढ़ निश्चय लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में भी अपने संकल्प पर अडिग रहकर मोहन ने यह साबित कर दिया कि सच्ची आस्था और मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पेपर लीक के विरोध में झामुमो का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कोडरमा जिला समिति ने गुरुवार को जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय के नेतृत्व में केंद्र सरकार की शिक्षा नीति और कथित पेपर लीक मामलों के विरोध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। कार्यकर्ता झुमरी तिलैया के ब्लॉक रोड से जुलूस निकालते हुए झंडा चौक पहुंचे, जहां पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने केंद्र की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग की। जिला प्रवक्ता वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है और उनमें निराशा का माहौल है। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। कार्यक्रम में चंद्रदेव यादव, उमेश यादव, इरफान अंसारी, मोहम्मद अशरफ, दीपक विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डोमचांच CO पर भ्रष्टाचार के आरोप, 27 जुलाई को धरने की तैयारी, SDO से मांगी अनुमति

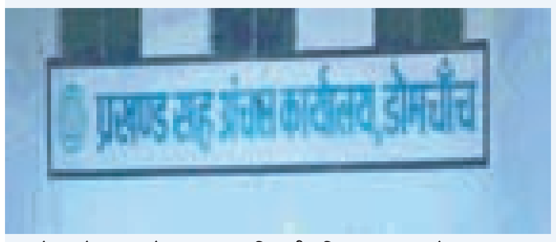

नवप्रदेश/कोडरमा। डोमचांच अंचलाधिकारी रविन्द्र कुमार पाण्डेय पर भ्रष्टाचार और आम लोगों से कथित रूप से अवैध वसूली के आरोप लगाते हुए स्थानीय नागरिकों ने अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन सौंपकर एकदिवसीय धरने की अनुमति मांगी है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ऑनलाइन जमीन चढ़ाने, दाखिल. खारिज सहित सामान्य राजस्व कार्यों के लिए भी लोगों को दलालों के माध्यम से मोटी रकम देनी पड़ती है। साथ ही कुछ भू-माफियाओं से साठगांठ कर गलत तरीके से कार्य कराने का भी आरोप लगाया गया है। इन आरोपों के विरोध में 27 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक डोमचांच अंचल कार्यालय परिसर में शांतिपूर्ण धरना प्रस्तावित है। आवेदन पर संजय मेहता, मनोज रजक, अंगलाल मेहता, जीतू कुमार, विक्रम मेहता, सोनू कुमार सहित कई स्थानीय लोगों के हस्ताक्षर हैं।

दिव्यांग बोर्ड शिविर में 5 लोगों को मिला दिव्यांगता प्रमाण पत्र

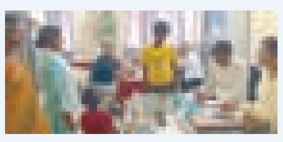

नवप्रदेश/कोडरमा। सदर अस्पताल कोडरमा में गुरुवार को आयोजित दिव्यांग बोर्ड शिविर में कुल 11 मरीजों की जांच की गई। चिकित्सीय परीक्षण के बाद 5 लोगों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया। इनमें 2 अस्थि दिव्यांग, 1 सेरेब्रल पाल्सी एवं 2 मानसिक दिव्यांगता श्रेणी के लाभार्थी शामिल हैं। वहीं गूंगा. बहरा श्रेणी के 4 आवेदकों को सुनने की क्षमता की विस्तृत जांच के लिए सदर अस्पताल में ऑडियोलॉजिस्ट के पास भेजा गया। शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. रमण कुमार, जिला बीबीडी पदाधिकारी सह फिजिशियन डॉ. मनोज कुमार, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रेमनाथ सिंह, ऑडियोलॉजिस्ट मनोज कुमार, कार्यालय सहायक अजीत कुमार तथा अनीश कुमार उपस्थित रहे।

राजकीय मध्य विद्यालय बिचारिया नईटांड़ में प्रबंधन समिति का पुनर्गठन

नव प्रदेश संवाददाता/ मरकच्चो। प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय बिचरिया नईटांड़ में गुरुवार को पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित शिक्षक विद्या सागर पासवान के देखरेख में प्रबंधन समिति का किया गया पुनर्गठन। जिसमें विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के रूप में कुंदन शर्मा और उपाध्यक्ष के रूप में चिंता देवी का चयन किया गया। चयन सर्व समिति से सभी 20 सदस्यों ने किया। इस मौके पर तेलोडीह पंचायत के मुखिया टिफिन पासी, पंचायत समिति सदस्य दीपक राम, पूर्व मुखिया तेलोडीह पंचायत मनिंदर राम, प्रधानाध्यापक अर्जुन महतो, शिक्षक सुनील साव, सीताराम रजक, महेश यादव, धनेश्वर यादव एवं अन्य गणमान्य अभिभावक गण उपस्थित रहे।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होगा बर्दाश्त, दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा : सम्राट चौधरी

नवप्रदेश/पटना। टएळ पेपर लीक और छात्रों के मुद्दे पर बिहार की राजनीति गरमा गई है। इस बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट कहा कि युवाओं के सपनों और भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पेपर लीक जैसे मामलों में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया पोस्ट को साझा करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उनके भविष्य के साथ अन्याय करने वालों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इधर, छात्रों के मुद्दे को लेकर गुरुवार को बिहार विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए छात्रों के हितों की रक्षा की मांग की, जबकि सरकार ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दोहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सीएचसी में एएनएम एवं स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बैठक, दिए कई दिशा निर्देश

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर सौरव प्रकाश के अध्यक्षता में सभी एएनएम एवं सी एच ओ की बैठक की गई. बैठक में शामिल सभी को टीवी स्क्रीनिंग, एन सी डी स्क्रीनिंग एवं आर सी एच इंट्री, भव्या पोर्टल, इंस्टीट्यूशनल डिलेवरी से संबंधित निर्देश दिए गए. मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक मोहम्मद इरफान खान, स्वास्थ्य समन्वयक धनंजय कुमार सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, सोनू कुमार के साथ ही सभी एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे।

पारिवारिक विवाद में विवाहिता ने की आत्महत्या

नवप्रदेश/बेतिया। विवाहिताओं का आत्महत्याकरने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है,विविधता भी स्थिति विशेष मेंआत्महत्या करने पर मजबूर हो जा रही है।दहेज प्रताडना,पति- पत्नी विवाद,सास,ननद बहु विवाद,पति प्रेमप्रसंग का विवाद इत्यादिअनेक विवादों में उलझने के कारण विवाहिता आत्महत्या करने पर मजबूर हो जा रही है। इसी क्रम में संवाददाता को पता चला है कि,बलथर थाने के छोटका धनकोटवा गांव में पारिवारिक विबाद में विवाहिताआशा देवी, उर्फ लक्खी देवी,उम्र 20 वर्ष फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृतिका राजेश्वर बैठा उर्फ भागड बैठा की पत्नी बताई गई। उसका पति चंडीगढ़ में मजदूरी का काम करता है। घटना के बाद ग्रामीण, परिजन घर छोड़कर फरार हो गए,पुलिस को विवाहिता का नाम,पता की जानकारी लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।थानाअध्यक्ष,ओमप्रकाश सिंह ने संवाददाता को बताया कि घटना स्थल पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि घर पर सास लालपरी देवी, ससुर,प्रमोद बैठा,अपनी बेटियों के साथ धान की रोपनी करने खेत में चले गए थे,शाम में जब घर पहुंचे तो विवाहित आशा देवी,फूस के घर में लगे बांस से साड़ी से लटका देखा शोर मचाने लगे।घटना के बाद घर वाले और पड़ोसी इधर छोड़कर फरार हो गए थे।

पानी के छींटे से शुरू हुआ विवाद, बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली

नवप्रदेश/मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र के जजवार गांव में मामूली कहासुनी खूनी वारदात में बदल गई। बाइक से पानी का छींटा पड़ने को लेकर हुए विवाद के बाद बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। घायल युवक की पहचान जजवार निवासी आशीष कुमार ठाकुर के रूप में हुई है, जिसका एसकेएमसीएच में इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि आशीष कुमार ठाकुर मुंबई में नौकरी करता है और करीब एक माह पहले अपने घर आया था। घटना के दिन वह बाइक से अपने एक दोस्त को लेने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बाइक से पानी का छींटा पड़ने पर कुछ युवकों से उसकी कहासुनी हो गई। आशीष ने बताया कि उसने तुरंत माफी मांग ली थी और वहां से आगे बढ़ गया।आरोप है कि इसके बावजूद बदमाशों ने उसका पीछा किया। बारिश के कारण रास्ते में उसका पैर फिसल गया और वह गिर पड़ा। इसी दौरान आरोपियों ने उस पर गोली चला दी और मौके से फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार हमलावर दो अपाचे बाइक पर सवार थे, जिनमें एक नीले और दूसरी लाल रंग की थी। उनकी उम्र करीब 21 से 22 वर्ष बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कटरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

छपरा में गणित शिक्षक गिरफ्तार: नाबालिग छात्रा से अश्लील चैटिंग और छेड़खानी का आरोप

नवप्रदेश/छपरा। बिहार के छपरा शहर के एक निजी विद्यालय में कार्यरत गणित शिक्षक पर नाबालिग छात्रा से छेड़खानी, सोशल मीडिया के माध्यम से अश्लील चैटिंग करने और आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने का गंभीर आरोप लगा है। घटना सामने आने के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही भगवान बाजार थाना पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार शिक्षक की पहचान इमाम राजा के रूप में हुई है। वह सारण जिले के इसुआपुर थाना क्षेत्र के असांव गांव का निवासी बताया जा रहा है और वर्तमान में छपरा शहर के कटहरी बाग इलाके में किराये के मकान में रह रहा था। वह पिछले चार वर्षों से शहर के एक निजी विद्यालय में गणित शिक्षक के रूप में कार्यरत था।पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि आरोपी शिक्षक लंबे समय से पढ़ाई के बहाने छात्रा को परेशान कर रहा था। वह कथित तौर पर गणित में फेल करने की धमकी देकर छात्राओं पर दबाव बनाता था और उनका मोबाइल नंबर लेकर इंस्टाग्राम व व्हाट्सएप पर अश्लील संदेश तथा आपत्तिजनक तस्वीरें भेजता था। छात्रा द्वारा विरोध करने पर उसे डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया गया है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी विद्यालय में अपना नाम केवल ‟राजा‟ बताता था, जिससे उसकी वास्तविक पहचान कई लोगों को नहीं थी। उनका कहना है कि करीब एक माह पहले छात्रा ने विद्यालय के प्राचार्य से भी शिक्षक की शिकायत की थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिक्षक कुछ छात्राओं को अकेले में अपने निजी कमरे में बुलाता था और अनुचित व्यवहार करता था। हालांकि, इस संबंध में पुलिस जांच कर रही है।

विवाहिता का संदेहास्पद स्थिति में मौत

नवप्रदेश/नौतन। थाना क्षेत्र के डबरिया डबरिया वार्ड नंबर सात में तारकेश्वर राम की पत्नी गुड़िया देवी तीस वर्ष का शव फंदे से मिला लटका मिला। घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार विवाहिता का किसी बात को लेकर विवाद परिजनों से चल रहा था।जहां आये दिन मारपीट व लड़ाई झगड़े होते रहता था। बुधवार की देर रात सभी लोग सो गए। गुरुवार की सुबह जब घर के दो मंजिला पर परिजनों ने देखा तो विवाहिता फंदे से लटक रही थी।घटना की जानकारी जब गांव वालों को लगी तो पुरे गांव में आग की तरह फैल गई।जिसकी सुचना विवाहिता के मायके मछरगावां पहुंची। जहां मृतिका के पिता शिवपुजन राम अपने परिवार के सदस्यों के साथ डबरिया पहुंचे।तथा इसकी सुचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को अंतपरिक्षण के लिए बेतिया भेजा।घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।तथा ससुराल पक्ष के सभी लोग घर छोड़ फरार हो गये है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने बताया कि इस मामले में पुलिस को अभी आवेदन नहीं मिला है।

पत्रकारों को फिर मिले 50% रेल किराया रियायत!

बिहार विधान परिषद में गूंजा मुद्दा, केंद्र को भेजा जाएगा प्रस्ताव

नवप्रदेश/पटना। पत्रकारों को भारतीय रेलवे में मिलने वाली 50 प्रतिशत किराया रियायत को दोबारा लागू कराने की मांग अब बिहार विधान परिषद से केंद्र सरकार तक पहुंच गई है। बुधवार को बिहार विधान परिषद में इस विषय पर गैर-सरकारी संकल्प प्रस्तुत किया गया, जिसे सदन की सहमति मिलने के बाद राज्य सरकार ने केंद्र को अनुशंसा भेजने का निर्णय लिया। सरकार की ओर से जवाब देते हुए बिहार के परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने कहा कि सदन द्वारा पारित इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा, ताकि पत्रकारों को रेलवे किराए में मिलने वाली 50 प्रतिशत रियायत की सुविधा पुनः बहाल की जा सके। राष्ट्रीय जनता दल के विधान पार्षद अशोक कुमार पांडे ने संकल्प प्रस्तुत करते हुए कहा कि पत्रकारों को लगभग 45 वर्षों से यह सुविधा मिल रही थी। वर्ष 2009-10 के रेल बजट में तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी ने इस रियायत को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया था। इसके बाद वर्ष 2016-17 में रेलवे ने मान्यता प्राप्त पत्रकारों को रियायती पास पर ई-टिकट बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई थी। लेकिन मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान यह सुविधा बंद कर दी गई, जिसे आज तक बहाल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को लगातार यात्रा करनी पड़ती है, ऐसे में इस रियायत का बंद होना उनके लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। इसलिए इसे जल्द से जल्द पुनः लागू किया जाना चाहिए। इस अवसर पर प्रेस मेंस वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार मिश्रा, सचिव दया शंकर तिवारी और संगठन सचिव बाल कृष्ण ने संयुक्त रूप से खुशी जताते हुए कहा कि यह उनकी लंबे संघर्ष की पहली बड़ी सफलता है।

उन्होंने कहा कि जब तक पत्रकारों को रेलवे रियायत संबंधी आदेश जारी नहीं हो जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विधानसभा में भारी हंगामा, सत्ता-विपक्ष आमने-सामने

नवप्रदेश/पटना। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज के मुद्दे पर सदन में जोरदार हंगामा हुआ। विपक्ष और सत्तापक्ष के विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक इतनी बढ़ गई कि हाथापाई की नौबत आ गई।

स्थिति बिगड़ते देख विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। उन्होंने कहा कि ‟सदन कोई युद्ध का मैदान नहीं है। कार्यवाही शुरू होने से पहले राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायक विधानसभा परिसर में धरने पर बैठे और पटना में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी विधायक पोस्टर लेकर वेल में पहुंच गए और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे।

इस दौरान सत्तापक्ष के कुछ विधायकों की ओर से प्रदर्शनकारी छात्रों के लिए कथित तौर पर ‟गुंडा‟ शब्द के इस्तेमाल पर विपक्ष भड़क गया। दोनों पक्षों के विधायक आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे की ओर बढ़ने लगे। माहौल तनावपूर्ण होने पर मार्शलों ने बीच-बचाव किया और स्थिति को नियंत्रित किया।हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही 10 मिनट भी नहीं चल सकी। गुरुवार को कई विभागों के बजट और लगभग 55 विषयों पर चर्चा प्रस्तावित थी, लेकिन शोर-शराबे के कारण कोई भी कार्यवाही नहीं हो सकी।सदन स्थगित होने के बाद विपक्षी नेताओं ने सरकार पर छात्रों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार नीट समेत अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने में विफल रही है और जब छात्र अपने अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें ‟गुंडा‟ कहा जाता है। विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए सरकार की कड़ी आलोचना की।

शरीर नश्वर है किंतु आत्मा अजर अमर है : राघवाचार्य महाराज

नवप्रदेश/मधुबनी। बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पं०भरत उपाध्याय ने बताया कि मेरे पूर्व प्रधानाचार्य पंडित सुधाकर मिश्र जी के निवास स्थान चन्द्रौटा में श्रीमद् भागवत कथा महायज्ञ में परम पूज्य जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के श्रीमुख से अमृत कथा में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आजकी कथा में श्रेष्ठ विद्वान राघवाचार्य जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण से मनुष्य के जीवन का कल्याण होगा। मनुष्य प्रत्येक क्षण को मूल्यवान मानते हुए यदि सत्य, प्रेम, सेवा और परिश्रम को अपना जीवन मंत्र बना ले! तो उसका जीवन स्वयं के लिए आनंद का स्रोत और समाज के लिए प्रेरणा का प्रकाश स्तंभ बन जाएगा! भगवत गीता के अनुसार शरीर नश्वर है किंतु आत्मा अजर, अमर और अविनाशी है। इसलिए जीवन का वास्तविक लक्ष्य केवलै भौतिक सुख सुविधाओं का संग्रह नहीं! बल्कि आत्मज्ञान सत्य करूणा और धर्म के मार्ग पर चलकर अपने वास्तविक स्वरूप का बोध प्राप्त करना है। इस अवसर पर डॉ वेद प्रकाश मिश्र, प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता मिश्रा, रजनीकांत मिश्र, दिनेश कुमार गुप्ता, डॉ बालमुकुंद मिश्र, महेश मिश्र, चितरंजन तिवारी, दिनेश पति त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों एवं हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्कूल के गेट पर कूड़े का पहाड़, बदबू के बीच पढ़ रहे नौनिहाल

बारिश में कचरा सड़ने से संक्रमण का खतरा

नवप्रदेश/कोईलवर (भोजपुर)। कोईलवर प्रखंड के कायमनगर उर्दू विद्यालय के मुख्य द्वार पर जमा कचरे का ढेर बच्चों की सेहत और स्वच्छता व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़ा कर रहा है। विद्यालय में प्रवेश करने वाले छात्र-छात्राओं को रोजाना कूड़े, जलजमाव और सड़ांध के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। बारिश के बाद कचरा सड़ने से उठ रही तेज दुर्गंध ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। जिस विद्यालय के परिसर में बच्चों को स्वच्छ वातावरण में शिक्षा मिलनी चाहिए, उसके मुख्य द्वार पर ही गंदगी का अंबार लगा है। कई दिनों से कचरा जमा रहने के कारण विद्यालय के आसपास मक्खियों और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे डेंगू, मलेरिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। छोटे-छोटे बच्चों को इसी गंदगी के बीच से होकर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है। कचरे से उठ रही बदबू का असर विद्यालय के शैक्षणिक माहौल पर भी पड़ रहा है। छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक और स्थानीय लोग भी इससे परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरा उठाव की नियमित व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यालय के मुख्य द्वार के सामने कूड़े का ढेर लगातार बढ़ता जा रहा है। आसपास के दुकानदार भी यहां कचरा फेंक देते हैं। लोगों का कहना है कि विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान के प्रवेश द्वार पर पसरी गंदगी जिम्मेदार विभागों की स्वच्छता व्यवस्था की पोल खोल रही है। बारिश के मौसम में कचरा और जलजमाव संक्रमण फैलने का कारण बन सकता है। इसके बावजूद कई दिनों से सफाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। नागरिकों ने पंचायत और संबंधित अधिकारियों से तत्काल कचरा हटाने और नियमित सफाई की व्यवस्था कराने की मांग की है। कायमनगर पंचायत के स्वच्छता पर्यवेक्षक गणेश पाठक ने बताया कि विद्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित है। आसपास के दुकानदार कचरा फेंक देते हैं। मामले की जांच कर जल्द सफाई कराई जाएगी। प्रखंड स्वच्छता पर्यवेक्षक संतोष कुमार ने बताया कि विद्यालय के आसपास दुकानदारों द्वारा कचरा फेंका जाता है। समय-समय पर सफाई कराई जाती है।

युवक की गला रेतकर हुई निर्मम हत्या, शव के पास मिला धारदार चाकू

नवप्रदेश/बेतिया। स्थानीय मनुआपुलथाना क्षेत्र में एक युवक की गला रेतकर निर्मम हत्या हो जाने से सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान,असलम हुसैन,उम्र 20वर्ष,पिता, जाकिर हुसैन के रूप में की गई है। मृतक गौनाहा थाना क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है।बेतिया मेंअपने नाना के घर मेहंदियाबारी में रहता था।श्रीनगर के सरकारी विद्यालय के पास सड़क के किनारे लहूलहान स्थिति में पड़ा हुआ मिला, मृतक राजमिस्त्री का काम करता था,वह प्रेम विवाह किया हुआ था,जोअपने नाना के घर रहकर मिस्त्री का काम करता था।परिजनों मैं संवाददाता को बताया किअभी हाल ही मे उसकी शादी,प्रेम विवाह से हुई थी।लड़की के परिवार वाले इस विवाह से खुश नहीं थे,इसके पहले भी कई बार उसके साथ मारपीट की गई थी,इस कारण उसका हाथ टूट गया था घटना की सूचना मिलते ही मनुआपुल थाना प्रभारी, रवि कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे,इसके बाद फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने हेतु जांच शुरू कर दी।पुलिस ने संवाददाता को बताया कि मृतक के शव के पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ है।प्रारंभिक जांच में युवक की चाकू गोद कर, गला रेतकर हत्या किए जाने की बात सामनेआई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया सरकारी मेडिकल कॉलेजअस्पताल कर जांच में जुड़ गई है,पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है।पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है,घटना के कारणों के साथ-साथआरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मृतक के पिता ने संवाददाता को बताया कि यूपी के पिता मैनुद्दीन खान भाई शाहिद खान उर्फ धोनी औरअन्य परिजनों ने मिलकरअसलम चाकू से गोदकर,गला कर हत्या कर दी है,उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है, साथ ही दोषियों को गिरफ्तार कर सजा देने की मांग की है।

एक नजर

छात्र आंदोलन पर बल प्रयोग लोकतंत्र के लिए खतरा, केंद्र सरकार तानाशाही रवैया छोड़ें: संतोष

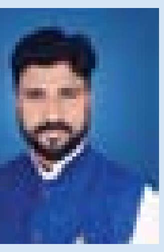

नवप्रदेश/सासाराम। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के बिहार प्रदेश मुख्य जोन प्रभारी एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी संतोष कुमार ने छात्र आंदोलनों पर बल प्रयोग को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में छात्रों के बुनियादी मुद्दों को लेकर किए जा रहे शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और यह तानाशाही प्रवृत्ति का परिचायक है। संतोष कुमार ने कहा कि दुनिया के इतिहास में कोई भी शासक तानाशाही के बल पर लंबे समय तक टिक नहीं सका। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर ने सभी समुदायों, महिलाओं, छात्रों और अल्पसंख्यकों को समान अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान की है, जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जब देश के शिक्षा मंत्री की बेटी विदेश में पढ़ती हो तो उन्हें देश के छात्रों के भविष्य की चिंता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं के समाधान के बजाय सरकार अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने में लगी हुई है। बसपा नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री छात्रों की समस्याओं पर संवाद स्थापित करने के बजाय उनके साथ कठोर रवैया अपना रहे हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है।

भाजपा नेता डॉ.मनीष पर हुए जानलेवा हमले की एनडीए कार्यकर्ताओं ने की कड़ी निंदा

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। बिहार के पटना में दो अलग-अलग हिंसक घटनाओं के दौरान भाजपा कार्यकताओं और विधायकों पर उग्र छात्रों के भीड़ ने जानलेवा हमला कर उन्हें निशाना बनाया। इसी क्रम में बुधवार को शाम करीब 6 बजे घटित घटना में नीट पेपर लीक के विरोध में वामपंथी छात्र संगठन (आईसा) ने नीट छात्रों के साथ उग्र प्रदर्शन करते हुए आयकर विभाग बेली रोड़ स्थित भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह काराकाट विधानसभा नेता डॉ.मनीष रंजन की गाड़ी पर पथराव और जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान सैकड़ों झुंड में छात्रों ने भाजपा नेता उसके ड्राइवर के उपर छड़ के रड़ से पिटाई भी किया। जिस घटना में बैलेनू गाड़ी को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। लेकिन घायल अवस्था में भी काराकाट विधानसभा भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन के जख्मी चालक गुडु यादव ने आनन-फानन में गाड़ी को वहां से हाई कोर्ट परिसर में भगाते हुए गाड़ी में सवार अन्य लोगों सहित अपनी जान बचाई। जबकि गाड़ी में सवार करीब तीन लोगों ने राजकीय औषधालय हाई कोर्ट अस्पताल में पहुंच चिकित्सक द्वारा अपना प्राथमिक उपचार कराया। जहां इलाज कर रहें डॉक्टरो ने सभी जख्मी लोगों को खतरे से बाहर बताया। दूसरी तरफ इस हमले की सूचना मिलते ही भाजपा और एनडीए समर्थित कार्यकताओं ने कड़ी निंदा व्यक्त करते हुए बताया कि यह महागठबंधन के राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के राजनीतिक कार्यकताओं ने छात्रों के आंदोलन की आड़ में घुसकर उपद्रव फैलाया। जिसके लिए कोचिंग छात्रों और असामाजिक तत्वों को भड़काने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप्स और सैकड़ों कंटेंट क्रिएटर्स का सहारा लेते हुए भीड़ जुटाकर हिंसा भड़काई गयी है। जिस घटना को अंजाम देने के लिए बिहार में महागठबंधन की सोची समझी साजिश थी। हालांकि इस घटना मामलें में स्थानीय पुलिस एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को चिन्हित करने में जुट गई है।

सुगौली में देसी कट्टा के साथ दो युवक गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज

नवप्रदेश/मोतिहारी/सुगौली। पूर्वी चंपारण के सुगौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए देसी कट्टा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर बेलईठ गांव में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपितों को पकड़ लिया और उनके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया।थानाध्यक्ष अनिश कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि बेलईठ गांव में दो युवक अवैध हथियार लहराकर लोगों में दहशत फैला रहे हैं। पुलिस टीम के पहुंचते ही दोनों युवक भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया।गिरफ्तार युवकों की पहचान नौवाडीह वार्ड संख्या-3 निवासी 19 वर्षीय रोहित कुमार और 20 वर्षीय सूरज कुमार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान रोहित कुमार की कमर से एक देसी कट्टा बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।बुधवार को सदर डीएसपी दिलीप कुमार सिंह ने सुगौली थाना पहुंचकर मामले की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बरामद हथियार की जांच कराई जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि हथियार कहां से लाया गया तथा उसका इस्तेमाल किन घटनाओं में किया गया। पुलिस आरोपितों के आपराधिक इतिहास और अन्य मामलों में संभावित संलिप्तता की भी जांच कर रही है। अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

टीबी मुक्त भारत अभियान को मिली रफ्तार, पश्चिम चम्पारण में 183 मरीजों को मिली पोषण पोटली

नवप्रदेश/बेतिया। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पश्चिम चम्पारण जिले में गुरुवार को 183 टीबी मरीजों के बीच पोषण पोटली का वितरण किया गया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने मझौलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में 14 मरीजों को स्वयं पोषण पोटली प्रदान कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।इस दौरान डीएम ने कहा कि टीबी पूरी तरह उपचार योग्य बीमारी है। नियमित दवा, पौष्टिक आहार और चिकित्सकीय निगरानी से मरीज जल्द स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने मरीजों को दवा का पूरा कोर्स करने, प्रोटीनयुक्त भोजन लेने और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या पर तुरंत चिकित्सकों से संपर्क करने की सलाह दी। डीएम ने कहा कि टीबी संक्रमण की रोकथाम के लिए मरीज के परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच कराना आवश्यक है। साथ ही मास्क का उपयोग, खांसते-छींकते समय सावधानी और स्वास्थ्य विभाग के निदेशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी टीबी मरीजों का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए, दवा सेवन की लगातार निगरानी हो तथा उपचार के दौरान आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, सिविल सर्जन डॉ. विजय कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं चिकित्सक मौजूद रहे।

पिपरासी थाना का एसपी ने किया औचक निरीक्षण, लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

नवप्रदेश/बगहा। बगहा पुलिस जिला के पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को पिपरासी थाना का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण एवं लंबित मामलों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने के विभिन्न अभिलेखों, लंबित कांडों, थाना परिसर की साफ-सफाई तथा अनुसंधान कार्यों का गहन जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन पर विशेष बल देते हुए पुराने मामलों का शीघ्र निपटारा करने का निर्देश दिया। साथ ही थाना अभिलेखों एवं संचिकाओं का सुव्यवस्थित रख-रखाव सुनिश्चित करने तथा अनुसंधान की गुणवत्ता बनाए रखते हुए समयबद्ध कार्रवाई करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना स्तर पर पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के साथ शालीन एवं सम्मानजनक व्यवहार पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त खबरें

कनॉट प्लेस की सभी दुकानों को बंद करने की अपील

नई दिल्ली। नई दिल्ली व्यापार संगठन (एनडीटीए) ने गुरुवार को कनॉट प्लेस की सभी दुकानों और दफ्तरों को गंभीर हालात के कारण गुरुवार शाम 6.30 बजे तक बंद करने की अपील की। संगठन का कहना है कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष केशव चंद्रा और उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने टेलीफोन से इसकी सलाह दी है। नई दिल्ली व्यापार संगठन (एनडीटीए) ने आदेश जारी कर कहा कि कनॉट प्लेस की खराब स्थिति के कारण से सभी दुकानों, रेस्टोरेंट और दफ्तरों को 6.30 बजे बंद कर दिया जाए। संगठन ने सभी व्यापारियों और संचालको से पूर्ण सहयोग की अपील की है ताकि किसी भी प्रकार के नुकसान से बचा जा सकें।

प्रधानमंत्री ने गुजरात में भारी बारिश को लेकर मुख्यमंत्री को दिया हरसंभव सहायता का आश्वासन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से टेलीफोन पर बातचीत कर हालात की जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। गुजरात सरकार के सूचना विभाग के अनुसार, प्रधानमंत्री ने राज्य में लगातार हो रही भारी वर्षा के बीच राहत और बचाव कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा कहा कि प्रभावित लोगों की सहायता और सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराएगी। इस बीच मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बातचीत कर राज्य में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी। गृह मंत्री शाह ने गुजरात को इस संबंध में हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

छात्रों के प्रदर्शन पर अन्ना हजारे ने केंद्र से संवाद की अपील की

अहिल्यानगर। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन पर केंद्र सरकार से संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाने के बजाय उससे बातचीत की जानी चाहिए और जवाबदेही तय करना ही सुशासन की पहचान है।महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में गुरुवार को अन्ना हजारे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे छात्रों के समर्थन में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक दो घंटे का मौन आंदोलन किया। इसके बाद वे अपने गांव रालेगण सिद्धि के लिए रवाना हो गए। इससे पहले बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में हजारे ने दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और कथित पुलिस कार्रवाई को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में टकराव नहीं, बल्कि संवाद सबसे प्रभावी समाधान है।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके की तबीयत खराब

नई दिल्ली। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके की गुरुवार को तबीयत खराब हो गयी। उनको तेज बुखार है। यह जानकारी खुद दीपके ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए दी। दीपके ने लिखा, "पिछले कुछ दिनों से मुझे बुखार और शरीर में तेज दर्द है लेकिन अभी तक दर्द की दवा लेकर मैं काम चला रहा हूं। अगर आज आप मुझे जंतर-मंतर पर न देख पाएं तो माफ कीजिएगा। मुझे ठीक होने के लिए कुछ घंटे आराम करने की जरूरत है। शाम तक मैं विरोध-प्रदर्शन वाली जगह पर वापस आ जाऊंगा।

सिक्किम सुरंग त्रासदी के बाद चार दिन चला खोज एवं बचाव अभियान समाप्त, सभी 25 शव बरामद

नाम्ची। नाम्ची जिले के झोलुंगे अंतर्गत समरदुंग में निमार्णाधीन नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉपोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की सुरंग में पिछले चार दिनों से चलाया जा रहा खोज एवं बचाव अभियान गुरुवार को समाप्त हो गया। सुरंग से सभी 25 पीड़ितों के शव बरामद कर लिए गए हैं। नाम्ची जिला प्रशासन के अनुसार आज के बचाव अभियान के दौरान तीन और शव बरामद किए गए। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की कुल संख्या 25 हो गई। इसके बाद बचाव दल ने सुरंग का विस्तृत निरीक्षण किया और लापता सभी श्रमिकों के विवरण का मिलान करने के बाद पुष्टि की कि अब सुरंग के भीतर कोई भी व्यक्ति फंसा नहीं है। मृतकों में एनएचपीसी लिमिटेड, एआरएक्स और पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हैं। वे भारत के 10 राज्यों के निवासी थे, जिनमें पश्चिम बंगाल के 11, झारखंड के 4, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के 2-2 तथा केरल, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, पंजाब और असम के 1-1 व्यक्ति शामिल हैं।

नेपाल में शिक्षा मंत्री के खिलाफ विश्वविद्यालय में प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

काठमांडू। नेपाल के शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल के खिलाफ आज विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। नारेबाजी और प्रदर्शन करने वाले पांच लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। शिक्षा मंत्री पोखरेल गुरुवार को विश्वविद्यालय के 67वें वार्षिक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कीर्तिपुर पहुंचे थे। इसी दौरान कार्यक्रम स्थल के बाहर मंत्री पोखरेल के खिलाफ नारेबाजी कर रहे पांच लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। काठमांडू जिला पुलिस परिसर के एसपी पवन कुमार भट्टराई ने इसकी पुष्टि की। प्रदर्शन में शामिल युवा श्नेपो बेबी मुदार्बादश् और श्मेरिटोक्रेसी लागू करोश् जैसे नारे लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही अन्य शीर्ष नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को याद किया। नेताओं ने कहा कि आजाद का जीवन त्याग, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करत हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के एक चमकते हुए प्रतीक के रूप में, उन्होंने असाधारण साहस और देश के प्रति अटूट निष्ठा का उदाहरण पेश किया। उनके जीवन ने अनगिनत युवा भारतीयों को मातृभूमि की सेवा के लिए खुद को समर्पित करने की प्रेरणा दी। उनकी अमिट विरासत पीढ़ियों तक देशभक्ति की भावना को जगाती रहेगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चंद्रशेखर आजाद को भावपूर्ण नमन करते हुए कहा कि देश के लिए समर्पित उनका संपूर्ण जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद ने मातृभूमि की स्वतंत्रता को ही अपने जीवन का एकमात्र लक्ष्य बनाया और अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन के माध्यम से आजाद ने ब्रिटिश हुकूमत को स्पष्ट संदेश दिया कि देश के संसाधनों पर अधिकार केवल देशवासियों का है। अमित शाह ने यह भी कहा कि आजाद ने क्रांतिकारियों की ऐसी पीढ़ी तैयार की, जिसने विदेशी शासन की नींव हिला दी।

अनंतनाग हमले में पुलिसकर्मी की हत्या के बाद पूरे कश्मीर में हाई अलर्ट

श्रीनगर। अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार दोपहर को हुए आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की हत्या के बाद कश्मीर में सुरक्षा को लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा बल निगरानी बढ़ा रहे हैं, चेकपॉइंट्स को मजबूत कर रहे हैं और तलाशी अभियान चला रहे हैं।

इस बीच सीआरपीएफ के श्रीनगर सेक्टर ने कहा कि अनंतनाग में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे कश्मीर में सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखा गया है।कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षाबलों ने निगरानी बढ़ा दी है, चेकपॉइंट्स को मजबूत किया है और तलाशी अभियान शुरू किए हैं। नागरिकों से सतर्क रहने और सुरक्षाबलों का सहयोग करने की अपील की गई है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा आज श्रीनगर के लोक भवन में सुरक्षा स्थिति और अमरनाथ यात्रा की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

अनंतनाग के लाल चौक इलाके में आतंकवादियों ने कल दोपहर हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन को बहुत करीब से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी।

प्रधानमंत्री पेपर लीक की जिम्मेदारी लें : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार है कि सत्ता पक्ष के सांसद खुद संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह सरकार बेहद कमजोर है, जो संसद नहीं चला पा रही।

प्रियंका गांधी ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि युवाओं की जायज मांगों के लिए उन पर अत्याचार किया जा रहा है। लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रधानमंत्री हर उपलब्धि का श्रेय लेते हैं, चाहे मंगल ग्रह पर जाने का हो या ओलंपिक में पदक जीतने का, लेकिन पेपर लीक की जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते। पिछले 10 वर्षों में 152 पेपर लीक हुए हैं और एक भी दोषी को सजा नहीं मिली। इसका श्रेय भी उन्हीं को है। प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री ट्वीट करते हैं कि उन्हें बच्चों की चिंता है, लेकिन रात में उन्हीं बच्चों पर आंसू गैस छोड़ी जाती है और उन्हें पीटा जाता है। अगर मोदी जी हर उपलब्धि का श्रेय लेते हैं तो अब उन्हें जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। हजारों बच्चे सड़कों पर हैं, इंटरनेट बंद कर दिया गया है, उन पर लाठीचार्ज हो रहा है। अगर एक भी बच्चे को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की होगी।

प्रश्नपत्र चोरी, वितरण मामले में अब तक 45 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिलः सीबीआई

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बताया कि नीट (यूजी) 2024 प्रश्नपत्र चोरी मामले की विस्तृत जांच के दौरान संजीव कुमार उर्फ संजीव मुखिया की संलिप्तता का कोई साक्ष्य नहीं मिला है। प्रश्नपत्र चोरी और उसके वितरण में शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है तथा मामले में अब तक 45 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं।

सीबीआई ने गुरुवार को कहा कि वर्ष 2024 में बिहार पुलिस ने नीट (यूजी) परीक्षा का प्रश्नपत्र चोरी होने का मामला दर्ज किया था। उस समय प्रारंभिक संदेह के आधार पर संजीव कुमार उर्फ संजीव मुखिया को आरोपित बनाया गया था, क्योंकि उसका नाम अन्य परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामलों में सामने आया था। बाद में यह मामला जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया। जांच के दौरान प्रश्नपत्र चोरी, उसके वितरण और उससे लाभान्वित होने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान की गई। इस संबंध में पटना की सक्षम अदालत में 45 लोगों के खिलाफ कई आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार जांच के दौरान संजीव मुखिया की भूमिका को लेकर भी विस्तृत पड़ताल की गई, लेकिन उसके खिलाफ ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला जिससे यह साबित हो सके कि वह नीट-यूजी 2024 का प्रश्नपत्र चोरी करने या उसके वितरण में शामिल था। जांच के दौरान संजीव मुखिया फरार था। बाद में बिहार पुलिस ने उसे अन्य मामलों में गिरफ्तार किया। चूंकि नीट-यूजी 2024 मामले की प्राथमिकी में भी उसका नाम था, इसलिए सीबीआई ने उससे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था।

सीबीआई ने कहा कि जांच में उसकी संलिप्तता का कोई प्रमाण नहीं मिलने के कारण उसके खिलाफ इस मामले में आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया। इसी वजह से उसे नीट-यूजी मामले में जमानत मिल गई। हालांकि, वह बिहार पुलिस द्वारा जांचे जा रहे अन्य मामलों में आरोपित होने के कारण न्यायिक हिरासत में बना रहा। नीट-यूजी 2024 प्रश्नपत्र चोरी मामले की गहन जांच पूरी कर ली गई है और साजिश में शामिल सभी लोगों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाया गया है। संजीव मुखिया को जानबूझकर बचाने या मामले से बाहर रखने संबंधी जो कथन अब प्रसारित किए जा रहे हैं, वे तथ्यात्मक रूप से गलत हैं।

एनआईए ने पीएफआई के फरार आरोपी को दिल्ली हवाई अड्डे से दबोचा, सउदी अरब से वापस लौट रह था

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल के श्रीनिवासन हत्या मामले में एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह मामला प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़ा हुआ है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुहम्मदअली केपी के रूप में हुई है। वह पीएफआई के पलक्कड़ जिला अध्यक्ष था। एनआईए ने उसे गुरुवार यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया।

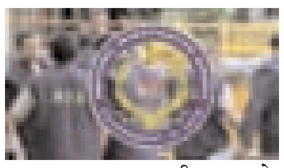

वह उस समय सऊदी अरब के रियाद से भारत लौटा था। वह पिछले चार वर्षों से वहीं छिपा हुआ था। इस गिरफ्तारी के साथ इस मामले में पकड़े गए आरोपियों की कुल संख्या 67 हो गई है।

एनआईए ने गुरुवार को बताया कि बताया कि मुहम्मदअली केपी पर भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं। वह हत्या की साजिश का प्रमुख हिस्सा था और उसने 16 अप्रैल 2022 को श्रीनिवासन की हत्या में शामिल हमलावरों को शरण भी दी थी। एनआईए ने उसकी गिरफ्तारी पर तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया था और इंटरपोल रेड नोटिस भी जारी किया गया था। श्रीनिवासन की हत्या पीएफआई कैडरों ने की थी। एनआईए की जांच में सामने आया कि पीएफआई भारत में 2047 तक इस्लामी शासन स्थापित करने की साजिश के तहत आतंक फैलाने की कोशिश कर रहा था। संगठन ने इसके लिए विभिन्न विंग और यूनिट बनाए थे। पीई विंग के जरिए शारीरिक शिक्षा और योग प्रशिक्षण के नाम पर हथियारों की ट्रेनिंग दी जाती थी। रिपोर्टर्स विंग संभावित लक्ष्यों की जानकारी जुटाने का काम करता था, जबकि सर्विस टीम आतंकवादी हमलों को अंजाम देती थी।

सरकार वार्ता को तैयार, आंदोलनकारी छात्र आवास या कार्यालय पर आएं : नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों से सरकार बातचीत के लिए तैयार है। इसके लिए छात्रों को उनके आवास या फिर कार्यालय आना होगा। संसद परिसर में जेपी नड्डा ने कहा, हां, हम तैयार हैं। हमारे घर या हमारे आधिकारिक कार्यालय आ जाइए। वहीं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये स्पष्ट कर दिया है कि जो दोषी हैं उन पर फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर कड़ी सजा दी जाएगी। हमारा कांग्रेस और विपक्ष से अनुरोध है कि इस विषय का राजनीतिकरण ना करें। भागें मत, चर्चा कीजिए। कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने 20 जुलाई को जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की थी और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद बुधवार को दोबारा बातचीत के लिए आमंत्रित करने पर सीजेपी नेताओं ने कहा था कि वह उनके आवास या कार्यालय पर नहीं जाएंगे बल्कि किसी अन्य स्थान पर बातचीत के लिए तैयार हैं। इसके पहले, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि आंदोलनकारी छात्रों से सरकार कहीं भी बातचीत के लिए तैयार है। दूसरी और सीजेपी सूत्रों के मुताबिक वह सरकार से किसी भी तरह की बातचीत उनके ऑफिस या घर पर नहीं करेगी।

दक्षिण पूर्व रेलवे में निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन-मिदनापुर के बीच तीसरी लाइन को मंजूरी 440 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे के निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन और मिदनापुर के बीच 14.52 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन के निर्माण को मंजूरी दे दी है। 440 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना ज्यादा इस्तेमाल होने वाले नेटवर्क पर यात्री और मालगाड़ियों के परिचालन को अधिक सुगम बनाने के साथ-साथ माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह परियोजना भारतीय रेलवे की उच्च घनत्व वाले रेल मार्गों पर क्षमता विस्तार की योजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य बढ़ती यात्री और माल परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करना, परिचालन क्षमता में सुधार करना तथा उद्योगों और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय के अनुसार, प्रस्तावित तीसरी लाइन दक्षिण पूर्व रेलवे के निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन से मिदनापुर तक 14.52 किलोमीटर लंबी होगी। यह खंड हाई यूटिलाइजेशन नेटवर्क (एचयूएन-2) का हिस्सा है। वर्तमान में निमपुरा वेस्ट आउटर केबिन-गोकुलपुर खंड एकल रेल लाइन है, जबकि इसके दोहरीकरण का कार्य पहले से जारी है। तीसरी लाइन बनने से इस रणनीतिक रेल मार्ग की क्षमता और परिचालन लचीलापन काफी बढ़ जाएगा।

इस रेल मार्ग पर यात्री ट्रेनों के साथ-साथ मैंगनीज, लौह अयस्क, कंटेनर, कोयला, क्लिंकर, पेलेट आयरन, इस्पात, गेहूं, पत्थर, स्लीपर, स्लैग, नमक, चावल, पेट्रोलियम उत्पाद, चूना पत्थर, जिप्सम, उर्वरक, खाद्य तेल, सीमेंट और अन्य आवश्यक वस्तुओं का बड़े पैमाने पर परिवहन होता है। इस मार्ग पर वर्तमान में लगभग 23.80 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) माल ढुलाई होती है। रेल मंत्रालय ने बताया कि इस खंड पर लाइन क्षमता का उपयोग 115.71 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जिससे यहां अत्यधिक दबाव की स्थिति बनी हुई है। तीसरी लाइन के निर्माण से इस भीड़भाड़ में कमी आएगी, यात्री और मालगाड़ियों का संचालन अधिक सुचारु होगा तथा नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

परियोजना पूरी होने के बाद इस मार्ग पर प्रतिवर्ष अतिरिक्त 3.52 मिलियन टन माल ढुलाई की क्षमता विकसित होगी। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और अन्य आवश्यक वस्तुओं के परिवहन को गति मिलेगी, परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी तथा उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को बेहतर रेल संपर्क का लाभ मिलेगा।

रेल मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना भारतीय रेलवे की क्षमता विस्तार और आधुनिक, दक्ष तथा भविष्य के लिए तैयार रेल नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत का पाकिस्तान को करारा जवाब, कहा- कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि का निलंबित किये जाने को न्यायोचित ठहराया है और कहा है कि पाकिस्तान ने दशकों तक भारत के खिलाफ आतंकवाद को राज्य की नीति में पोषित कर सिंधु जल संधि की बुनियादी भावना को ही खत्म कर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में आयोजित प्राकृतिक संसाधनों का शासनः शांति, सुरक्षा एवं समृद्धि की बुनियाद विषय पर उच्च स्तरीय खुली बहस के दौरान भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने पाकिस्तान पर सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए सिंधु जल संधि पर देश का सख्त रुख दोहराया।

हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के मंच का दुरुपयोग करते हुए झूठी कहानी पेश करने की कोशिश की है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सीमा-पार आतंकवाद को राज्य की नीति के रूप में अपनाने वाले देश के साथ आपसी विश्वास और सद्भावना पर आधारित सहयोग संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि को पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को लगातार समर्थन देने से अलग कर-के नहीं देखा जा सकता।

राजदूत पर्वतनेनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। यह संवैधानिक और कानूनी सच्चाई है जिसे पाकिस्तान जानबूझकर नजरअंदाज करना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर से जुड़ा एकमात्र लंबित मुद्दा पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा है और भारत पर उंगली उठाने के बजाय, पाकिस्तान अपने घर को ठीक कर-के अपना और अपने लोगों का ज्यादा भला करेगा।

भारत ने 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी, के बाद 23 अप्रैल को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा संबंधी समिति (सीसीएस) की बैठक में सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला लिया था। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा था कि यह संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और स्थायी रूप से सीमा-पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता। भारत सरकार ने नई दिल्ली में साफ किया है कि अपने निवर्तमान रूप में सिंधु जल संधि फिर से काम नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस संधि में रहना भारत के हित में नहीं है। उन्होंने कहा, भारत ने यह संधि नुकसान उठा कर भी सद्भावना और मैत्री की भावना से की थी लेकिन चार दशकों से सीमापार आतंकवाद को राज्य की नीति के रूप में निर्लज्जता से बढ़ा कर पाकिस्तान ने संधि में वर्णित सद्भावना का उल्लंघन किया है। संधि की नींव को ध्वस्त कर दिया गया है। भारत का कहना है कि जहां उसने युद्धों के दौरान भी छह दशकों से अधिक समय तक संधि का सम्मान किया, वहीं पाकिस्तान के निरंतर सीमा पार आतंकवाद (संसद, मुंबई, उरी, पुलवामा और पहलगाम पर हमलों सहित) ने संधि के लिए आवश्यक आपसी विश्वास और पारस्परिकता को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।

भारत का मानना है कि जिन परिस्थितियों में वर्ष 1960 में यह संधि हुई थी, वे अब पूरी तरह बदल चुकी हैं। सूत्रों ने कहा कि मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, आतंकवाद का, राज्य की नीति के रूप में प्रयोग खुद ही एक उल्लंघन है। भविष्य में यदि कोई भी समझौता या बातचीत की जाती है, तो वह आज की वास्तविकताओं जैसे जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियर रिट्रीट, स्थानांतरण जल विज्ञान, बढ़ती मांग, नई तकनीक और सुरक्षा चिंताओं को प्रतिबिंबित करेगी।

पाकिस्तान द्वारा सिंधु जल संधि को लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवाद समाधान की स्पष्ट प्रक्रिया तय है, जिसकी शुरूआत के दो स्तर द्विपक्षीय आधिकारिक स्तर की बातचीत से होती है, उसके बाद तटस्थ विशेषज्ञ और अंत में आवश्यकता होने पर मध्यस्थता न्यायालय का विकल्प आता है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने सीधे मध्यस्थता न्यायालय का रुख अपनाकर संधि के प्रावधानों का उल्लंघन किया। भारत ने दोहराया कि यह न्यायालय गैर-कानूनी तरीके से गठित किया गया था और इसका निर्णय भारत के लिए बाध्यकारी नहीं हैं। भारत का आरोप है कि भारत सरकार ने वर्ष 2023 में पाकिस्तान से बदलती परिस्थितियों - बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आवश्यकताओं और आधुनिक तकनीक को देखते हुए संधि की समीक्षा और आधुनिकीकरण का प्रस्ताव रखा था। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर बातचीत से लगातार इनकार करता रहा। सूत्रों ने कहा कि यह संधि 1950 के दशक की परिस्थितियों और तकनीक पर आधारित थी, जबकि आज जल संसाधनों की जरूरतें और चुनौतियां पूरी तरह बदल चुकी हैं।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)